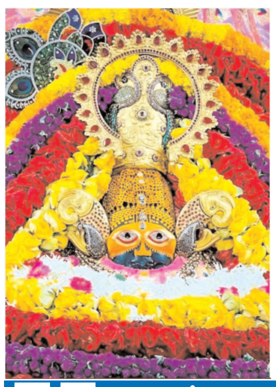

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक:15। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद,11 सितंबर 2026 (शुक्रवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

'आकाश आनंद अब बसपा से पूरी तरह आजाद'

'डबल माइंड से काम कर रहे थे...', बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से निकाला

एजेंसी

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को

पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। मायावती ने बृहस्पतिवार सुबह अपने आधिकारिक X हैंडल पर जारी किए गए बयान में कहा है कि आकाश आनंद डबल माइंड से काम कर रहे थे। इससे थोड़ी ही देर पहले आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ ने राजनीति से संन्यास लेने का ऐलान किया था। इसे लेकर मायावती ने कहा है कि अशोक सिद्धार्थ का यह फैसला देर से उठाया गया लेकिन सही कदम है। मायावती ने कहा, 'वैसे लोगों का यही कहना है कि अगर यह फैसला वे काफी पहले ही ले लेते तो बी.एस.पी., बहुजन समाज व बहुजन मूवमेन्ट तथा उनके दामाद श्री आकाश आनंद को भी लगातार विपरीत परिस्थितियों का सामना नहीं करना पड़ता और ना ही मुझे विधानसभा आमचुनाव एवं खासकर यूपी में पांचवीं बार सरकार बनाने की जबरदस्त तैयारियों के बीच, पार्टी व मूवमेन्ट के व्यापक हित के मद्देनजर इनके बारे में कई बार कड़े फैसले लेने आदि की जरूरत पड़ती। '

आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ ने मानी मायावती की शर्त, राजनीति से संन्यास का किया ऐलान

एजेंसी

लखनऊ: बहुजन समाज पार्टी में पिछले कुछ दिनों से चल रहा सियासी और पारिवारिक घटनाक्रम अब एक अहम मोड़ पर पहुंच गया है। बसपा प्रमुख मायावती के भतीजे आकाश आनंद के पार्टी में दोबारा सक्रिय होने को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ ने राजनीति और सामाजिक जीवन से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। अशोक सिद्धार्थ ने गुरुवार सुबह मायावती को पत्र लिखकर अपने फैसले की जानकारी दी। यह घटनाक्रम मायावती की उस शर्त के ठीक एक दिन बाद सामने आया है, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि अगर अशोक सिद्धार्थ पूरी तरह राजनीति से दूर हो जाते हैं, तभी आकाश आनंद को पार्टी में दोबारा जिम्मेदारी देने पर विचार किया जा सकता है। बसपा के भीतर आकाश आनंद की भूमिका को लेकर पिछले कुछ समय से असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। इसी बीच बुधवार को मायावती की ओर से अशोक सिद्धार्थ के सामने राजनीति से संन्यास लेने की शर्त रखे जाने की बात सामने आई। इसके बाद अशोक सिद्धार्थ ने बिना लंबा समय लिए अगले ही दिन अपने फैसले की घोषणा कर दी।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन: भारत दौरे पर आ सकते हैं चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग

पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक संभव

एजेंसी

नई दिल्ली: साल 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीनी सैनिकों के बीच हुई खूनी झड़प के बाद अब पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच एक औपचारिक द्विपक्षीय बैठक हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, शी जिनपिंग नई दिल्ली में आयोजित होने जा रहे 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने शनिवार को भारत आ सकते हैं। इस दौरे पर पूरी दुनिया की नजरें टिकी हुई हैं।

ब्रिक्स सम्मेलन के लिए नई दिल्ली आ सकते हैं शी जिनपिंग

भारत इस बार 12 और 13 सितंबर को दिल्ली में 18वें ब्रिक्स सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। इसी सिलसिले में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत सकते हैं। अगर जिनपिंग नई दिल्ली आते

हैं तो यह 2020 के सीमा विवाद और गलवान झड़प के बाद उनका पहला भारत दौरा होगा। हालांकि, दोनों देशों के विदेश मंत्रालयों ने अभी तक इस द्विपक्षीय बैठक की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन पर्दे के पीछे की कूटनीतिक हलचल इसी दिशा में इशारा कर रही है।

गलवान के खूनी टकराव के बाद कैसे बदले भारत-चीन के रिश्ते?

जून 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में दोनों देशों के सैनिकों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। इस घटना में भारत और चीन के सैनिक बलिदान हुए थे। इस घटना के बाद से ही दोनों देशों के बीच राजनैतिक, आर्थिक और कूटनीतिक संबंध बेहद निचले स्तर पर पहुंच गए थे। हालांकि, बीते कुछ महीनों में सैन्य और राजनयिक बातचीत के जरिए सीमा के कई तनाव वाले बिंदुओं से सेनाएं पीछे हटी हैं।

सहारनपुर मस्जिद ध्वस्तीकरण: मलबे में ईंटों पर लिखे मिले ये नंबर बने रहस्य

बढ़ गई उलझन; कुएं पर की बैरिकेडिंग

एजेंसी

सहारनपुर। कलक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद को हटाए जाने के बाद मलबे को अलग-अलग स्थानों पर डलवाया गया है। मलबे में कई ईंटें ऐसी हैं, जिन पर नंबर अंकित मिले हैं, जो रहस्य बना हुआ है। प्रथम दृष्टया उन नंबरों को देखने से ऐसा लगता है जैसे वह वर्ष की ओर इशारा कर रही हो। हालांकि इस बात की पुष्टि नहीं की जा सकती। कई लोग इन्हें ईंटों के निर्माण वर्ष से जोड़कर देख रहे हैं। अब सुरक्षा की दृष्टि से मलबे के आसपास पुलिस तैनात की गई है। दरअसल,

शनिवार पांच सितंबर को कलक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद को प्रशासन ने बेदखली के आदेश के तहत ध्वस्त करा दिया था। इसके बाद देर शाम तक मलबे को कलक्ट्रेट परिसर स्थल से हटा दिया गया। हटाए गए मलबे में कई ईंटों पर 1909, 1911 और 43 समेत अन्य नंबर लिखे हैं। लोगों का मानना है कि ईंटों पर लिखे यह नंबर ईंट निर्माण वर्ष के हैं। फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। ईंटों पर लिखे इन नंबरों ने मामलों को पूरी तरह से उलझा दिया है। मस्जिद प्रबंधन कमेटी द्वारा दावा किया जाता है कि कलक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद आजादी से पहले की है।इसके बाद मलबे से मिली ईंटों पर लिखे नंबर को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं भी शुरू हो गई हैं। कई लोग इसे मस्जिद प्रबंधन पक्ष के दावों को और पुख्ता होने की बात कह रहे हैं, वहीं जिन स्थानों पर मलबा डाला गया है वहां पर भी लोग इन ईंटों और मस्जिद के मलबे को देखने के लिए आ रहे हैं।

दिल्ली में ब्रिक्स सम्मेलन: 12 सितंबर को नहीं लगेगी लोक अदालत

ट्रैफिक पुलिस ने बताई नई तारीख

एजेंसी

नई दिल्ली। 12 सितंबर को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत अब 10 अक्तूबर 2026 को आयोजित की जाएगी। कोर्ट जाने वाले लोगों के लिए भी कुछ जरूरी अपडेट जारी किए गए हैं। 11 सितंबर की छुट्टी के कारण होने वाली बैठक तीन अक्तूबर को होगी। वहीं, 12 सितंबर की छुट्टी के बाद की बैठक 14 नवंबर को निर्धारित की गई है। 11 और 12 सितंबर के लिए सूचीबद्ध सभी मामले अब 14 सितंबर को सुने जाएंगे। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने सलाह दी है कि कोर्ट जाने से पहले अपनी तारीखें जांच लें।

इससे अनावश्यक यात्रा से बचा जा सकेगा। 11 से 13 सितंबर तक नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स समिट में सदस्य और साझेदार देशों के नेता, वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल, अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख और कारोबारी प्रतिनिधि शामिल होंगे। जिसके चलते स्कूलों में छुट्टी की घोषणा की गई है। नई दिल्ली में 11 से 13 सितंबर तक प्रस्तावित ब्रिक्स सम्मेलन को देखते हुए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने व्यापक यातायात व्यवस्था लागू की है। सम्मेलन में कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष और वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल होंगे। वीआईपी मूवमेंट के दौरान नई दिल्ली और आसपास के प्रमुख मार्गों पर वाहनों की आवाजाही रोकी या डायवर्ट की जा सकती है। ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से यात्रा से पहले एडवाइजरी देखने और निर्धारित डायवर्जन का पालन करने की अपील की है। दिल्ली पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) दिनेश कुमार गुप्ता के अनुसार, दिल्ली की सीमाओं पर अन्य राज्यों से आने वाले कॉमर्शियल वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी। हालांकि, जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति करने वाले वाहनों को प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। वीआईपी मूवमेंट के दौरान इन वाहनों को भी वैकल्पिक मार्ग से भेजा जा सकता है। यदि किसी देश के वरिष्ठ अधिकारी या प्रतिनिधिमंडल दिल्ली के बाजार अथवा ऐतिहासिक स्थल का दौरा करता है, तो सुरक्षा के मद्देनजर संबंधित क्षेत्र में भी कुछ समय के लिए यातायात प्रतिबंध लागू किए जाएंगे।

प्रियंका गांधी के नाम पर पर ठगी की कोशिश

•कार्यालय ने जारी किया स्कैम अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के नाम और उनके आवाज का इस्तेमाल कर साइबर ठग लोगों को ठगने की कोशिश कर रहे हैं। इसको लेकर प्रियंका गांधी के कार्यालय ने इंस्टाग्राम पर गुरुवार को 'स्कैम अलर्ट' जारी किया है। कार्यालय ने बताया कि वॉट्सऐप, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रियंका गांधी की एआई से बनी फर्जी फोटो और आवाज वाले वीडियो वायरल हो रहे हैं। इन वीडियो में लोगों से पैसे निवेश करने के लिए कहा जा रहा है। कार्यालय ने साफ कहा

है कि ये सभी वीडियो स्कैम हैं। लोगों से अपील की गई है कि ऐसे किसी भी लिंक पर क्लिक न करें और न ही निवेश करें। ऐसे पोस्ट को रिपोर्ट और ब्लॉक करें। इससे पहले अगस्त महीने में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नाम पर भी ऐसा ही फर्जी वीडियो सामने आया था, जिसका सरकार ने खंडन किया था।उस वीडियो में दावा किया जा रहा था कि 22 हजार रुपए के शुरुआती निवेश पर हर हफ्ते साढ़े पांच लाख रुपए की कमाई होगी। यह एक निवेश योजना का प्रचार था। पीआईबी की फैक्ट चेक यूनिट ने जांच में पाया कि यह वीडियो पूरी तरह फर्जी है और एआई से तैयार किया गया है।

गैंगस्टर अबू सलेम को सुप्रीम कोर्ट से झटका

रिहाई की मांग वाली याचिका खारिज

एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए 1993 के मुंबई सीरियल ब्लास्ट के दोषी और गैंगस्टर अबू सलेम की रिहाई से जुड़ी याचिका को खारिज कर दिया। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने यह फैसला सुनाया। अबू सलेम ने बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिला की थी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को सही ठहराते हुए सलेम की याचिका को खारिज कर दिया। इससे पहले, 27 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने सलेम की याचिका पर फैसला सुरक्षित कर लिया था। सलेम की ओर से दाखिल याचिका में दलील दी गई थी कि जब उसे पुर्तगाल से प्रत्यर्पित किया गया था, तो भारत सरकार ने आश्वासन दिया था कि उसे किसी भी मामले में मौत की सजा नहीं दी जाएगी और उसे 25 साल से अधिक की सजा नहीं दी जाएगी।

उसकी तरफ से कहा गया था कि सजा में मिलने वाली छूट को जोड़ने पर उसने 25 साल की सजा पूरी कर ली है, इसलिए उसे रिहा किया जाए। सलेम का मुख्य दावा यह था कि अगर मुकदमे के दौरान हिरासत , सजा के बाद की हिरासत और अच्छे व्यवहार के लिए जेल में मिली छूट को सही ढंग से एक साथ गिना जाए, तो उसने 31 मार्च 2025 तक 25 साल का समय पूरा कर लिया है।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि उसकी याचिका समय से पहले दायर की गई है। उसकी 25 साल की अवधि 2030 में पूरी होगी।

सलेम को 2002 में पुर्तगाल में गिरफ्तार किया गया था। प्रत्यर्पण की लंबी कानूनी लड़ाई के बाद सलेम को 2005 में भारत लाया गया। इसके बाद उस पर टाडा के दो मामलों में मुकदमा चला, जिसमें एक 1993 के बॉम्बे धमाकों से जुड़ा था और दूसरा एक अलग मामला था।

कॉकरोच जनता पार्टी के सौरव दास, आशुतोष रांका को दिल्ली हाईकोर्ट की नसीहत

कहा- बिना पुष्टि के पोस्ट करना ठीक नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली: दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार (10 सितंबर) को भारतीय जनता पार्टी नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया की मानहानि याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने कॉकरोच जनता पार्टी के नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका को नसीहत दी। कोर्ट ने कहा कि किसी के बारे में बिना पुष्टि किए पोस्ट करना सही नहीं है और दोनों को अपनी ओर से पोस्ट हटाने का सुझाव दिया। मामले की सुनवाई जस्टिस तुषार राव गेडेला कर रहे थे। भाटिया ने सीजेपी के अभिजीत दीपके, सौरव दास और आशुतोष रांका के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है। मामला 5 सितंबर को X पर दास और रांका की एक पोस्ट से जुड़ा है। गौरव भाटिया का आरोप है कि इस पोस्ट में एआई की मदद से तैयार एक फर्जी पोस्ट को उनके नाम से जोड़ दिया गया। इसमें कथित तौर पर भाटिया को स्वातंत्र्य भारद्वाज के लिए 'दिमागी नक्सली' और 'जातिवादी' जैसे शब्द कहते हुए दिखाया गया था। भारद्वाज पर CJP के एक नाबालिग प्रदर्शनकारी से मारपीट करने का आरोप है। सुनवाई की शुरुआत में कोर्ट ने कहा कि अभिजीत दीपके के खिलाफ याचिका में कोई आरोप नहीं है। दीपके के वकील नकुल गांधी ने उनका नाम मामले से हटाने का अनुरोध किया। कोर्ट ने सौरव दास और आशुतोष रांका से कहा कि विरोध करने के अलग-अलग तरीके हो सकते हैं। लेकिन बिना पुष्टि के इस तरह किसी पर आरोप लगाना सही नहीं है। कोर्ट ने कहा कि अगर वे खुद पोस्ट हटाने को तैयार हैं तो अपने

जवाब दाखिल कर सकते हैं और अदालत फिलहाल पोस्ट हटाने का आदेश जारी नहीं करना चाहती। सौरव दास की ओर से बताया गया कि संबंधित पोस्ट पहले ही हटा दी गई है। इस पर कोर्ट ने कहा कि एक और पोस्ट भी की गई थी। कोर्ट ने कहा कि सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है। लेकिन कई बार अपनी बात को ज्यादा स्पष्ट और जिम्मेदारी से रखना जरूरी होता है ताकि उसका सही मतलब सामने आए।

आप में फिर केजरीवाल की ताजपोशी, राष्ट्रीय संयोजक बने

23 सदस्यीय टीम में कई बड़े नाम, मान-चीमा को भी नई जिम्मेदारी

एजेंसी

नई दिल्ली: की राष्ट्रीय परिषद की 15वीं बैठक में संगठन को लेकर कई अहम फैसले किए गए। बैठक में एक बार फिर अरविंद केजरीवाल को सर्वसम्मति से पार्टी का राष्ट्रीय संयोजक चुना गया। परिषद की बैठक में कुल 330 सदस्यों ने हिस्सा लिया। इसके साथ ही पार्टी ने 23 सदस्यीय नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी का भी गठन किया है। केजरीवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में संगठन को मजबूत करने और आगामी राजनीतिक रणनीति पर चर्चा हुई। नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी में पार्टी के कई प्रमुख नेताओं को जगह मिली है। हालांकि, दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज को इस सूची में शामिल नहीं किया गया है। पार्टी की ओर से इसे कोई नया फैसला नहीं बताया गया है।

आप का कहना है कि भारद्वाज पहले भी राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य नहीं रहे हैं और वर्तमान में वह दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। राष्ट्रीय परिषद की बैठक में अरविंद केजरीवाल को सर्वसम्मति से राष्ट्रीय संयोजक चुना जाना पार्टी के संगठनात्मक ढांचे में उनके केंद्रीय नेतृत्व को दर्शाता है। पार्टी के गठन के बाद से केजरीवाल क्के

प्रमुख चेहरों में रहे हैं और राष्ट्रीय स्तर पर संगठन की राजनीतिक दिशा तय करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। बैठक में पार्टी की मौजूदा स्थिति, संगठनात्मक गतिविधियों और आगे की रणनीति को लेकर चर्चा हुई। नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी में विभिन्न राज्यों और पार्टी के अलग-अलग स्तरों पर सक्रिय नेताओं को शामिल किया गया है।

23 सदस्यीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी में कौन-कौन?

आप की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी में अरविंद केजरीवाल के साथ आतिशी, आदिल अहमद खान, अनुराग ढांडा, भगवंत मान, दिलीप पांडेय, दुर्गेश पाठक, गोपाल इटालिया, गोपाल राय, रानी अग्रवाल, हरपाल सिंह चीमा, मनीष सिसोदिया, मोहम्मद इरशाद, एनडी गुप्ता, पंकज गुप्ता, प्रीति शर्मा मेनन, पृथ्वी रेड्डी, राखी बिड़ला, विभव, संजय सिंह, सत्येंद्र जैन, शैली ओबेरॉय और राजबीर को शामिल किया गया है। इस सूची में दिल्ली, पंजाब और गुजरात समेत पार्टी के अलग-अलग राजनीतिक आधार वाले नेताओं को प्रतिनिधित्व दिया गया है। इससे संकेत मिलता है कि आप राष्ट्रीय संगठन में विभिन्न राज्यों की भूमिका को बनाए रखना चाहती है।राजनीति संगठन में कुछ प्रमुख पदों पर पहले से मौजूद नेताओं को ही जिम्मेदारी जारी रखने का फैसला किया गया है। पार्टी ने पंकज गुप्ता को राष्ट्रीय सचिव और एनडी गुप्ता को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है। दोनों नेता पहले भी इन्हीं पदों पर काम कर रहे थे। ऐसे में पार्टी ने संगठन के इन महत्वपूर्ण पदों पर निरंतरता बनाए रखने का फैसला किया है।

पंजाब सरकार के पूर्व मंत्री भगत चुन्नी लाल का निधन, बीजेपी के टिकट पर कई बार जीते थे चुनाव

चंडीगढ़। पंजाब सरकार के पूर्व मंत्री भगत चुन्नी लाल का बृहस्पतिवार को निधन हो गया। वह 93 साल के थे। उनके बेटे और पंजाब सरकार में कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत ने यह जानकारी दी। चुन्नी लाल ने जालंधर स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। आम आदमी पार्टी की सरकार में बागवानी मंत्री मोहिंदर भगत ने कहा, 'चुन्नी लाल भगत जी अब हमारे बीच नहीं रहे। उनके निधन से हम बेहद दुखी हैं। ' चुन्नी लाल भगत का अंतिम संस्कार बृहस्पतिवार शाम पांच बजे जालंधर में किया जाएगा। चुन्नी लाल के निधन के बाद पंजाब सरकार ने आधे दिन के अवकाश की घोषणा की है। चुन्नी लाल 2012 में शिरोमणि अकाली दल (शिअद)-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार में कैबिनेट मंत्री थे। तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल के नेतृत्व वाली सरकार में उनके पास स्थानीय निकाय तथा चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभागों का प्रभार था। चुन्नी लाल का जन्म एक दिसंबर 1932 को सियालकोट (अब पाकिस्तान) में हुआ था। विभाजन के बाद उनका परिवार जालंधर में बस गया था।

कैमरे में कैद हुई 'जय स्वामीनारायण काठियावाड़ी भोजनालय' की शर्मनाक लापरवाही

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। सांस्कृतिक नगरी वडोदरा के छानी इलाके से एक बहुत ही चौंकाने वाला और घिनौना मामला सामने आया है। सही दामों पर शुद्ध काठियावाड़ी खाना देने का दावा करने वाले'जय स्वामीनारायण काठियावाड़ी भोजनालय' में लोगों की सेहत से किस हद तक खिलवाड़ किया जा रहा है, इसका एक डरावना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और पूरे शहर में भारी हंगामा मचा दिया है वायरल वीडियो में साफ देखा

जा सकता है कि एक बिल्ली रेस्टोरेंट के किचन में रखी आटा चक्की में मुंह डालकर आराम से आटा खाती दिख रही है। जिस आटे से ग्राहकों के लिए रोटियां और भाखरी बनाई जाती हैं, उसमें बिल्ली के मुंह से निकले कीटाणु और गंदगी मिली होती है। जहां ग्राहक खाने को शुद्ध और साफ मानते हैं, वहीं रेस्टोरेंट मालिक खुलेआम गंभीर बीमारियों का कारण बन रहे हैं। एक जागरूक ग्राहक ने किया पर्दाफाश रेस्टोरेंट की इस शर्मनाक और जानलेवा लापरवाही को वहां खाना खाने आए एक जागरूक ग्राहक ने देखा। बिना किसी डर के ग्राहक ने तुरंत पूरी घटना अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर ली और सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। इस वीडियो के सामने आने के बाद लोगों में काफी गुस्सा है। इस घटना के बाद वडोदरा म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के फूड एंड ड्रग्स डिपार्टमेंट के कामकाज पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। क्या म्युनिसिपैलिटी का फूड डिपार्टमेंट सिर्फ होटलों और रेस्टोरेंट से किश्तें वसूलने में लगा है? लोगों की सेहत के साथ बड़े पैमाने पर हो रहे खिलवाड़ के बावजूद सख्त चेकिंग क्यों नहीं हो रही है? नगरपालिका का फूड डिपार्टमेंट ऐसे आपराधिक लापरवाह संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कब करेगा और रेस्टोरेंट को सील कब करेगा? ग्राहक अपनी जेब से पूरी कीमत देकर शुद्ध खाने की उम्मीद करते हैं, लेकिन बदले में उन्हें बीमारी परोसी जा रही है। 'पाको गुजरात' प्रशासन से सीधा सवाल पूछता है कि ऐसे लापरवाह रेस्टोरेंट संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कब की जाएगी? क्या नगर पालिका तभी जागेगी जब कोई बड़ी, असहनीय बीमारी फैल जाएगी?

CID क्राइम ने डेढ़ साल से फरार अब्बास अली राजपुरा को गिलोटिन किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महिसागर/गांधीनगर। देश के प्रधानमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट 'नल से जल' स्कीम में महिसागर में हुए 123 करोड़ के स्कैम में CID क्राइम को बड़ी कामयाबी मिली है। डेढ़ साल की तलाश के बाद, महिसागर WASMO ऑफिस के उस समय के यूनिट मैनेजर और इस पूरे स्कैम के मास्टरमाइंड अब्बास अली राजपुरा को आखिरकार CID क्राइम टीम ने एक खतरनाक ऑपरेशन में गिरफ्तार कर लिया है। सरकारी खजाने को चूना लगाकर किए गए इस स्कैम की डिटेल्स बेहद चौंकाने वाली हैं। आरोपी

अब्बास अली राजपुरा ने अपनी पावर का गलत इस्तेमाल करके महिसागर जिले के करीब 620 गांवों में पीने के पानी की स्कीम के नाम पर कागजों पर काम दिखाकर या अधूरे काम दिखाकर करोड़ों रुपये के फर्जी बिल पास करवाए। जो पानी गरीबों और आम लोगों के घरों तक पहुंचना चाहिए था, पानी के नाम पर करोड़ों रुपये की ग्रांट भ्रष्ट लोगों की जेब में चली गई। यह सिर्फ एक आदमी का काम नहीं था, बल्कि सरकारी अधिकारियों, ठेकेदारों और लोकल सरपंचों की मिलीभगत से चल रहा पूरा स्कैम नेटवर्क था। CID क्राइम टीम ने इस मामले में सख्त रुख अपनाया है और अब तक कुल 56 आरोपियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। इसमें भ्रष्ट सरकारी कर्मचारी, कैश हड़पने वाले ठेकेदार और सरपंच शामिल हैं जो स्कैम में पार्टनर थे। स्कैम करने के बाद फरार हुआ मास्टरमाइंड अब्बास अली राजपुरा पुलिस से बचने के लिए लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा था। लेकिन CID क्राइम की टेक्निकल और सर्विलांस टीम ने आखिरकार उसे घेरकर कानून के दायरे में ला दिया है। जनता के हक की पाई-पाई चुकानी पड़ेगी, यह साफ मैसेज देते हुए CID क्राइम ने अब आरोपियों को रिमांड पर लेने की कार्रवाई शुरू कर दी है, ताकि इस स्कैम का पैसा कहां रखा गया था और इसमें और कौन-कौन से बड़े नाम शामिल हैं, यह पता चल सके।

4 महीने से रुके हुए डभोई-वेगा रोड का काम एडमिनिस्ट्रेशन ने 90 घंटे में पूरा किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। जब एडमिनिस्ट्रेशन की लापरवाही और कॉन्ट्रैक्टर की मनमानी के आगे पब्लिक बेबस हो जाती है, । डभोई से वेगा तक की बहुत ज़रूरी रोड पर पिछले चार महीने से काम अधूरा छोड़कर गायब कॉन्ट्रैक्टर और गहरी नींद में सो रहे एडमिनिस्ट्रेशन को 'पाक्को गुजरात न्यूज़' की तीखी रिपोर्ट ने कड़ी टक्कर दी है। खबर छपते ही सरकारी अधिकारियों में भारी हलचल मच गई और एडमिनिस्ट्रेशन को चार महीने से रुके हुए काम को सिर्फ़ 90 घंटे के कम समय में युद्धस्तर पर फिर से शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ा। डभोई पट्टी कोई से वेगा तक की यह सड़क सिर्फ़ लोकल लोगों तक ही

सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया भर में मशहूर 'स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी' जाने वाले टूरिस्ट के लिए भी यह बहुत ज़रूरी सड़क है। लेकिन, कॉन्ट्रैक्टर की बड़ी लापरवाही की वजह से इस सड़क का काम चार महीने तक रुका रहा।

हादसे और धूल भरी आंधियां: सड़क पर बिखरी बजरी और उड़ती धूल की वजह से गाड़ी चलाने वालों के सो जाने और छोटी-बड़ी दुर्घटनाओं के मामले बढ़ गए थे। **जनता की परेशानी:** प्रशासन की लापरवाही की वजह से दिन-रात धूल खाने को मजबूर गाड़ी चलाने वाले और पैदल चलने वाले लोग परेशान होकर चिल्ला रहे थे। लोगों की इस बड़ी परेशानी और सिस्टम की पोल खोलने वाली ज़बरदस्त रिपोर्ट को 'पाको गुजरात न्यूज़' ने खास तौर पर छापा था। रिपोर्ट छपते ही संबंधित डिपार्टमेंट के अधिकारियों के पेट में हलचल मच गई। सिस्टम, जो सोया हुआ था, तुरंत एक्शन मोड में आ गया और सख्त रुख अपनाते हुए लापरवाह कॉन्ट्रैक्टर को आखिरी चेतावनी दी। नतीजा यह हुआ कि गिनती के 90 घंटों के अंदर ही मौके पर JCB और सड़क बनाने वाली मशीनें गूंजने लगीं और रुका हुआ काम ज़ोरों पर शुरू हो गया। सिस्टम के इस तुरंत एक्शन और 'पाक्को गुजरात न्यूज़' की एक्टिव और निडर पत्रकारिता ने डभोई के शहरवासियों, वेगा के गांववालों और गाड़ी चलाने वालों में बहुत राहत और खुशी की भावना फैला दी है। स्थानीय लोगों ने मुसीबत के समय लोगों के साथ खड़े रहने और लोगों की समस्याओं को सुलझाने और उनका हल निकालने के लिए इस घटना ने साबित कर दिया है कि जब पत्रकारिता निष्पक्ष और तेज होती है, तो सबसे खराब सिस्टम भी जनता का काम करने के लिए मजबूर हो जाता है।

कुडासन में बन रही बिल्डिंग का स्लैब गिरा

करप्ट सिस्टम और बिल्डर की बड़ी लापरवाही से बेगुनाहों की जान खतरे में

क्या नगर पालिका-सरकार सख्त एक्शन लेगी या सच करप्शन दब जाएगा?

जिम्मेदार लोगों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज करने की जोरदार मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर/कुडासन। गांधीनगर के कुडासन इलाके में 'बोस्की द एम्पायर' नाम की एक बन रही कमर्शियल साइट पर दो ब्लॉक के बीच का भारी स्लैब धमाके के साथ गिर गया, जिससे पूरे राज्य में अफरा-तफरी मच गई। स्लैब गिरते ही कान फाड़ देने वाली आवाज हुई और धूल के बीच मजदूरों की चीखों से इलाका गूंज उठा। इस भयानक हादसे में 15 से ज्यादा मजदूर मलबे में दब गए, जिन्हें देर रात तक चले NDRF, SDRF और फायर डिपार्टमेंट के जंगी रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद बाहर निकाला गया और सिविल हॉस्पिटल पहुंचाया गया। क्या होता अगर यह हादसा बिल्डिंग बनने के बाद हुआ होता? सबसे बड़ा और डरावना सवाल यह उठता है कि अगर बिल्डिंग का कंस्ट्रक्शन पूरा होने के बाद और दुकानों या ऑफिसों में चहल-पहल होने पर यह स्लैब गिर जाता तो कितना नुकसान होता? सैकड़ों बेगुनाह लोगों की जान चली जाती! इस घटना ने बिल्डिंग के कंस्ट्रक्शन की क्वालिटी, इस्तेमाल किए गए मटीरियल और स्ट्रक्चरल डिज़ाइन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष की स्कीम और सत्ताधारी पार्टी से कनेक्शन के आरोप

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, यह खूनी लापरवाही वाली स्कीम पेठापुर के पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष और BJP से जुड़े बिल्डर नीलेश मोदी की होने की बात सामने आई है। विपक्ष आरोप लगा रहा है कि सत्ताधारी BJP नेताओं की हिस्सेदारी और राजनीतिक संरक्षण के कारण नियमों को ताक पर रखकर कमजोर कंस्ट्रक्शन किया जा रहा था। नेताओं की जेबें भर रही हैं और गरीब मजदूरों और आम लोगों की जान दांव पर लगी है!

क्या नगर पालिका और प्रशासन की कोई जिम्मेदारी नहीं है?

नगर पालिका और नगर निगम के टाउन प्लानिंग डिपार्टमेंट की मुख्य जिम्मेदारी समय-समय पर यह चेक करना है कि कंस्ट्रक्शन प्लान के मुताबिक हो रहा है या नहीं और मटीरियल की क्वालिटी सही है या नहीं। लेकिन अधिकारियों की मिलीभगत और 'उगाही' की वजह से ऐसे गैर-कानूनी और कमज़ोर कंस्ट्रक्शन को आँख बंद करके मंजूरी दी जा रही है।

जनता की मांग: कागज़ों पर नहीं, सड़क पर सख्त एक्शन लें!

विपक्षी पार्टी और स्थानीय जनता में भारी गुस्सा है। मांग की जा रही है कि सिर्फ़ कॉन्ट्रैक्टर या कंपनी के छोटे कर्मचारियों को बलि का बकरा बनाने के बजाय

1. इस स्कीम के मुख्य बिल्डर और भ्रष्ट ज़िम्मेदार अधिकारियों पर IPC/इंडियन पीनल कोड के तहत गैर-इरादतन हत्या का केस दर्ज किया जाए।

2. इस प्रोजेक्ट की प्लानिंग परमिशन तुरंत कैंसिल करके सील की जाए।

3. घोटाले में शामिल नेताओं और अधिकारियों की प्रॉपर्टी की जांच हो।

सरकार को अब समझौते की पॉलिसी छोड़कर तुरंत और पक्की कार्रवाई करनी चाहिए, नहीं तो 'पक्को गुजरात' सिस्टम के इन भ्रष्ट चेहरों को जनता के सामने बेनकाब करना जारी रहेगा!

NEET समेत कई रिक्रूटमेंट एग्जाम के पेपर लीक में अपना गुनाह कबूला, EO के खिलाफ तोते की तरह सब कुछ उगल दिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पटना/गांधीनगर। पेपर लीक स्कैम के सबसे बड़े मास्टरमाइंड और देश भर के करोड़ों स्टूडेंट्स और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले कुख्यात एग्जाम माफिया संजीव मुखिया के बारे में एक बहुत ही चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पेपर लीक का यह 'किंगपिन' बिहार की इकोनॉमिक ऑफेंस यूनिट की कड़ी और जानलेवा पूछताछ के सामने ढेर हो गया है। संजीव मुखिया ने EOU टीम के सामने ऑफिशियली NEET और TRE-3 समेत देश के कई बड़े रिक्रूटमेंट एग्जाम के पेपर लीक में अपनी संलिप्तता कबूल कर ली है। पटना में EOU की कड़ी पूछताछ के दौरान संजीव मुखिया ने तोते की तरह एक के बाद एक अपने काले कारनामों का खुलासा किया

है। मिली जानकारी के मुताबिक, उसने सिर्फ एक एग्जाम नहीं बल्कि सालों से चल रहे पेपर लीक नेटवर्क की बात कबूल की है। संजीव मुखिया ने 2017 NEET एग्जाम पेपर लीक, 2023 CSBC कांस्टेबल भर्ती एग्जाम पेपर स्कैम, और BPSC टीचर वेरिफिकेशन विवादित पेपर लीक केस में अपना सीधा रोल और मास्टर प्लान मान लिया है। पेपर लीक का 'सिंडिकेट' कैसे काम करता था? EOU के लिंक जोड़ने में एक्टिव पूछताछ के दौरान, संजीव मुखिया ने एजेंसी को बताया है कि पेपर लीक का पूरा काला राज कैसे चल रहा था, क्वेश्चन पेपर कहां से और कैसे चोरी या लीक होते थे, सॉल्वर गैंग को कैसे रोका जाता था और लाखों रुपये लेकर कैंडिडेट्स तक पेपर कैसे पहुंचाए जाते थे। श्रह की टीम अब इस कबूलनामे के आधार पर पेपर लीक सिंडिकेट से जुड़े दूसरे बड़े बॉस, सरकारी अधिकारियों और बिचौलियों के लिंक जोड़ने में एक्टिव हो गई है।

शिहोरी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 2.44 लाख के नकली नोटों के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बनासकांठा। शिहोरी पुलिस ने बॉर्डर जिले बनासकांठा में नकली नोटों को बदलने के एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश करके सनसनी फैला दी है। पुलिस ने दो आदतन अपराधियों को रंगे हाथों पकड़ा है, जो असली नोटों के नाम पर नकली नोटों को मार्केट में लाकर आर्थिक अपराध करने की योजना बना रहे थे।

एक्टिवा के डेक में नकली नोटों का बंडल मिला

शिहोरी पुलिस को खास जानकारी मिली थी कि कुछ लोग होंडा एक्टिवा बाइक पर नकली नोटों की बड़ी खेप लेकर उन्हें बदलने के इरादे से मार्केट में घूम रहे हैं। जानकारी के आधार पर, पुलिस ने तुरंत एक वॉच लगाई और संदिग्ध

एक्टिवा को रोककर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान पुलिस भी हैरान रह गई, क्योंकि एक्टिवा में 500 रुपये के कुल 488 नकली नोट मिले। इन जब्त किए गए नकली नोटों की कुल कीमत 2,44,000 रुपये है। पुलिस ने मौके से दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जो गैर-कानूनी तरीके से नकली नोट रखने और उन्हें मार्केट में असली के तौर पर चलाने की कोशिश कर रहे थे: हालांकि, इस क्रिमिनल नेटवर्क का एक और मास्टरमाइंड, भीखू डाभी नाम का एक आदमी पुलिस रेड को चकमा देकर भागने में कामयाब रहा। सिहोरी पुलिस ने 2.44 लाख रुपये के नकली नोट और एक्टिवा जब्त कर कानूनी कार्रवाई की है। ये नकली नोट कहां से लाए गए थे? इस सिंडिकेट के पीछे और कौन से बड़े लोग शामिल हैं? और अब तक कितने नकली नोट मार्केट में लाए गए हैं? पुलिस ने सभी दिशाओं में जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने फरार आरोपी भीखू डाभी को पकड़ने के लिए सभी दिशाओं में जाल बिछा दिया है।

माइलेज घट गया और इंजन चल पड़ा यहां तक कि सरकार भी कहती है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। पिछले कुछ समय से देशभर में वाहन चालक अपना आपा खो बैठे हैं। सोशल मीडिया से लेकर स्थानीय गैरेज तक, एक ही रोना सुनाई दे रहा है: 'कार का माइलेज आधा हो गया है, कोई पिकअप नहीं है और इंजन स्थायी रूप से क्षतिग्रस्त हो गया है!' कारण एक ही है - पेट्रोल में 20' इथेनॉल मिलाने का मतलब है E20 ईंधन। जहां आम जनता इस 20' कंपाउंडिंग से परेशान है और अपनी जेब खाली होते देख रही है, वहीं केंद्र सरकार ने एक ऐसा विस्फोट किया है जिसने मोटर चालकों के पैरों तले जमीन खिसका दी है। सरकार ने अब यह स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले दिनों में वाहनों में श्व20 की तुलना में अधिक प्रतिशत इथेनॉल ईंधन भरने की तैयारी

पहले से ही पूरी हो चुकी है! देशभर में E20 ईंधन के खिलाफ बढ़ते विरोध प्रदर्शन और तीखी हड़ताल के जवाब में प्रधानमंत्री के सलाहकार तरूण कपूर ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने देश के वाहन चालकों की चिंताओं को खारिज करते हुए कहा 'इनमें से अधिकांश बातचीत और शिकायतें गलतफहमियों या निहित स्वार्थों से प्रेरित हैं। वैज्ञानिक अध्ययनों से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि श्व20 ईंधन उत्कृष्ट प्रदर्शन करता है। भले ही वाहन के माइलेज में मामूली या मामूली गिरावट हो, इथेनॉल की उच्च ऑक्टेन सामग्री के कारण इंजन की शक्ति क्षमता में सुधार होता है, जो माइलेज की कमी को पूरी तरह से दूर कर देता है। 'तरुण कपूर ने आगे कहा कि सरकार का ध्यान अब 'फ्लेक्स-फ्यूल' वाहनों की ओर बढ़ने और ई20 की तुलना में उच्च इथेनॉल मिश्रणों को हरी झंडी देने पर है। पेट्रोल के बाद अब डीजल कारों के ड्राइवरों को भी तैयार रहना होगा। डीजल सेगमेंट के बारे में बात करते हुए उन्होंने खुलासा किया कि रिफाइनरियों के कुल उत्पादन में डीजल की हिस्सेदारी सबसे बड़ी है। इसलिए सरकार अब डीजल में जैव ईंधन आधारित एडिटिव्स जोड़ने के विकल्प तलाश रही है।

गांधीनगर में हाई-वोल्टेज ड्रामा: पुलिस ने MLA अनंत पटेल को शराब का पैकेट लेकर असेंबली में घुसने से रोका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात असेंबली हाउस में आज एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। वांसदा से कांग्रेस MLA अनंत पटेल जब देसी शराब का पैकेट लेकर असेंबली कॉम्प्लेक्स में घुसने की कोशिश कर रहे थे, तो उन्हें सिक्योरिटी में तैनात पुलिसवालों ने रोक लिया। इस घटना के बाद, गेट पर ही स्र्रु और पुलिस के बीच तीखी बहस और हाथापाई शुरू हो गई।

पूरी घटना में क्या हुआ?

गुजरात में कागजों पर शराबबंदी होने के बावजूद, स्र्रु अनंत पटेल ने विरोध का अनोखा तरीका अपनाया था, उनका आरोप था कि राज्य में देसी और विदेशी शराब का काला धंधा फल-फूल रहा है। वह सबूत के तौर पर देसी शराब का पैकेट लेकर हाउस में विरोध दर्ज कराने जा रहे थे। लेकिन, सिक्योरिटी वालों ने मेन गेट पर ही उनकी चेकिंग की और शराब के पैकेट अंदर ले जाने से साफ मना कर दिया जैसे ही उन्हें गेट पर रोका गया, स्र्रु अनंत पटेल और पुलिस के बीच मारपीट शुरू हो गई। पुलिस ने उनसे सदन की सीमा और सुरक्षा नियमों का पालन करने को कहा, वहीं दूसरी तरफ अनंत पटेल ने आरोप लगाया कि 'राज्य के कोने-कोने में खुलेआम शराब बिक रही है, सरकार शराब बैन करने का दावा करती है लेकिन असलियत कुछ और है। मैं सदन में यह सच रखना चाहता हूं।' इस हाथापाई के बाद विधानसभा के गेट पर कुछ देर के लिए काफी भीड़ और तनाव रहा। इस घटना के बाद गांधीनगर की राजनीति गरमा गई है। विपक्ष ने राज्य सरकार पर शराब बैन लागू करने में नाकाम रहने का आरोप लगाया है, जबकि सत्ताधारी पार्टी ने MLA की हरकत को पब्लिसिटी स्टंट और सदन की गरिमा को खराब करने की कोशिश बताया है।

महाराष्ट्र SIM कार्ड और मनी लॉन्ड्रिंग के नाम पर कपल 5 दिन तक बंधक 13 लाख ज़ब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। हीरानगरी सूरत में साइबर क्राइम की एक हैरान करने वाली और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। सूरत के एक कंप्यूटर ऑपरेटर और उसकी पत्नी को बदमाशों ने मनी लॉन्ड्रिंग और गैर-कानूनी स्ढ्ढरू कार्ड के नाम पर डरा-धमकाकर लगातार 5 दिन तक 'डिजिटल अरेस्ट' में रखा और 13 लाख रुपये से ज़्यादा की बड़ी रकम ज़ब्त की है।

CBI और पुलिस ऑफिसर के नाम पर धमकी

मिली जानकारी के मुताबिक, पीड़ित कंप्यूटर ऑपरेटर को एक अनजान नंबर से कॉल आया। सामने वाले ने दावा किया कि महाराष्ट्र से उसके नाम पर खरीदा गया स्ढ्ढरूकार्ड गैर-कानूनी कामों और मनी लॉन्ड्रिंग के एक बड़े जुर्म में इस्तेमाल किया गया है। आरोपियों ने खुद को CBI और एक बड़े पुलिस ऑफिसर के तौर पर पेश किया और कपल को अरेस्ट वारंट और जेल भेजने की धमकी दी। 5 दिन तक कैमरों के सामने रखा

गुंडों ने कपल को दिमागी तौर पर इतना डरा दिया कि वे घर से बाहर नहीं निकले और किसी से कॉन्टैक्ट नहीं किया, उन पर वीडियो कॉल से लगातार नज़र रखी गई। कपल को लगातार 5 दिन तक घर के अंदर डिजिटल अरेस्ट में रखा गया, धमकी दी गई कि 'अगर कैमरा बंद किया या किसी को बताया तो पुलिस घर पर रेड करेगी '।

जांच के नाम पर अकाउंट में 13 लाख ट्रांसफर किए

आरोपियों ने 'CBI जांच' और बैंक अकाउंट वेरिफिकेशन के नाम पर कपल से अलग-अलग ट्रांजैक्शन के ज़रिए कुल ?13 लाख अपने अकाउंट में ट्रांसफर कर लिए। पैसे ट्रांसफर होने के बाद भी जब और पैसे की डिमांड जारी रही, तो कपल को एहसास हुआ कि उनके साथ ठगी हुई है। आखिर में डर के मारे कंप्यूटर ऑपरेटर ने सूरत साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में कॉन्टैक्ट किया। पुलिस ने अनजान साइबर जालसाजों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और जिन बैंक अकाउंट में पैसे ट्रांसफर किए गए थे, उनके आधार पर जांच शुरू कर दी है। चेतावनी संदेश कोई भी सरकारी एजेंसी कभी भी किसी को वीडियो कॉल पर 'डिजिटल तरीके से गिरफ्तार' नहीं करती या ऑनलाइन पैसे नहीं मांगती। अगर आपको ऐसा कोई कॉल आए, तो घबराएं नहीं और तुरंत पास के पुलिस स्टेशन या साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें।

नडियाद में प्रोग्रेसिव्स शोरूम का फरार मैनेजर राजन कौन है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद। नडियाद में प्रोग्रेसिव्स शोरूम से जुड़ा एक चौंकाने वाला मामला चर्चा में है। शोरूम मैनेजर राजन पर लोगों से लाखों रुपये लेकर फरार होने का आरोप लगा है। पूरा मामला सामने आने के बाद, शिकायत करने वालों की नजर अब पुलिस की कार्रवाई पर है। मिली जानकारी के मुताबिक, शोरूम मैनेजर के तौर पर काम कर रहे राजन पर लोगों से लाखों रुपये लेकर फरार होने का आरोप है। स पूरे मामले में जिस शख्स का नाम सामने आ रहा है, देखिए यह राजन है जिस पर लोगों से लाखों रुपये लेकर फरार होने का आरोप है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि यह व्यक्ति अब कहां है? वह नाडियाड छोड़कर कहां चला गया? और जिन लोगों की मेहनत की कमाई फंसने का आरोप है, उनके पैसे कब वापस मिलेंगे? अब इस मामले में पुलिस जांच अहम हो गई है। अगर शिकायत दर्ज होती है या और शिकायतें सामने आती हैं, तो पुलिस आरोपी तक पहुंचने के लिए टेक्निकल और दूसरी जांच कर सकती है। साथ ही, इस पूरे मामले में कितने लोगों से कितने पैसे लिए गए और इस कथित धोखाधड़ी के पीछे किसी और व्यक्ति की भूमिका है या नहीं, यह भी जांच का विषय हो सकता है। लोगों की मेहनत की कमाई से जुड़ा कोई भी मामला गंभीर होता है। अगर सच में लोगों से पैसे लिए गए हैं और फिर मैनेजर फरार हो गया है, तो पूरी घटना की निष्पक्ष जांच जरूरी है। लेकिन आरोप सही हैं या नहीं, इस पर आखिरी फैसला जांच और कानूनी प्रक्रिया के बाद ही हो पाएगा।

5 साल में 1,785 POCSO केस में फैसला, 908 आरोपियों को उम्रकैद और 16 को मौत की सज़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात में बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों को लेकर राज्य सरकार और कानून लागू करने वाली एजेंसियों की सख्त पॉलिसी के आंकड़े सामने आए हैं। राज्य सरकार के मुताबिक, 2022 से अगस्त 2026 तक गुजरात की POCSO कोर्ट में कुल 1,785 केस में फैसले सुनाए गए हैं। इन फैसलों में 908 आरोपियों को उम्रकैद और 16 आरोपियों को मौत की सज़ा सुनाई गई है। ?राज्य सरकार का कहना है कि बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों की जांच और कोर्ट की कार्रवाई में तेजी लाने के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट, साइंटिफिक सबूत इकट्ठा करने की प्रक्रिया और पुलिस और प्रॉसिक्यूशन के बीच तालमेल पर जोर दिया जा रहा है। ये आंकड़े बताते हैं कि POCSO केस में कोर्ट के फैसलों की संख्या भी बढ़ी है। 2022 में 194 फैसले हुए, जबकि 2025 में यह संख्या बढ़कर 499 हो गई। सरकारी डेटा के मुताबिक, 2026 के पहले आठ महीनों में, यानी अगस्त तक 346 फैसले दिए जा चुके हैं। 2026 के पहले आठ महीनों में आए 346 फैसलों में से 241 आरोपियों को उम्रकैद और दो आरोपियों को मौत की सज़ा दी गई है। अकेले अगस्त महीने में 48 POCSO केस में फैसले दिए गए, जिनमें 35 आरोपियों को उम्रकैद की सज़ा सुनाई गई। सरकारी डेटा के मुताबिक, पिछले पांच सालों में 140 POCSO केस में 15 दिनों के अंदर चार्जशीट फाइल की गईं। दूसरे 1,339 मामलों में 16 से 30 दिनों के अंदर चार्जशीट फाइल की गई, जबकि 5,463 मामलों में कहा गया है कि जांच पूरी हो गई और 31 से 45 दिनों के अंदर चार्जशीट जमा कर दी गई।

हिंदू सेना की मांग - एक साथ हो गणेश विसर्जन, सनातन संस्कृति का हो सम्मान पितृ पक्ष से पहले हो गणेश विसर्जन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजहरा, बालोद। आगामी गणेश चतुर्थी पर्व को लेकर हिंदू सेना संगठन, जिला बालोद के पदाधिकारी ने अनुविभागीय दंडाधिकारी (स्ष्ठरू) दल्ली राजहरा एवं पुलिस नगर अधीक्षक जिला बालोद को ज्ञापन सौंपा।

संगठन के सदस्यों ने ज्ञापन में कहा कि दल्ली राजहरा में गणेश उत्सव हर वर्ष बड़े धूमधाम से मनाया जाता है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से देखा जा रहा है कि कुछ समितियों द्वारा गणेश विसर्जन में अनावश्यक विलंब किया जाता है और पितृ पक्ष के बाद विसर्जन किया जाता है। मान्यता के अनुसार पितृ पक्ष प्रारंभ होने से पहले विसर्जन करना आवश्यक है।

साथ ही संगठन ने इस बात पर चिंता जताई कि कई पंडालों में धार्मिक भजन-आरती की जगह अश्लील फिल्मी गाने बजाए जाते हैं, जो सनातन धार्मिक संस्कृति के अनुरूप नहीं है।

हिंदू सेना संगठन ने प्रशासन से दो प्रमुख मांगे की हैं

1. इस वर्ष नगर में एकता और भाईचारे की मिसाल पेश करते हुए पितृ पक्ष शुरू होने से पहले ही सभी गणेश प्रतिमाओं का एक साथ सम्मानपूर्वक विसर्जन कराया जाए, जिससे शांति व्यवस्था भी बनी रहे।

2. सभी पंडाल संचालकों को निर्देशित किया जाए कि पंडालों में केवल धार्मिक भजन, आरती एवं मंत्र ही बजाए जाएं, फिल्मी गानों पर पूर्णतः रोक लगाई जाए।

संगठन ने कहा कि इस संबंध में स्ष्ठरू और पुलिस अधीक्षक एवं नगर अधीक्षक से चर्चा कर उचित आदेश जारी करने का आग्रह किया गया है।

इस अवसर पर हिंदू सेना संगठन के छत्तीसगढ़ प्रदेश महामंत्री निलेश श्रीवास्तव , जिला अध्यक्ष नंदा पसीने , संगठन संरक्षक आशा सिंह, नगर अध्यक्ष शंकर साहू, नगर मातृशक्ति अध्यक्ष संगीता रजक, नगर उपाध्यक्ष साक्षी खटवानी, नगर कोष अध्यक्ष पूजा तेजवानी ,सोनू मानिकपुरी उपस्थित रहे।

बिना इजाज़त या गैर-कानूनी तालाबों पर एडमिनिस्ट्रेशन की नज़र कब खुलेगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। ज़िले के आमोद तालुका में झींगा तालाबों को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। तालाबों की मंजूरी, ज़मीन के बंटवारे और नियमों के पालन की ट्रांसपेरेंट जांच की मांग हो रही है, खासकर देनवा समेत इलाकों में। सवाल यह है कि किस झींगा तालाब के लिए कितनी ज़मीन दी गई है? किस तालाब को कानूनी तौर पर मंजूरी दी गई है और कितने तालाब नियमों के दायरे में हैं? अगर मंजूर एरिया से ज़्यादा ज़मीन पर तालाब बनाया गया है या सरकारी ज़मीन का गैर-कानूनी इस्तेमाल हो रहा है, तो साइट इंस्पेक्शन और डॉक्यूमेंट्स का वेरिफिकेशन कौन करेगा?

एडमिनिस्ट्रेशन से सीधा सवाल

अगर देनवा समेत आमोद तालुका में झींगा तालाबों को लेकर नियमों का उल्लंघन हुआ है, तो साइट इंस्पेक्शन, ज़मीन के रिकॉर्ड का वेरिफिकेशन और ज़िम्मेदार लोगों के खिलाफ़ कानूनी कार्रवाई कब होगी?

शिकायतों और रिप्रेजेंटेशन के बावजूद, क्या एडमिनिस्ट्रेशन सिर्फ़ कागज़ पर आधारित कार्रवाई से संतुष्ट हो जाएगा या वह असल में साइट इंस्पेक्शन करेगा और गड़बड़ी पाए जाने पर तालाबों के खिलाफ़ कार्रवाई करेगा आखिरकार सरकारी ज़मीन के हर इंच और हर मंजूर झींगा तालाब का हिसाब बताने के लिए कौन ज़िम्मेदार है?

नितिन गडकरी ने कॉन्ट्रैक्टर्स को ब्लैकलिस्ट करने और अधिकारियों को सस्पेंड करने की धमकी दी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोवा। गोवा के पोरवोरिम में 6-लेन एलिवेटेड कॉरिडोर के उद्घाटन के मौके पर, केंद्रीय सड़क परिवहन और हाईवे मंत्री नितिन गडकरी ने मुंबई-गोवा हाईवे के निर्माण में हो रही देरी पर कड़ी नाराज़गी जताई है। मुंबई-गोवा हाईवे के निर्माण में हो रही लंबी देरी के लिए गडकरी ने सीधे कॉन्ट्रैक्टर्स पर निशाना साधा था। उन्होंने साफ कहा कि हाईवे के निर्माण में हो रही देरी से वह शर्मिंदा हैं और इसी वजह से वह इस हाईवे के उद्घाटन समारोह में शामिल नहीं होंगे। गडकरी ने कहा कि मुंबई-गोवा हाईवे के निर्माण के लिए कई कॉन्ट्रैक्टर्स को काम दिया गया था, लेकिन कुछ कॉन्ट्रैक्टर्स उम्मीद के मुताबिक काम पूरा नहीं कर पाए। उनके मुताबिक, प्रोजेक्ट में देरी के लिए अकेले मिनिस्ट्री को ज़िम्मेदार ठहराना सही नहीं है। क्योंकि काम में शामिल कई कॉन्ट्रैक्टर डेडलाइन के अंदर काम पूरा नहीं कर पाए, इसलिए हाईवे बनने में देरी हुई है। गडकरी ने तो यहां तक ??कहा कि इस देरी की वजह से उन्हें शर्म आ रही है और इसलिए वे हाईवे के उद्घाटन में शामिल नहीं होंगे। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि अक्टूबर में वे मुंबई एयरपोर्ट से सड़क के रास्ते गोवा जाएंगे और खुद मुंबई-गोवा हाईवे का इंस्पेक्शन करेंगे।

इसका मतलब है कि अब गडकरी ने सिर्फ फाइलों और रिपोर्ट के आधार पर ही नहीं, बल्कि सड़क पर भी हाईवे की असली हालत जांचने की अपनी तैयारी दिखाई है गडकरी के बयान का सबसे विवादित हिस्सा तब आया जब उन्होंने अपने डिपार्टमेंट से जुड़े वर्ल्ड रिकॉर्ड का ज़िक्र करते हुए कॉन्ट्रैक्टरों और अधिकारियों को कड़ा संदेश दिया। उन्होंने मज़ाक उड़ाते हुए कहा कि उनके डिपार्टमेंट के नाम पहले से ही सात वर्ल्ड रिकॉर्ड हैं, लेकिन अब वे एक और वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाना चाहते हैं। गडकरी का संदेश था कि इस बार विश्व रिकॉर्ड सबसे ज्यादा ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने और सबसे ज्यादा अधिकारियों को निलंबित करने का होना चाहिए।

अहमदाबाद में ड्रग्स नेटवर्क का पर्दाफाश

रामोल पुलिस की बड़ी कार्रवाईः एक प्राइवेट ट्रैवल बस से 843 ग्राम से ज़्यादा MD ड्रग्स ज़ब्त, 25.36 लाख का सामान ज़ब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। रामोल पुलिस ने अहमदाबाद शहर में ड्रग्स के काले कारोबार के खिलाफ़ बड़ी कार्रवाई की है। एक सीक्रेट जानकारी के आधार पर, रामोल पुलिस टीम ने अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस हाईवे के टोल बूथ के पास पहरा लगाकर वडोदरा से आ रही एक प्राइवेट ट्रैवल बस से मेफेड्रोन यानी MD ड्रग्स की मात्रा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस पुलिस कार्रवाई में कुल 843 ग्राम 610 मिलीग्राम मेफेड्रोन ड्रग्स बरामद हुई है, जिसकी कीमत लगभग ?25,30,830 बताई गई है। इसके अलावा, आरोपियों के पास से मोबाइल फ़ोन, पावर बैंक, कपड़े समेत कुल 25,36,430 का सामान बरामद हुआ है। पुलिस इंस्पेक्टर वी.डी. मोरी और एम.आर. चौधरी की गाइडेंस में, रामोल पुलिस की एक टीम ने रामोल CTM एक्सप्रेस हाईवे टोल बूथ के पास नज़र रखी। इसी बीच, वडोदरा से आ रही एक प्राइवेट ट्रैवल्स बस की चेकिंग की गई। बस में एक संदिग्ध दिखने वाले व्यक्ति की तलाशी ली गई और उसके पास से कमर्शियल क्वांटिटी में ड्रग्स मिले।पुलिस ने तुरंत आरोपी को पकड़ लिया और ड्रग्स समेत सामान ज़ब्त कर लिया। आरोपी इंदौर का रहने वाला था और उसे ड्रग्स अहमदाबाद पहुंचानी थी। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रिजवान उर्फ रिज़ू मोहम्मद फारूक मंसूरी, उम्र 24 साल, चंदननगर, इंदौर, मध्य प्रदेश के रहने वाले के तौर पर हुई है। पुलिस की शुरुआती पूछताछ में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। बताया गया है कि आरोपी ने इंदौर के वॉन्टेड आरोपी शानूभान से ऑनलाइन 'ज़ंगी' एप्लीकेशन के ज़रिए कॉन्टैक्ट किया था। पुलिस जांच के मुताबिक, इंदौर से लाई गई ख्ब्ब ड्रग्स की क्वांटिटी अहमदाबाद में रहने वाले वॉन्टेड आरोपी रियाज़ अली को पहुंचाई जानी थी। यानी, यह मामला सिर्फ़ एक व्यक्ति तक ही सीमित है या उसके पीछे कोई बड़ा ड्रग्स सिंडिकेट एक्टिव है, पुलिस उस दिशा में भी जांच कर रही है

कीमतः 25,30,830

1 मोबाइल फ़ोनः 5,000

पावर बैंक, कपड़े और दूसरा सामान

कुल आपत्तिजनक सामानः 25,36,430

पुलिस ने सारा आपत्तिजनक सामान ज़ब्त कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। अहमदाबाद में युवाओं को ड्रग्स की लत के जाल में फंसाने की कोशिशों के खिलाफ पुलिस की यह कार्रवाई ज़रूरी है। लेकिन एक आरोपी की गिरफ्तारी से पूरा नेटवर्क खत्म नहीं होता। इंदौर से अहमदाबाद तक MD ड्रग्स की इतनी मात्रा कैसे पहुंची? इसके पीछे का मास्टरमाइंड कौन है? ज़ंगी ऐप पर संपर्क करने वाले आरोपियों का नेटवर्क कितना बड़ा है?

राजकोट-अहमदाबाद CA की तिकड़ी का 600 करोड़ का घोटाला विदेश में फर्जी शेल कंपनियां बनाकर करोड़ों ट्रांसफर किए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। सौराष्ट्र की आर्थिक राजधानी राजकोट और अहमदाबाद के फाइनेंशियल सर्कल में बड़ा धमाका हुआ है। चार्टर्ड अकाउंटेंट की एक चालाक तिकड़ी द्वारा किए गए 600 करोड़ के इंटरनेशनल फाइनेंशियल स्कैम के सामने आने से पूरे गुजरात के बिजनेस और इन्वेस्टमेंट की दुनिया में दहशत फैल गई है। जांच एजेंसियों ने अपने ही माल के खरीदार और विक्रेता बनकर लंदन और दूसरे देशों में करोड़ों रुपये ट्रांसफर करने के इस जटिल रैकेट का भंडाफोड़ किया है।

अपने ही माल के खरीदार और विक्रेता की भूमिका निभा रहे हैं

जांच एजेंसियों से मिली शुरुआती जानकारी के मुताबिक, इस ष्ट तिकड़ी ने विदेशी धरती पर, खासकर च (लंदन) और दूसरे टैक्स हेवन देशों में फर्जी शेल कंपनियां (बेनामी फर्म) बनाई थीं। यह तिकड़ी भारत में बैठकर कागजों पर बड़े एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट डील दिखाती थी। जिसमें

सेल्फ-ट्रेडिंग मॉडलः भारतीय कंपनियों द्वारा विदेश में अपनी कंपनियों को सामान बेचा जाता था और बाद में उसी सामान को ज़्यादा कीमत पर वापस खरीदा हुआ दिखाया जाता था।

मनी लॉन्ड्रिंगः कागज़ों पर गलत बिलिंग और ओवर-इनवॉइसिंग करके भारतीय निवेशकों और व्यापारियों के करोड़ों रुपये असली पैसे के तौर पर दिखाए जाते थे और हवाला के ज़रिए गैर-कानूनी तरीके से लंदन भेजे जाते थे। इस तिकड़ी ने गुजरात के कई मशहूर और गुमनाम निवेशकों से ज़्यादा रिटर्न और टैक्स बचाने का वादा करके करोड़ों रुपये इन्वेस्ट करवाए थे। पता चला है कि निवेशकों को अंधेरे में रखा गया और उनके पैसे बार-बार विदेशी अकाउंट में ट्रांसफर किए गए। जब जांच एजेंसियों ने मनी ट्रेल का पता लगाया, तो यह 600 करोड़ का नेटवर्क सामने आया। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट, एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट और साइबर/इकोनॉमिक ऑफेंस विंग जैसी कई एजेंसियों ने इस मामले में पूरी जांच की है। ज़ब्त किए गए डॉक्यूमेंट्सः ष्ट्ठह्व और उनके साथियों के राजकोट और अहमदाबाद में मौजूद ठिकानों पर छापे में डिजिटल सबूत, लैपटॉप और बेनामी मैनेजमेंट डायरियाँ ज़ब्त की गई हैं। बैंक अकाउंट फ्रीज़ः स्कैम में शामिल डमी कंपनियों के बैंक अकाउंट और संदिग्ध प्रॉपर्टीज़ को फ्रीज़ करने का प्रोसेस शुरू कर दिया गया है।

मांगें नहीं मानीं तो गांधी चिंध्या मार्ग पर अलग-अलग चरणों में होगा उग्र आंदोलन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। गुजरात स्टेट ग्राम सेवक महामंडल ने लंबे समय से पेंडिंग मुद्दों और मांगों को हल करने के लिए एक बार फिर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। ग्राम सेवकों ने कलेक्टर ऑफिस में पिटीशन देकर एडमिनिस्ट्रेशन के सामने अपनी बात रखी है।महामंडल का कहना है कि ग्राम सेवकों के मुद्दों को लेकर पहले भी सरकार और संबंधित डिपार्टमेंट को पिटीशन दी गई थी। इतना ही नहीं, मुद्दों को हल करने के लिए अल्टीमेटम भी दिया गया था। लेकिन अल्टीमेटम खत्म होने के बाद भी कोई पॉजिटिव फैसला नहीं लिया गया है। ग्राम सेवक महामंडल के मुताबिक, कर्मचारी लंबे समय से अपने पेंडिंग मुद्दों के हल का इंतजार कर रहे हैं। बार-बार शांति से बात करने के बाद भी, मुद्दों का हल न होने से कर्मचारियों में नाराजगी और भी बढ़ गई है। ग्रामसेवकों का कहना है कि सरकारी योजनाओं और विकास के कामों को गांव के लेवल पर लोगों तक पहुंचाने में उनका अहम रोल है। लेकिन, आरोप है कि उनके मुद्दों को लगातार नज़रअंदाज़ किया जा रहा है। बार-बार रिप्रेजेंटेशन और इंतज़ार करो की पॉलिसी के बाद, ग्रामसेवक महामंडल ने अब आंदोलन का रास्ता अपनाने की धमकी दी है। महामंडल ने साफ कहा है कि अगर पेंडिंग मुद्दों का तुरंत और पॉजिटिव हल नहीं किया गया, तो गांधीवादी रास्ते पर डेमोक्रेटिक तरीके से अलग-अलग स्टेज में एक ज़बरदस्त आंदोलन शुरू किया जाएगा। विरोध करने का फैसला सिर्फ धमकी नहीं होगा और यह भी चेतावनी दी गई है कि आने वाले दिनों में प्रोग्राम को अलग-अलग स्टेज में और तेज़ किया जाएगा। कर्मचारियों के मुद्दों को हल करने के लिए बार-बार पिटीशन और रिप्रेजेंटेशन देने की नौबत क्यों आ रही है? अगर सरकार और संबंधित डिपार्टमेंट को पहले से ही मुद्दों की जानकारी है, तो उन्हें हल करने का फैसला लेने में देरी क्यों हो रही है? अगर ग्रामसेवक महामंडल के आरोप सही हैं

mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो
अहमदाबाद, (शुक्रवार)
11 सितंबर 2026

वार्ड-33 विवाद के विरोध में कांग्रेस का एसपी ऑफिस पर धरना, पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को थाने पहुंचाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। नगर परिषद चुनाव के दौरान वार्ड-33 के राजेंद्र नगर स्थित मतदान केंद्र पर कांग्रेस प्रत्याशी पवन दवे के साथ कथित मारपीट के विरोध में बुधवार रात कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एसपी कार्यालय के सामने धरना दिया। कांग्रेस प्रत्याशी और उनके समर्थक मतदान केंद्र पर हुए विवाद में कथित तौर पर शामिल लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई की मांग को लेकर एसपी शैलेंद्र सिंह इंदोलिया से मिलने पहुंचे थे। एसपी के कार्यालय में नहीं मिलने पर कार्यकर्ता वहीं धरने पर बैठ गए। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी रामेश्वरलाल भाटी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से समझाइश की और कहा कि वे अपनी रिपोर्ट एवं ज्ञापन डीएसपी को दे सकते हैं। हालांकि कार्यकर्ता एसपी से ही मुलाकात करने की मांग पर अड़े रहे। काफी देर तक समझाइश के बावजूद जब प्रदर्शनकारी नहीं माने तो पुलिस ने सभी को वहां से हटाकर कोतवाली पहुंचा दिया। पुलिस की कार्रवाई के बाद रात करीब 10 बजे कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता कोतवाली के बाहर एकत्रित हो गए। यहां उन्होंने पुलिस कार्रवाई का विरोध किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि उन्हें हटाने के दौरान पुलिस ने हाथापाई की। इसके बाद माहौल एक बार फिर गरमा गया। मामले में कांग्रेस नेता पुखराज पाराशर ने हस्तक्षेप किया। उनके हस्तक्षेप के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को छोड़ दिया। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता पुखराज माली ने कोतवाली के सामने कपड़े उतारकर विरोध जताया, जिससे प्रदर्शन ने नया रूप ले लिया। वार्ड-33 के राजेंद्र नगर स्थित सरकारी स्कूल में बनाए गए संवेदनशील मतदान केंद्र पर बुधवार दोपहर करीब 2:30 बजे विवाद हुआ था। कांग्रेस प्रत्याशी पवन दवे के अनुसार, दो महिलाएं और एक युवक वोट डालने पहुंचे थे। उनका आरोप है कि भाजपा प्रत्याशी जयसिंह और उनके समर्थक तथा पोलिंग एजेंट डूंगराराम देवासी मतदान कक्ष के अंदर मौजूद थे। दवे ने मतदाताओं पर दबाव बनाए जाने की आशंका जताते हुए आपत्ति दर्ज कराई, जिसके बाद दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। दवे ने आरोप लगाया कि मतदान कक्ष से बाहर निकलते ही डूंगराराम ने उनका हाथ पकड़कर उन्हें घेर लिया। इसी दौरान भाजपा प्रत्याशी जयसिंह ने उन्हें पीछे से पकड़कर जमीन पर गिरा दिया और लात मारी। हालांकि ये आरोप कांग्रेस प्रत्याशी की ओर से लगाए गए हैं। घटना के समय पुलिसकर्मी और जोनल मजिस्ट्रेट अशोक विश्नोई भी मौके पर मौजूद थे। विवाद बढ़ने पर पुलिस ने दोनों पक्षों को अलग किया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस की ओर से हल्का बल प्रयोग किए जाने की भी जानकारी सामने आई। घटना के बाद कांग्रेस प्रत्याशी और उनके समर्थक आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराने तथा कार्रवाई की मांग को लेकर एसपी कार्यालय पहुंचे थे। एसपी से मुलाकात नहीं होने के बाद शुरू हुआ धरना देर रात कोतवाली के बाहर विरोध प्रदर्शन तक पहुंच गया।

8 महीने से स्टाइपेंड का इंतजार, सिरोही जिला अस्पताल के इंटर डॉक्टरों ने सौंपा ज्ञापन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। जिला अस्पताल में कार्यरत विदेश से मेडिकल डिग्री लेकर लौटे इंटर डॉक्टर पिछले आठ महीने से स्टाइपेंड का इंतजार कर रहे हैं। भुगतान नहीं होने से परेशान डॉक्टर गुरुवार को राजस्थान फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएशन सोसायटी के बैनर तले अतिरिक्त कलेक्टर और मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य से मिले। डॉक्टरों ने दोनों अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर पिछले आठ महीने से लंबित स्टाइपेंड का जल्द भुगतान कराने की मांग की। डॉक्टरों ने अधिकारियों के सामने अपनी समस्या रखते हुए बताया कि जिला अस्पताल में उनकी ड्यूटी सुबह, दोपहर और शाम की पारी के साथ-साथ रात में भी लगाई जाती है। वे नियमित रूप से अस्पताल में अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं और मरीजों के उपचार तथा सेवा में किसी तरह की कमी नहीं आने दे रहे हैं। डॉक्टरों का कहना है कि उन्होंने अपनी ड्यूटी के दौरान पूरी जिम्मेदारी के साथ काम किया और आज तक किसी मरीज या अस्पताल प्रशासन को शिकायत का मौका नहीं दिया। इसके बावजूद पिछले आठ महीने से उन्हें स्टाइपेंड का भुगतान नहीं किया गया है। लंबे समय से भुगतान अटका होने के कारण डॉक्टरों में नाराजगी है। उनका कहना है कि वे लगातार मेडिकल कॉलेज और संबंधित अधिकारियों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। ज्ञापन देने पहुंचे डॉक्टरों ने बताया कि विदेश से मेडिकल डिग्री लेकर लौटे कई इंटर डॉक्टर देश के अलग-अलग राज्यों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनके अनुसार, दूसरे राज्यों में कार्यरत इंटर डॉक्टरों को स्टाइपेंड का भुगतान मिल चुका है, जबकि सिरोही में कार्यरत डॉक्टर अभी तक अपने भुगतान का इंतजार कर रहे हैं। डॉक्टरों ने लंबित राशि का जल्द भुगतान कराने की मांग करते हुए कहा कि लंबे समय से भुगतान नहीं होने से उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

चार जिलों में गणेश उत्सव समितियों के पंडालों को मिलेगा अस्थाई बिजली कनेक्षन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। राजनांदगांव/मोहला/खैरागढ़/कवर्धा छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी राजनांदगांव क्षेत्र के मुख्य अभियंता एच के मेश्राम ने राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई एवं कबीरधाम जिले के फील्ड अधिकारियों को गणेश उत्सव समितियों के पंडालों के लिये त्वरित अस्थाई विद्युत कनेक्शन प्रदाय करने के निर्देश प्रसारित किये हैं। उन्होंने बताया कि गणेष उत्सव सहित विभिन्न धार्मिक उत्सवों एवं आयोजनों पर लगने वाले पंडालो की सजावट, चलित झांकियों एवं मेलों के लिये अस्थाई विद्युत कनेक्शन प्रदान करने की पहल विद्युत विभाग द्वारा किया जा रहा है। पटेल ने राजनांदगांव, डोंगरगांव, मोहला, डोंगरगढ, खैरागढ, कवर्धा एवं पंड़रिया संभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पंडालों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति् सुनिश्चित कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किये है। विद्युत कंपनी के मुख्य अभियंता हर्ष कुमार मेश्राम ने राजनांदगांव क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले चार जिलों के आमजनों एवं गणेश उत्सव समितियों के संचालकों से अपील करते हुए कहा है कि सभी धार्मिक उत्सव एवं आयोजनों में लगने वाले पूजा पंडालों एवं मेलों के लिये विद्युत वितरण केन्द्रों की अनुमति से अस्थाई वैध कनेक्शन ही प्राप्त करें, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके। उन्होंने बताया कि कई स्थानों में अनाधिकृत रूप से लाईन से हुकिंग कर विद्युत का उपयोग किया जाता है। विद्युत के अनाधिकृत उपयोग से दुर्घटना हो सकती है तथा ट्रांसफॉर्मर आदि उपकरणों में आग लगने की संभावना उत्पन्न हो जाती है। अवैध रूप से विद्युत का उपयोग बिजली चोरी के श्रेणी में आता है, और बिजली की चोरी ना केवल कानूनन जूर्म हैं बल्कि एक सामाजिक बुराई भी हैं। इससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त बोझ पड़ता हैं तथा स्वीकृत भार से अधिक विद्युत के उपयोग से मांग और आपूर्ति् के बीच संतुलन बिगड़ जाता है जिससे लो-व्होल्टेज की स्थिति निर्मित होती है, और नियमित विद्युत आपूर्ति् में बाधा उत्पन्न होती है।

मंडार की पहली शहरी सरकार चुनने उमड़े मतदाता, 77.89 प्रतिशत हुआ मतदान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मंडार। मंडार नगर पालिका के पहले निकाय चुनाव में बुधवार को मतदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। पहली बार नगर पालिका के माध्यम से अपनी शहरी सरकार चुनने को लेकर लोगों में सुबह से ही मतदान के प्रति उत्सुकता नजर आई। सुबह 7 बजे मतदान शुरू होते ही विभिन्न मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की कतारें लग गईं। दिनभर मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की आवाजाही बनी रही और शाम 6 बजे मतदान समाप्त होने तक मंडार नगर पालिका क्षेत्र में कुल 77.89 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। नगर पालिका के 20 वार्डों में कुल 11,311 मतदाताओं के लिए 20 मतदान केंद्र बनाए गए थे। मतदान को लेकर प्रशासन की ओर से आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। मतदाताओं ने अपने-अपने वार्डों में पहुंचकर मतदान किया। पहली बार होने वाले निकाय चुनाव के कारण स्थानीय स्तर पर भी चुनाव को लेकर विशेष उत्साह नजर आया। मतदान समाप्त होने के बाद अब प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की निगाहें 14 सितंबर को होने वाली मतगणना पर टिक गई हैं। मतदान प्रतिशत के मामले में वार्ड 19 सबसे आगे रहा। यहां 86.12 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। वहीं वार्ड 20 में सबसे कम 71.48 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। दोनों वार्डों के मतदान प्रतिशत में अंतर रहा, लेकिन पूरे नगर पालिका क्षेत्र का मतदान प्रतिशत 77.89 प्रतिशत रहा। मतदान खत्म होने के बाद प्रत्याशी और समर्थक अपने-अपने पक्ष में मतदान होने का दावा करते नजर आए।

वार्ड 11 में ईवीएम खराब, कुछ देर रुका मतदान

कोलीवास स्कूल स्थित वार्ड 11 के मतदान केंद्र पर मतदान के दौरान ईवीएम में तकनीकी खराबी आने से कुछ समय के लिए मतदान प्रक्रिया बाधित हो गई। मशीन में खराबी के कारण मतदान केंद्र पर कतार में खड़े मतदाताओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलने के बाद चुनाव विभाग की तकनीकी टीम मौके पर पहुंची। टीम ने ईवीएम को दुरुस्त किया, जिसके बाद मतदान प्रक्रिया दोबारा शुरू कराई गई। वार्ड 16 में मतदान के दौरान कुछ समय के लिए विवाद की स्थिति भी बनी। भाजपा प्रत्याशी रमीला देवी ने पुलिस-प्रशासन पर भेदभाव का आरोप

लगाया। उनका कहना था कि पुलिस उन्हें मतदान केंद्र से बाहर कर रही है, जबकि निर्दलीय प्रत्याशी के पति को अंदर-बाहर आने-जाने की अनुमति दी जा रही है। विवाद की सूचना मिलने पर थानाधिकारी प्रवीण आचार्य मौके पर पहुंचे और समझाइश कर स्थिति को शांत कराया। मतदान के दौरान कानून-व्यवस्था और सुरक्षा को लेकर पुलिस-प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। एसपी पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ ने विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। रिटर्निंग अधिकारी राजन लोहिया और डीएसपी अशोक आंजना के निर्देशन में मतदान केंद्रों और शहर में पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा। शांतिपूर्ण मतदान समाप्त होने के बाद अब सभी की नजरें 14 सितंबर को होने वाली मतगणना पर हैं। इसी दिन मंडार नगर पालिका के पहले चुनाव का परिणाम सामने आएगा और पहली बार चुनी जाने वाली शहरी सरकार की तस्वीर साफ होगी।

बारिश की कमी से सूखी फसलें, जालोर को अकाल प्रभावित क्षेत्र घोषित करने की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। जिले में बारिश की कमी के कारण फसलों को हुए नुकसान और अकाल जैसे हालात को लेकर किसानों का आक्रोश बुधवार को सड़क पर दिखाई दिया। भारतीय किसान संघ के नेतृत्व में बड़ी संख्या में किसानों ने रैली निकालकर जिला कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन किया। किसानों ने जालोर जिले को अकाल प्रभावित क्षेत्र घोषित करने, खराब फसलों की जल्द गिरदावरी करवाने तथा प्रभावित किसानों को कृषि आदान-अनुदान और फसल बीमा की राशि शीघ्र जारी करने की मांग की। प्रदर्शनकारी किसानों ने बताया कि जिले के कई इलाकों में पर्याप्त बारिश नहीं होने के कारण फसलों पर विपरीत असर पड़ा है। कई गांवों में फसलें पूरी तरह सूखने की स्थिति में पहुंच गई हैं। किसानों का कहना है कि खेती पर निर्भर परिवारों के सामने अब आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। ऐसे में सरकार को नुकसान का वास्तविक आकलन कर प्रभावित किसानों को राहत उपलब्ध करानी चाहिए। किसानों ने खराब फसलों की शीघ्र गिरदावरी करवाने के साथ फसल कटाई प्रयोग भी जल्द कराने की मांग रखी। उनका कहना था कि फसल कटाई प्रयोग के दौरान किसान प्रतिनिधियों को भी मौके पर मौजूद रखा जाए, ताकि फसल खराबे का सही आकलन हो सके। किसानों के अनुसार, नुकसान का सही आकलन होने से फसल बीमा की राशि समय पर किसानों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। किसानों ने कहा कि बारिश की कमी का असर केवल फसलों तक सीमित नहीं है, बल्कि पशुपालकों के सामने भी चारे और पानी का संकट गहराने लगा है। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में चारा डिपो खोलने तथा पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था कराने की मांग की।

इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की पुख्ता व्यवस्था करने और नर्मदा परियोजना से नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई। प्रदर्शनकारियों ने ग्रामीण क्षेत्रों में अनियमित जलापूर्ति को लेकर भी नाराजगी जताई। किसानों का कहना था कि गांवों में पहले से ही पेयजल संकट बना हुआ है। ऐसे में नर्मदा परियोजना से नियमित पानी उपलब्ध कराया जाना जरूरी है। किसानों ने किसान सम्मान निधि की लंबित राशि भी उनके बैंक खातों में जमा करवाने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने जिला कलेक्टर को कलेक्ट्रेट के मुख्य गेट पर बुलाकर ज्ञापन देने की मांग की। इसे लेकर कुछ देर तक किसानों और अधिकारियों के बीच बहस हुई। पुलिस अधिकारियों ने किसानों को समझाते हुए एडीएम और अन्य अधिकारियों को ज्ञापन देने की बात कही, लेकिन किसान अपनी मांग पर अड़े रहे। इसके बाद जिला कलेक्टर स्वयं कलेक्ट्रेट के मुख्य गेट पर पहुंचे और किसानों से उनकी मांगों से संबंधित ज्ञापन लिया। किसानों ने उम्मीद जताई कि प्रशासन उनकी मांगों को गंभीरता से लेते हुए फसल खराबे का आकलन, राहत और बीमा संबंधी प्रक्रिया जल्द शुरू करवाएगा।

सेंट्रल पार्क की पार्किंग से सीए का अपहरण

पिस्टल-चाकू दिखाकर कार में घुसे दो बदमाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। सेंट्रल पार्क की पार्किंग से दो बदमाशों ने 50 वर्षीय चार्टर्ड अकाउंटेंट राजीव गुप्ता का कथित तौर पर अपहरण कर लिया। पीड़ित के अनुसार, वह गुरुवार सुबह मॉर्निंग वॉक के बाद अपनी मर्सिडीज कार में बैठने जा रहे थे। इसी दौरान पिस्टल और चाकू लेकर दो बदमाश उनकी कार में घुस गए और उन्हें बंधक बनाकर आमेर की तरफ ले गए। रास्ते में राजीव गुप्ता ने चलती कार का गेट खोलकर मदद के लिए शोर मचाया। इसी दौरान कार अनियंत्रित होकर आगे चल रही बाइक से टकराई और सड़क किनारे नाले में पलट गई। हादसे के बाद दोनों आरोपी कार से निकलकर फरार हो गए। राजीव गुप्ता ने पुलिस को बताया कि वह सुबह करीब 6:30 बजे सेंट्रल पार्क पहुंचे थे। करीब एक घंटे बाद घर जाने के लिए निकले। जैसे ही उन्होंने कार का गेट खोला, एक बदमाश पिस्टल लेकर पीछे की सीट पर बैठ गया। वह कुछ समझ पाते, इससे पहले दूसरे बदमाश ने उन्हें

ड्राइविंग सीट से धकेल दिया और चाकू लेकर खुद गाड़ी चलाने लगा। पीड़ित के अनुसार दोनों बदमाश कार को शहर से होते हुए दिल्ली रोड की तरफ ले गए। रास्ते में हथियार दिखाकर उन्हें डराया और जान से मारने की धमकी दी। राजीव गुप्ता ने पुलिस को बताया कि दोनों आरोपियों की उम्र करीब 25 से 30 वर्ष के बीच थी। पीछे बैठा आरोपी लगातार उन पर पिस्टल ताने हुए था। राजीव गुप्ता के मुताबिक, कार करीब 15 किलोमीटर दूर पीली की तलाई क्षेत्र के पास पहुंची तो उन्होंने जोखिम उठाकर चलती कार का गेट खोल दिया और पैर बाहर लटकाकर जोर-जोर से मदद के लिए चिल्लाने लगे। इस दौरान कार चला रहे बदमाश का ध्यान भटक गया। कार आगे चल रही बाइक से टकरा गई और तेज गति के कारण सड़क किनारे नाले में पलट गई। हादसे के बाद दोनों बदमाश कार की खिड़की से निकलकर मौके से फरार हो गए। राजीव गुप्ता ने पुलिस को बताया कि वह रोजाना सुबह करीब 6:30 बजे सेंट्रल पार्क में मॉर्निंग वॉक के लिए आते हैं और करीब 7:30 बजे गेट नंबर-4 से बाहर निकलते हैं। इस नियमित दिनचर्या को देखते हुए पुलिस को आशंका है कि बदमाशों ने कई दिनों तक उनकी रेकी की हो सकती है और मौका देखकर वारदात को अंजाम दिया। कार पलटने की सूचना मिलने पर आमेर थानाधिकारी राजेंद्र गोदारा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। राजीव गुप्ता ने उन्हें अपहरण की घटना की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने आसपास के इलाकों में नाकाबंदी कराई। एसीपी पूनम के अनुसार, घटना को लेकर राजीव गुप्ता की ओर से अशोक नगर थाने में अपहरण की एफआईआर दर्ज कराई गई है। पुलिस जांच में यह तथ्य भी सामने आया है कि जिस गेट नंबर-4 से सीए के अपहरण की बात सामने आई है, वहां लगे सीसीटीवी कैमरे लंबे समय से खराब बताए जा रहे हैं। सेंट्रल पार्क में कई बार मुख्यमंत्री और अन्य विशिष्ट लोग भी मॉर्निंग वॉक तथा कार्यक्रमों के लिए आते हैं। पार्क के आसपास सचिवालय और हाईकोर्ट जैसे महत्वपूर्ण संस्थान भी हैं। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। करीब दो महीने पहले सेंट्रल पार्क में मॉर्निंग वॉक के लिए आई एक कारोबारी की बेटी के गले से सोने की चेन लूटने का मामला भी सामने आया था। उस मामले में अशोक नगर थाना पुलिस ने पार्क में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया था। अब सीए के अपहरण की घटना ने पार्क और आसपास की सुरक्षा व्यवस्था पर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अजमेर नगर निगम के 80 वार्डों में आज मतदान

360 प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में होगी कैद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अजमेर। नगर निगम के 80 वार्डों में पार्षद चुनने के लिए शुक्रवार को मतदान होगा। चुनाव मैदान में कुल 360 प्रत्याशी हैं, जिनमें भाजपा के 79, कांग्रेस के 77 तथा 204 निर्दलीय और अन्य दलों के प्रत्याशी शामिल हैं। मतदान सुबह 7 बजे से शुरू होगा। चुनाव को लेकर प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं और शहर में सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई है। गुरुवार को माखुपुरा स्थित पॉलिटेक्निक कॉलेज से पोलिंग पार्टियों को अंतिम प्रशिक्षण देने के बाद ईवीएम और अन्य चुनाव सामग्री के साथ मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी लोक बंधु और एसपी हर्षवर्धन अग्रवाला ने कॉलेज पहुंचकर चुनावी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। प्रत्येक मतदान केंद्र पर चार कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। संवेदनशील और क्रिटिकल बूथों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा। एसपी हर्षवर्धन अग्रवाला के अनुसार निकाय चुनाव के दूसरे चरण में किशनगढ़ और पुष्कर पालिका क्षेत्र में मतदान को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से कराने के लिए करीब 2300 पुलिसकर्मियों का जाब्ता लगाया गया है। इनमें 1600 से 1700 जवानों की सीधी ड्यूटी मतदान केंद्रों पर रहेगी।, सुरक्षा के लिहाज से 180 मतदान केंद्रों को क्रिटिकल श्रेणी में चिन्हित किया गया है। इन केंद्रों पर हथियारबंद जवानों के साथ अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात रहेगा। एरिया मजिस्ट्रेट और जोनल मजिस्ट्रेट के अलावा एडिशनल एसपी और डिप्टी एसपी स्तर के अधिकारी भी निगरानी करेंगे। मोबाइल पुलिस पार्टियों की लगातार गश्त जारी रहेगी। आरएसी सहित बाहर से करीब 500 अतिरिक्त जवान भी मिले हैं, जिन्हें रिजर्व के साथ क्रिटिकल बूथों पर लगाया गया है। पुलिस ने मतदान से पहले थाना क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी है और फ्लैग मार्च भी किया जा रहा है। मतदान समाप्त होने के बाद ईवीएम को कड़ी सुरक्षा में रखा जाएगा। मतगणना 14 सितंबर को होगी और इसी दिन चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे। मतदान से ठीक पहले वार्ड-61 में कांग्रेस प्रत्याशी के पति, जो पुलिस विभाग में एएसआई हैं, के निलंबन को लेकर राजनीतिक विवाद भी तेज हो गया है। इसी मामले में गुरुवार को कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ. राजकुमार जयपाल कार्यकर्ताओं के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने काले कपड़े पहन रखे थे और सिर पर काली पट्टी

बांधी थी। काले चश्मे पर 'अंधा कानून' लिखा हुआ था। कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर विरोध जताया। कांग्रेस पदाधिकारियों ने अधिकारियों से मुलाकात कर एएसआई का निलंबन तत्काल वापस लेने की मांग की। जिला अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि कांग्रेस प्रत्याशी के पति के खिलाफ भेदभावपूर्ण कार्रवाई की गई है।

सम्पादकीय

चुनाव सिस्टम पर गंभीर सवाल
वोटर लिस्ट रिवीजन या डेमोक्रेसी की नींव पर हमला? देखिए देश में क्या हो रहा है

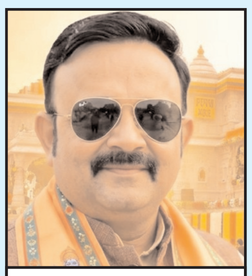

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

आज देश में डेमोक्रेसी और चुनाव प्रोसेस की फेयरनेस पर बड़े सवाल उठ रहे हैं। सरकार का दावा है कि वोटर लिस्ट को साफ करने के लिए 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' किया जा रहा है। लेकिन विपक्षी नेता, सोशल एनालिस्ट और पुराने अधिकारी इस पूरी एक्सरसाइज को डेमोक्रेसी की आत्मा पर हमला बता रहे हैं। सवाल उठता है कि क्या यह प्रोसेस सिर्फ रिफॉर्म तक लिमिटेड है या इसके पीछे कोई गहरा पॉलिटिकल एजेंडा काम कर रहा है? चुनावी रिफॉर्म के नाम पर चल रहे इस प्रोसेस को लेकर देश के पॉलिटिकल हलकों और चुनाव एक्सपर्ट्स में काफी नाराजगी है वोट के अधिकार से वंचित होने का डर पूर्व चीफ इलेक्शन कमिश्नर एस.वाई. कुरैशी और पॉलिटिकल एनालिस्ट योगेंद्र यादव जैसे जाने-माने लोगों ने SIR की ट्रांसपेरेंसी पर गंभीर सवाल उठाए हैं। आरोप है कि ड्राफ़्ट स्टेज पर ही करोड़ों वोटर्स को हटाया जा रहा है, जिससे फ़ाइनल लिस्ट से करोड़ों नाम गायब हो सकते हैं। गरीबों और ज़रूरतमंदों पर असरः आलोचकों का दावा है कि लिस्ट से नाम हटाने की प्रक्रिया का सबसे बुरा असर माइनॉरिटी, दलित, आदिवासी, पिछड़े वर्ग और प्रवासी गरीब मज़दूरों पर पड़ सकता है, क्योंकि उनके पास कागज़ी कार्रवाई पूरी करने के लिए संसाधन नहीं हैं। चुनाव नतीजे और रूलिंग पार्टीः विपक्ष ने सीधे तौर पर आरोप लगाया है कि यह उन वोटर्स को सिस्टम से हटाने की एक राजनीतिक चाल हो सकती है जो रूलिंग पार्टी के ख़िलाफ़ वोट करने की संभावना रखते हैं। बिहार, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनावों का उदाहरण देते हुए वोटर लिस्ट से छेड़छाड़ के आरोप लगातार लगाए जा रहे हैं।

घुसपैठ के दावे और प्रशासन का रवैया

चुनाव आयोग ने दावा किया कि इस कवायद का मुख्य मकसद फ़र्ज़ी वोटर्स और विदेशी घुसपैठियों के नाम लिस्ट से हटाना है। लेकिन आलोचक यह सवाल उठा रहे हैं कि अगर इतनी बड़ी कवायद चल रही है, तो सही आंकड़े सार्वजनिक क्यों नहीं किए जा रहे हैं? बिहार जैसे राज्य में पहले भी ऐसी खबरें आई थीं कि हज़ारों नाम कैंसिल होने के दावों के बीच कुछ ही विदेशी नागरिक मिले। ऐसे में, करोड़ों आम नागरिकों को अपने ही देश में वोटिंग का अधिकार साबित करने के लिए लाइन में क्यों लगना पड़ रहा है, यही बड़ा सवाल है।

लोकतंत्र के भविष्य के खिलाफ एक सवाल

अगर देश का एक बड़ा हिस्सा वोटर लिस्ट से बाहर हो जाता है, तो निष्पक्ष चुनाव का आइडिया ही खतरे में पड़ जाएगा। न्यायपालिका और देश के नागरिकों को यह पक्का करना होगा कि चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाएं बिना किसी भेदभाव के काम करें और देश के हर नागरिक का 'एक वोट, एक वैल्यू' का अधिकार सुरक्षित रहे।

लालच का संदेश, खाली जेब!

राशिफल
(शुक्रवार) 11 सितंबर 2026

- **मेष** — आज कार्यक्षेत्र में सफलता और धन लाभ के योग हैं
- **तुला** — आज दिन शुभ रहेगा और नए अवसर प्राप्त होंगे
- **वृषभ** — आज रुके काम पूरे होंगे और व्यापार में लाभ मिलेगा।
- **वृश्चिक** — आज महत्वपूर्ण काम पूरे होंगे और सफलता मिलेगी
- **मिथुन** — आज मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा और नए अवसर आएंगे
- **धनु** — आज भाग्य का साथ मिलेगा और धन लाभ होगा
- **कर्क** — आज काम में सफलता मिलेगी और परिवार का सहयोग रहेगा
- **मकर** — आज मेहनत से सफलता मिलेगी और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी
- **सिंह** — आज मान-सम्मान बढ़ेगा और कार्यक्षेत्र में प्रगति होगी
- **कुंभ** — आज नई योजनाओं में सफलता और करियर में प्रगति होगी।
- **कन्या** — आज योजनाएं सफल होंगी और आर्थिक लाभ के योग हैं
- **मीन** — आज शुभ समाचार मिलेगा और परिवार में खुशी रहेगी

अंबाजी मंदिर में 162 सालों से कायम नडियाद भक्तों की अनोखी परंपरा, श्रावणी अमावस पर लगाया 56 भोग का अन्नकूट

अंबाजी। शक्ति, भक्ति और आस्था के प्रमुख केंद्र के रूप में विश्वभर में प्रसिद्ध अंबाजी मंदिर में नडियाद के भक्तों की 162 साल पुरानी परंपरा आज भी पूरी श्रद्धा के साथ निभाई जा रही है। हर वर्ष श्रावण माह की तेरस, चौदस और अमावस के अवसर पर नडियाद से भक्त पैदल अंबाजी पहुंचते हैं। यहां तीन दिनों तक पूजा-अर्चना, गरबा, हवन और विभिन्न धार्मिक आयोजनों में शामिल होकर मां अंबा के प्रति अपनी आस्था प्रकट करते हैं। श्रावणी अमावस के अवसर पर अंबाजी मंदिर में नडियाद संघ के भक्तों की ओर से 56 भोग का अन्नकूट लगाया गया। मां अंबा को विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित किया गया। इसके बाद भट्टजी महाराज ने अन्नकूट आरती की, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने शामिल होकर मां अंबा का आशीर्वाद लिया। मंदिर परिसर और हवनशाला को रंग-बिरंगे फूलों से सजाया गया था, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय नजर आया। ध्वजायात्रा में दिखी आस्था की झलक अंबाजी की भगवती पार्टी प्लॉट से ध्वजायात्रा निकाली गई। इसमें साउथ के हनुमानजी, महाकाली मां और काली मां के स्वरूपों के साथ कथक कलाकारों की वेशभूषा विशेष आकर्षण का केंद्र रही। बड़ी संख्या में भक्त गरबा करते हुए मंदिर की ओर पहुंचे। ढोल और गरबा के साथ निकली यात्रा में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। हवन और विशेष पूजा में शामिल हुए भक्त नडियाद से पहुंचे भक्तों ने अंबाजी मंदिर की हवनशाला में हवन किया। ध्वजा का पूजन करने के साथ विशेष पूजा-अर्चना भी की गई। भक्तों ने दो दिन तक अंबाजी में रुककर मां जगतजनी अंबा की आराधना की। इस दौरान मंदिर परिसर में लगातार धार्मिक गतिविधियां होती रहीं और चारों ओर भक्ति का वातावरण बना रहा। नडियाद के भक्तों के लिए पूजा-अर्चना की विशेष व्यवस्था और क्रम भी वर्षों से निर्धारित है। बारी-बारी से बाप-दादा के तीनों भाइयों को पूजा-अर्चना का लाभ मिलता है। इसके बाद खिड़की और परिवार का क्रम आता है। परिवार की ओर से चुने गए व्यक्ति को अंबाजी में हवन और विशेष पूजा का लाभ मिलता है। अंबालाल रणछोड़दास के ग्रुप से जुड़े नडियाद के भक्त हर साल इस धार्मिक परंपरा को निभाते हुए अंबाजी पहुंचते हैं। यह संस्था नवीन मुखी और गोपाल मुखी के परिवारों द्वारा स्थापित की गई थी। 162 वर्षों से चली आ रही यह परंपरा आज भी उसी श्रद्धा और उत्साह के साथ आगे बढ़ रही है। भादरवी पूनम के महामेले से पहले उमड़ा भक्तिभाव अंबाजी में भादरवी पूनम का महामेला आगामी 20 सितंबर से शुरू होने जा रहा है। इससे पहले श्रावणी अमावस पर नडियाद संघ के भक्तों के आगमन से मंदिर परिसर में विशेष धार्मिक माहौल देखने को मिला। 56 भोग अन्नकूट, हवन, ध्वजापूजन, आरती और गरबा सहित विभिन्न आयोजनों के बीच नडियाद के भक्तों ने अपनी 162 साल पुरानी परंपरा को एक बार फिर जीवंत कर दिया।

चेहरे पर शिक्षक का तेज, अंतर्मन में टूटे हुए इंसान की निःशब्द चीख

(रूपेश सोलंकी) कुछ चेहरे केवल चेहरे नहीं होते; उनके पीछे एक पूरा जीवन धड़कता है। बाहर से हमेशा मुस्कुराता हुआ, विद्यार्थियों को ज्ञान और जीवन के पाठ पढ़ाने वाला एक शिक्षक जब अपने एकांत में लौटता है, तब उसके भीतर चल रहा संघर्ष शायद कोई देख नहीं पाता। अपने वतन से दूर रहकर शिक्षण का दायित्व निभाने वाले इस शिक्षक का शरीर भी अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। मधुमेह, उच्च रक्तचाप और रीढ़ की हड्डी से जुड़ी तकलीफों के बावजूद वे अपने कर्तव्य से कभी पीछे नहीं हटते। शरीर थक जाता है, लेकिन विद्यार्थियों के भविष्य की जिम्मेदारी उन्हें फिर से खड़े होने की शक्ति देती है। जीवन में पिता की छत्रछाया खो देना किसी भी संतान के लिए एक असहनीय रिक्तता है। दूसरी ओर, लगभग 80 वर्ष की माता जीवित हैं, लेकिन बढ़ती उम्र के साथ वे भी मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही हैं। वतन से दूर रहने वाले पुत्र के लिए माता की तबीयत की चिंता अक्सर अंतर्मन पर एक अदृश्य बोझ बनी रहती है। परिवार में भाई और भाभी भी शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। दोनों बहनें भी शिक्षिका के रूप में अपना दायित्व निभा रही हैं। सभी के हृदय में अपनापन है, लेकिन प्रत्येक व्यक्ति अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों से बंधा हुआ है। परिणामस्वरूप, रिश्तों में प्रेम होने के बावजूद जीवन की परिस्थितियों के बीच एक ऐसी दूरी पैदा हो जाती है, जिसे केवल इच्छा से समाप्त नहीं किया जा सकता।nb जीवन का एक महत्वपूर्ण रिश्ता भी समय के थपेड़ों में साथ छोड़ गया। उसके बाद पैदा हुई रिक्तता को कागज पर शब्दों में उतारना आसान नहीं है। कोई घाव दिखाई नहीं देता, कोई पट्टी नहीं बाँधी जा सकती और कोई दवा उस पीड़ा को पूरी तरह कम नहीं कर सकती। बाहर से जीवन सामान्य दिखाई देता है, लेकिन भीतर अकेलेपन की निःशब्द चीख लगातार सुनाई देती रहती है। फिर भी हर सुबह शिक्षक समय पर विद्यालय पहुँचता है। कक्षा में प्रवेश करता है। हाथ में चॉक लेता है और विद्यार्थियों से कहता है–जीवन में कठिनाइयाँ आएँ तो कभी हिम्मत मत हारना। शायद ये शब्द केवल विद्यार्थियों के लिए नहीं होते; शायद वह अपने मन को भी मजबूत कर रहा होता है।ठ्ठ स्वयं पीड़ा में होने के बावजूद दूसरों के भविष्य में प्रकाश फैलाना–यही एक सच्चे शिक्षक की महानता है। ऐसे शिक्षक को दया की आवश्यकता नहीं, बल्कि समझ की आवश्यकता है। उसे सहानुभूति के लंबे

भाषणों की आवश्यकता नहीं, बल्कि कभी-कभी अपने किसी व्यक्ति के दो आत्मीय शब्दों की आवश्यकता होती है क्योंकि हर मजबूत दिखाई देने वाला व्यक्ति भीतर से भी अटूट हो, यह आवश्यक नहीं है।

स्वामीनारायण संप्रदाय पर महिला का तीखा कमेंट – पेरिस की घटना के सिलसिले में जेंडर इक्वालिटी का सवाल फिर से उठा

गुजरात। पेरिस की घटना पर देशभर में हो रही चर्चा और विरोध के बीच, स्वामीनारायण संप्रदाय में महिलाओं के साथ कथित भेदभाव पर एक महिला का तीखा कमेंट अब चर्चा में आ गया है। अपना पर्सनल एक्सपीरियंस याद करते हुए महिला ने कहा कि वह सालों पहले हुई एक घटना को आज भी नहीं भूल पाई है। उसके मुताबिक, वह नंदीग्राम में मकरंदभाई और कुंदनिका कपाड़िया से मिलने गई थी। वहां, वह कुछ लोगों के साथ मकरंदभाई के साथ बैठी थी। इसी दौरान पता चला कि स्वामीनारायण संप्रदाय के साधु मकरंदभाई से मिलने वाले हैं।, महिला के दावे के मुताबिक, चूंकि साधु आने वाले थे, इसलिए वहां मौजूद महिलाओं को दूसरे कमरे में भेज दिया गया और दरवाजा बंद कर दिया गया। इस घटना को याद करते हुए उन्होंने कहा कि उस समय उन्हें कुंदनिका बहन और मकरंद भाई पर भी गुस्सा आया था। उनके मन में कई सवाल उठे, लेकिन उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला।

'उस दिन के बाद से, मैं मंदिर नहीं गई

महिला ने कहा कि इस घटना के बाद, उसने स्वामीनारायण संप्रदाय के मंदिरों में जाना बंद कर दिया। उसका मूल सवाल यह है कि अगर एक साधु को महिलाओं की मौजूदगी में खुद पर काबू रखना मुश्किल लगता है, तो महिलाओं को नज़र से दूर रखने की परंपरा क्यों है? साधुओं की ऐसी व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए उसने कहा कि खुद पर काबू रखना ही साधुत्व की मूल कसौटी होनी चाहिए।

'हिंदू धर्म में महिला शक्ति का स्थान ऊंचा है

अपने बयान में महिला ने हिंदू परंपरा में महिला शक्ति की महिमा का भी ज़िक्र किया। उनका कहना है कि भारतीय धार्मिक परंपरा में कई जगहों पर औरत का नाम मर्द से पहले लिया जाता है – राधा-कृष्ण, सीता-राम जैसे उदाहरण देते हुए उन्होंने सवाल किया कि जब सनातन परंपरा में औरतों को इतना ऊंचा स्थान दिया गया है, तो सिर्फ़ एक साधु के होने की वजह से औरतों को लोगों की नज़रों से दूर करने की ज़रूरत क्यों है?
उन्होंने इस प्रथा को जेंडर इक्वालिटी के नज़रिए से चुनौती दी है।

'इसके लिए हम भी ज़िम्मेदार हैं '

इस बयान का सबसे कड़वा सवाल सिर्फ़ पंथ के खिलाफ़ ही नहीं, बल्कि समाज के खिलाफ़ भी है। महिला ने कहा कि अगर कोई परंपरा औरतों को मर्दों की नज़रों से दूर रखने के लिए है, तो समाज के लोग ऐसे साधुओं को अपने घर क्यों बुलाते हैं? उनकी पूजा क्यों करते हैं? उन्होंने कहा कि ऐसी परंपराओं को मानने में पेट्रियार्कल सोच वाले लोगों का भी रोल होता है।

विरोध धर्म से नहीं, बल्कि भेदभाव से है

महिला ने साफ़ किया है कि उनका विरोध किसी पंथ, धर्म या मान्यता से नहीं है। उनका विरोध उन मान्यताओं और परंपराओं से है जो औरतों को अलग-थलग करती हैं या उनकी आज़ादी और बराबरी को सीमित करती हैं। उनके अनुसार, समय के साथ समाज बदला है। इसलिए, कुछ मान्यताओं और परंपराओं को भी समय के साथ बदलने की ज़रूरत है। अब चर्चा सिर्फ़ पेरिस की घटना पर नहीं है पेरिस की घटना को लेकर चर्चा और विरोध अपनी जगह है, लेकिन इस बयान ने चर्चा को एक बड़े सवाल की ओर मोड़ दिया है – धार्मिक आस्था और व्यक्तिगत आज़ादी के बीच की सीमा कहाँ है? किसी भी संप्रदाय को अपनी धार्मिक मान्यताओं को बनाए रखने का अधिकार है, लेकिन क्या उन परंपराओं का मूल्यांकन जेंडर इक्वालिटी, व्यक्तिगत गरिमा और संवैधानिक मूल्यों के क्राइटेरिया से किया जाना चाहिए या नहीं – यह सवाल अब समाज के सामने है। साथ ही, किसी संप्रदाय या उसके साधुओं पर लगाए गए आरोपों को तथ्यों और संदर्भ के साथ देखने की ज़रूरत है। एक व्यक्ति का अनुभव महत्वपूर्ण है, लेकिन इसे पूरे संप्रदाय के हर अनुयायी या साधु के लिए एक आम सच मान लेना सही नहीं है। धर्म पर विश्वास करना एक बात है और किसी परंपरा पर सवाल न उठाना दूसरी बात है। अगर किसी परंपरा में सिर्फ़ पुरुष साधुओं की मौजूदगी की वजह से महिलाओं को अलग कमरे में भेज दिया जाता है, तो इसके पीछे क्या कारण है?क्या धार्मिक अनुशासन के नाम पर महिलाओं को अलग-थलग करना ज़रूरी है? और अगर समय बदल रहा है, तो क्या धार्मिक परंपराओं को भी समय के साथ ज़रूरी सुधारों के लिए बातचीत करनी चाहिए? इन सवालों का जवाब विरोध या विवाद से नहीं, बल्कि खुली चर्चा, बराबरी और आपसी सम्मान से दिया जाना चाहिए।

आतंकवादी लेटर से हलचलः हज़ारों कर्मचारियों ने 12 फ़ीट की दीवारों के बीच ट्रांजिट कैंप में सुरक्षा और ज़िंदगी मांगी – सरकार पर गंभीर सवाल

जम्मू और कश्मीर। कश्मीर में कश्मीरी पंडित कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर चिंताजनक स्थिति सामने आने की खबरों ने डर का माहौल बना दिया है। जैसा कि पेपर कटिंग में दिखाया गया है, दावा किया गया है कि करीब 6 हज़ार कश्मीरी पंडित कर्मचारी आतंकवादी धमकियों के डर में जी रहे हैं। आतंकवादियों द्वारा एक और लेटर भेजे जाने की रिपोर्ट के बाद, कश्मीरी पंडित कर्मचारियों ने सरकार से सुरक्षा की मांग की है। 12 फ़ीट ऊंची दीवारों से घिरे ांजिट कैंप में रहने वाले कर्मचारियों की हालत को लेकर भी गंभीर सवाल उठाए गए हैं। हालांकि ये कैंप सुरक्षा के लिए बनाए गए थे, लेकिन दावा किया गया है कि वहां रहने वाले लोग इसकी तुलना जेल जैसी स्थिति से कर रहे हैं। शाम होते ही हाउस अरेस्ट? रिपोर्ट के मुताबिक, आतंकवादी धमकियों के कारण कुछ कर्मचारी शाम ढलने के बाद अपने घरों से निकलने से बच रहे हैं। दावा किया गया है कि कुछ कर्मचारी ऑफिस जाने से भी बच रहे हैं। इतना ही नहीं, कुछ लोगों के डर की वजह से कश्मीर छोड़ने की खबरें भी चिंता की बात हैं। एक तरफ तो सरकार दावा करती है कि कश्मीर में नॉर्मल हालात वापस आ गए हैं, लेकिन दूसरी तरफ अगर सरकारी कर्मचारी डर के माहौल में जीने को मजबूर हैं, तो सिक्योरिटी सिस्टम के असर पर सवाल उठना लाज़मी है। ऊंची दीवारें, सिक्योरिटी सिस्टम और ट्रांजिट कैंप के चारों ओर सरकारी मशीनरी की मौजूदगी के बावजूद अगर वहां रहने वाले लोगों के मन से डर नहीं जाता, तो पूरे सिस्टम की जांच होनी चाहिए। सिर्फ दीवारें बनाने से सिक्योरिटी नहीं मिलती। सिक्योरिटी तब होती है जब कोई इंसान बिना डरे अपने काम पर जा सके, अपने परिवार के साथ नॉर्मल ज़िंदगी जी सके और अपने वतन में असुरक्षित महसूस न करे। कश्मीरी पंडितों के लिए यह सिर्फ नौकरी या रहने की जगह का सवाल नहीं है। यह उनकी पहचान, वजूद, इज्ज़त और उनकी ज़मीन से जुड़े हक का भी सवाल है। अगर धमकी भरे खतों की वजह से कर्मचारी ऑफिस जाने से बचते हैं, अगर उन्हें शाम को घर पर रहने के लिए मजबूर होना पड़ता है और अगर कोई व्यक्ति सुरक्षा की कमी के कारण अपना वतन छोड़ने की सोचता है, तो सवाल सिर्फ कश्मीरी पंडितों का नहीं है – सवाल यह है कि आतंकवाद के खिलाफ सरकार की पॉलिसी और सुरक्षा व्यवस्था कितनी असरदार है? आतंकवाद का जवाब कानून के राज से दिया जाना चाहिए। जो भी बेगुनाह नागरिक उन्हें धर्म, पहचान या समुदाय के आधार पर धमकाता है, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। सनातन परंपरा में भगवान परशुराम को अन्याय के खिलाफ संघर्ष के प्रतीक के रूप में याद किया जाता है। लेकिन आज के समय में इस कहानी का मतलब किसी समुदाय के खिलाफ हिंसा नहीं, बल्कि अन्याय और आतंकवाद के खिलाफ कानूनी, नैतिक और मजबूती से खड़े होने का संदेश होना चाहिए। चाहे कश्मीरी पंडित हों या किसी भी धर्म और समुदाय के बेगुनाह लोग आतंकवाद के खिलाफ उनकी सुरक्षा राज्य की जिम्मेदारी है। धमकियों का जवाब धमकियों से नहीं, आतंक का जवाब कानून के कड़े एक्शन से और नफरत का जवाब इंसानियत से देना ज़रूरी है। मंत्रों के जाप की शक्ति का असली मतलब सनातन परंपरा में मंत्रों, यज्ञ और आध्यात्मिक साधना को खास जगह दी गई है। लेकिन किसी भी धार्मिक शक्ति का सबसे अच्छा इस्तेमाल समाज में शांति, सद्भाव, सच्चाई और इंसानियत का संदेश फैलाने में होता है। भारतीय परंपरा में वाल्मीकि की कहानी को बदलाव और खुद को जानने की निशानी के तौर पर भी याद किया जाता है। इसलिए आज सबसे बड़ा संदेश यह होना चाहिए कि जो लोग आतंक का रास्ता अपना रहे हैं, वे हथियार और हिंसा छोड़कर इंसानियत, भाईचारे और शांति का रास्ता अपनाएं। कश्मीरी पंडितों को ऊंची दीवारों के पीछे सुरक्षित रखने के बजाय, हमें ऐसी स्थिति बनाने की ज़रूरत है, जहां वे बिना किसी डर के अपने काम की जगह पर जा सकें और अपनी ज़मीन पर आम नागरिकों की तरह अपनी ज़िंदगी जी सकें। कश्मीर की ज़मीन पर सुरक्षा सिर्फ़ कैंप की दीवारों के अंदर ही महसूस नहीं होनी चाहिए, बल्कि हर कश्मीरी के मन में होनी चाहिए - यही सच्ची शांति की कसौटी है। 6,000 कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए सरकार के पास क्या ठोस प्लान है? धमकी भरे खत भेजने वाले लोगों के खिलाफ़ क्या कार्रवाई की गई है? और कश्मीरी पंडित कब फिर से बिना डरे अपनी ज़मीन पर नॉर्मल ज़िंदगी जी पाएंगे?

वॉशरूम के सामने कैमरा मिला, छात्राओं में हड़कंप; वार्डन पर मुकदमा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोरखपुर। मोहद्दीपुर स्थित गर्ल्स हॉस्टल में वॉशरूम के सामने टीनशेड में छिपाकर रखा मोबाइल कैमरा रिकॉर्डिंग करता मिला। एक छात्रा की नजर मोबाइल पर पड़ी तो उसने अन्य छात्राओं को जानकारी दी। इसके बाद हंगामा मच गया और पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मोबाइल कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। हॉस्टल में 20 कमरों में 26 छात्राएं रहती हैं। छात्राओं का आरोप है कि मोबाइल का कैमरा वॉशरूम की ओर था और उसमें कई छात्राओं की रिकॉर्डिंग मिली। सूचना पर रात में पुलिस मौके पर पहुंची और वार्डन से पूछताछ की। पूछताछ में वार्डन ने मोबाइल अपना होने की बात स्वीकार की। उनका कहना था कि कुछ छात्राएं सैनिटरी पैड इधर-उधर फेंक देती थीं, इसी का पता लगाने के लिए मोबाइल को रिकॉर्डिंग पर लगाया गया था। हालांकि छात्राओं ने इस सफाई पर सवाल उठाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मोबाइल कब्जे में लेकर रिकॉर्डिंग और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। छात्राओं के बयान भी लिए जा रहे हैं। मामले में वार्डन के खिलाफ निजता भंग करने की शिकायत पर कार्रवाई शुरू हो गई है।

100 रुपये चंदा नहीं दिया तो दलित परिवार का हुक्का-पानी बंद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के खुड्डा खानपुर गांव में एक दलित परिवार ने आरोप लगाया है कि मंदिर के लिए 100 रुपये मासिक चंदा नहीं देने पर उसका सामाजिक बहिष्कार कर दिया गया। परिवार का दावा है कि पिछले करीब एक महीने से गांव में उनसे बोलचाल बंद है और किसी को उनके साथ संबंध रखने पर 500 रुपये जुर्माना लगाने की चेतावनी दी गई है। पीड़ित परिवार ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई है। परिवार के मुताबिक, गांव के रविदास मंदिर के लिए हर महीने प्रति व्यक्ति 100 रुपये चंदा लिया जाता है। उनका बेटा रक्त कैंसर से पीड़ित है और उसका इलाज चंडीगढ़ में चल रहा है। इलाज में लगातार खर्च होने के कारण परिवार की आर्थिक स्थिति खराब है। इसी वजह से वे चंदा नहीं दे सके। आरोप है कि चंदा नहीं देने के बाद गांव में पंचायत बुलाई गई और परिवार का सामाजिक बहिष्कार करने का फैसला सुनाया गया। इसके बाद लोगों ने परिवार से बातचीत बंद कर दी। परिवार का कहना है कि उन्हें सामान्य सामाजिक मेलजोल से भी दूर कर दिया गया और मदद करने वालों पर जुर्माना लगाने की बात कही गई। पीड़ित परिवार का यह भी आरोप है कि उन्होंने पुलिस से मदद की गुहार लगाई, लेकिन तत्काल राहत नहीं मिली। इसके बाद परिवार अधिकारियों के चक्कर लगा रहा है। बुधवार को परिवार जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचा और लिखित शिकायत देकर मामले की जांच तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। वहीं, स्थानीय स्तर पर कुछ लोगों द्वारा यह स्वीकार किए जाने की बात सामने आई है कि चंदा नहीं देने को लेकर पंचायत में परिवार के बहिष्कार का फैसला हुआ था। हालांकि लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। प्रशासन से मामले की जांच और कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट होने के बाद ही पूरी तस्वीर सामने आएगी।

अचानक 11 हजार वोल्ट की बिजली लाइन की चपेट में आया; मौके पर मौत

होटल की गैलरी में खड़ा था युवक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बादलपुर। बादलपुर थाना क्षेत्र में होटल में ठहरे 25 वर्षीय युवक की बिजली के करंट की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ, जब युवक होटल की गैलरी में खिड़की के पास खड़ा होकर बाहर की ओर देख रहा था। इसी दौरान उसका हाथ पास से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की बिजली लाइन के संपर्क में आ गया। तेज करंट लगने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की पूरी घटना होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद होने की बात सामने आई है। मृतक की पहचान गौरव के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि गौरव बादलपुर का रहने वाला था और गायन का काम करता था। घटना के समय वह होटल में अपनी एक महिला मित्र के साथ मौजूद था। दोनों होटल में ठहरे हुए थे। इसी दौरान गौरव गैलरी की ओर गया और खिड़की के पास खड़े होकर बाहर देख रहा था। बताया जा रहा है कि होटल के आसपास से गुजर रही बिजली की उच्च क्षमता वाली लाइन काफी नजदीक थी। जैसे ही गौरव का हाथ बिजली के तार के संपर्क में आया, उसे जोरदार करंट लगा और वह वहीं गिर पड़ा। अचानक हुए इस हादसे के बाद होटल में हड़कंप मच गया। आसपास मौजूद लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही बादलपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने होटल परिसर तथा आसपास के स्थानों की जानकारी जुटाई। इसके साथ ही होटल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी देखी गई। फुटेज में युवक के साथ हुए हादसे की घटना कैद होने की बात सामने आई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। जांच के दौरान यह भी पता लगाया जा रहा है कि होटल की गैलरी से बिजली की 11 हजार वोल्ट की लाइन कितनी दूरी पर थी और सुरक्षा के लिहाज से वहां क्या व्यवस्था थी। पुलिस घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जानकारी जुटा रही है। हादसे की सूचना मिलने के बाद गौरव के परिवार में कोहराम मच गया। परिजन घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंचे। युवक की अचानक हुई मौत से परिवार और परिचितों में शोक का माहौल है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद हादसे की परिस्थितियों को लेकर स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

अयोध्यावासियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा ऐतिहासिक गुलाबबाड़ी पार्क

2.98 करोड़ की लागत से आधुनिक सुविधाओं से होगा कायाकल्प

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या कैंट क्षेत्र में स्थित ऐतिहासिक गुलाबबाड़ी पार्क अब नए और आकर्षक स्वरूप में नजर आएगा। पर्यटन विभाग और श्री अयोध्या जी तीर्थ विकास परिषद की पहल पर करीब 2.98 करोड़ रुपये की लागत से पार्क के व्यापक सुंदरीकरण और विकास का काम कराया जा रहा है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के संरक्षण में आने वाले इस ऐतिहासिक परिसर में पुरातात्विक विरासत को सुरक्षित रखते हुए स्थानीय लोगों और पर्यटकों के लिए आधुनिक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। परियोजना का करीब 55 प्रतिशत काम अब तक पूरा हो चुका है और इसे इसी साल पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। पार्क में टेराकोटा फर्श, आकर्षक भू-दृश्य सज्जा,

पाथवे, पत्थर की बेंच, बच्चों के लिए झूले और फिसलपट्टी, युवाओं के लिए खुला व्यायाम स्थल, आकर्षक प्रकाश व्यवस्था, चित्रकारी दीवार और पेयजल जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। इसके अलावा पुराने परिसर की चारदीवारी की मरम्मत, रंगाई-पुताई, जालियों की रंगाई तथा उद्यान संबंधी कार्य भी किए जा रहे हैं। पार्क के पश्चिमी हिस्से में लंबे समय से फैली झाड़ियों और अव्यवस्था को हटाकर उसे भी उपयोगी और मनोरंजन योग्य बनाया जा रहा है। सुबह की सैर करने वालों को भी मिलेगी सुविधा गुलाबबाड़ी पार्क लंबे समय से स्थानीय लोगों के लिए सुबह की सैर और शांत वातावरण में समय बिताने का प्रमुख स्थान रहा है। सुंदरीकरण के बाद यहां सुरक्षित और व्यवस्थित पाथवे, बैठने की बेहतर व्यवस्था तथा स्वच्छ वातावरण उपलब्ध होगा। बच्चों के लिए अलग खेल क्षेत्र और युवाओं के लिए खुला व्यायाम स्थल तैयार होने से पार्क का उपयोग और बढ़ने की उम्मीद है। सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए जगह-जगह कूड़ेदान भी लगाए जाएंगे। नवाबी काल की ऐतिहासिक विरासत है गुलाबबाड़ी गुलाबबाड़ी केवल एक पार्क नहीं, बल्कि अवध के नवाबी काल की महत्वपूर्ण ऐतिहासिक धरोहर है। परिसर में अवध के तीसरे नवाब शुजा-उद-दौला का मकबरा और चारबाग शैली की ऐतिहासिक स्थापत्य संरचनाएं मौजूद हैं। पुराने समय में यहां गुलाबों की विभिन्न प्रजातियों के बगीचे, फव्वारे और पानी की नहरें हुआ करती थीं।

5 साल में 2 बार हुआ भूमि पूजन, फिर भी तुड़ार नदी पर नहीं बना स्टॉप डेम; जान जोखिम में डालकर स्कूल जा रहे मासूम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डिंडौरी। जिले के करंजिया विकासखंड के टफिया टोला में सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत सामने आई है। ग्राम पंचायत सेनगुड़ा के पोषक ग्राम टफिया टोला में तुड़ार नदी पर काजवे सह स्टॉप डेम बनाने के लिए पांच साल के दौरान दो बार भूमि पूजन हो चुका है, लेकिन इसके बावजूद आज तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है। वर्ष 2021 में पहली बार भूमि पूजन किया गया था। इसके बाद वर्ष 2023 में दोबारा भूमि पूजन कर ग्रामीणों को जल्द निर्माण शुरू होने की उम्मीद बंधाई गई, लेकिन समय बीतता गया और नदी पर स्टॉप डेम का निर्माण धरातल पर नहीं उतर सका। ताजा रिपोर्ट के अनुसार पांच साल बाद भी यहां निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है। कागजों में आगे बढ़ती रही फाइल, मौके पर सन्नाटा जानकारी के अनुसार शुरुआत में तुड़ार नदी पर स्टॉप डेम निर्माण की जिम्मेदारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग को सौंपी गई थी। बाद में लागत राशि कम होने का हवाला देते हुए परियोजना को जल संसाधन विभाग को स्थानांतरित कर दिया गया। परियोजना के लिए करीब 72 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति भी दी गई, लेकिन इसके बावजूद निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका। एक विभाग से दूसरे विभाग तक जिम्मेदारी पहुंचने के बाद भी ग्रामीणों की समस्या का समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों का कहना है कि दो बार भूमि पूजन के दौरान उन्हें भरोसा दिलाया गया था कि जल्द ही नदी पर स्टॉप डेम का निर्माण शुरू होगा और आवागमन की समस्या हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी। लेकिन वर्षों बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। इससे ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती

जा रही है। करीब 50 बच्चे रोज जान जोखिम में डालकर नदी पार करते हैं स्टॉप डेम निर्माण में हो रही देरी का सबसे गंभीर असर स्कूली बच्चों पर पड़ रहा है। सेनगुड़ा हाईस्कूल में पढ़ने वाले करीब 50 बच्चे रोजाना तुड़ार नदी पार कर स्कूल आने-जाने को मजबूर हैं। बारिश के मौसम में नदी का जलस्तर बढ़ने और बहाव तेज होने पर बच्चों के लिए यह रास्ता और भी खतरनाक हो जाता है। इसके बावजूद पढ़ाई के लिए उन्हें रोज इसी जोखिम भरे रास्ते से गुजरना पड़ता है। बस्ते पहले दूसरी तरफ पहुंचाते हैं, फिर बच्चों को कंधों पर बैठाकर पार कराते हैं नदी ग्रामीणों के मुताबिक बारिश के दिनों में छोटे बच्चों को नदी पार कराने के लिए अभिभावकों को काफी मशक्कत करनी पड़ती है। कई बार बच्चों के बस्ते और किताबों को पहले नदी के दूसरी तरफ पहुंचाया जाता है। इसके बाद छोटे बच्चों को कंधों पर बैठाकर नदी पार कराई जाती है। जब पानी का बहाव तेज होता है, तब यह जोखिम और बढ़ जाता है। ऐसे में बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावक हमेशा चिंतित रहते हैं। नदी पार करना ही ग्रामीणों की सबसे बड़ी मजबूरी ग्रामीणों का कहना है कि तुड़ार नदी पर सुरक्षित रास्ते की व्यवस्था नहीं होने के कारण नदी पार करना उनके लिए मजबूरी बन चुका है। गांव से बाहर आने-जाने के लिए यही प्रमुख मार्ग है। सामान्य दिनों में किसी तरह आवागमन हो जाता है, लेकिन बारिश के दौरान नदी का जलस्तर बढ़ते ही समस्या गंभीर हो जाती है। कई बार ग्रामीणों को पानी कम होने का इंतजार करना पड़ता है। गंभीर मरीज और गर्भवती महिलाओं के लिए भी संकट नदी पर सुरक्षित रास्ता नहीं होने का असर केवल बच्चों की पढ़ाई तक सीमित नहीं है। गांव में किसी व्यक्ति के गंभीर रूप से बीमार होने या गर्भवती महिला को तत्काल अस्पताल ले जाने की जरूरत पड़ने पर ग्रामीणों के सामने बड़ी समस्या खड़ी हो जाती है। तेज बारिश के दौरान नदी का बहाव बढ़ने पर मरीज को दूसरी तरफ ले जाना जोखिम भरा हो जाता है। ऐसी परिस्थितियों में समय पर इलाज नहीं मिल पाने की चिंता भी ग्रामीणों को सताती रहती है। दो बार भूमि पूजन से जगी उम्मीद, अब सवालों में काम ग्रामीणों का कहना है कि वर्ष 2021 में जब पहली बार भूमि पूजन हुआ था तो उन्हें लगा था कि अब उनकी वर्षों पुरानी समस्या समाप्त हो जाएगी। वर्ष 2023 में दोबारा भूमि पूजन होने के बाद लोगों को उम्मीद थी कि अब निर्माण कार्य तेजी से शुरू होगा। लेकिन दोनों बार भूमि पूजन के बावजूद निर्माण शुरू नहीं हो सका। पांच साल का समय बीत जाने के बाद भी नदी पर स्टॉप डेम नहीं बन पाने से ग्रामीण अब सवाल उठा रहे हैं कि आखिर स्वीकृति और भूमि पूजन के बाद भी काम क्यों नहीं शुरू हुआ। ग्रामीणों ने तत्काल निर्माण शुरू कराने की मांग की ग्रामीणों का कहना है कि तुड़ार नदी पर स्टॉप डेम का निर्माण केवल सुविधा का मामला नहीं है, बल्कि यह बच्चों की सुरक्षा, शिक्षा और ग्रामीणों के जीवन से जुड़ा विषय है।

चलती स्कूल वैन का दरवाजा खुला, सड़क पर गिरा 10 साल का मासूमपहिए की चपेट में आने से दर्दनाक मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कटनी। मध्यप्रदेश के कटनी जिले में स्कूली बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़ा करने वाला दर्दनाक हादसा सामने आया है। विजयराघवगढ़ थाना क्षेत्र में चलती स्कूल वैन का दरवाजा अचानक खुलने से 10 वर्षीय मासूम छात्र सड़क पर जा गिरा और वाहन के पहिए की चपेट में आ गया। गंभीर रूप से घायल बच्चे को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया, वहीं आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने सड़क पर चक्काजाम कर दिया। मृतक छात्र की पहचान टीकर निवासी दिनेश यादव के 10 वर्षीय बेटे जीत यादव के रूप में हुई है। जीत निजी विद्यालय में कक्षा तीसरी का छात्र था। वह रोज की तरह स्कूल की छुट्टी के बाद वैन से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में चलती वैन का दरवाजा अचानक खुल गया। दरवाजा खुलते ही जीत का संतुलन बिगड़ गया और वह चलती गाड़ी से सड़क

पर जा गिरा। इसी दौरान वैन का पहिया उसके ऊपर से निकल गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों और राहगीरों ने बच्चे को तत्काल विजयराघवगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। परिवार को भी घटना की जानकारी दी गई। अस्पताल में डॉक्टरों ने बच्चे की जांच की, लेकिन उसकी हालत बेहद गंभीर होने के कारण उसे बचाया नहीं जा सका। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिजन और स्थानीय लोग अस्पताल पहुंच गए और वहां चीख-पुकार मच गई। हादसे से गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने किया चक्काजाम बच्चे की मौत से आक्रोशित परिजनों और स्थानीय ग्रामीणों ने सड़क पर चक्काजाम कर दिया। लोगों ने हादसे के लिए जिम्मेदार चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों का कहना था कि बच्चों को लाने-ले जाने वाली वैन में सुरक्षा व्यवस्था की अनदेखी किसी भी कीमत पर नहीं होनी चाहिए। सूचना मिलने पर विजयराघवगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित लोगों से बातचीत की। पुलिस के समझाने और कार्रवाई का भरोसा दिलाने के बाद चक्काजाम समाप्त हुआ और सड़क पर यातायात बहाल कराया गया। वैन जब्त, चालक गिरफ्तार विजयराघवगढ़ थाना प्रभारी अभिषेक चौबे के अनुसार घटना के बाद पुलिस ने संबंधित स्कूल वैन को जब्त कर लिया है और चालक को गिरफ्तार किया गया है। मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि चलती गाड़ी का दरवाजा आखिर किन परिस्थितियों में खुला और वाहन में बच्चों की सुरक्षा के लिए निर्धारित इंतजाम किए गए थे या नहीं। वाहन की स्थिति और उसकी फिटनेस की भी जांच की जा रही है। स्कूल प्रबंधन ने वैन से संबंध होने से किया इनकार घटना के बाद स्कूल संचालक की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। स्कूल संचालक शशांक गुप्ता ने बताया कि संबंधित वैन स्कूल की अपनी वैन नहीं थी और उसका स्कूल से सीधा संबंध नहीं था।

गोदाम की ग्रिल तोड़कर घुसे चोर, 300 किलो जिलेटिन और 375 मीटर फ्यूज ले उड़े; 15 सदस्यीय एसआईटी गठित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर जिले के महू क्षेत्र में विस्फोटक सामग्री की बड़ी चोरी का मामला सामने आया है। बड़गोंदा थाना क्षेत्र के सितापाट गांव स्थित लाइसेंसी गोदाम से अज्ञात बदमाश करीब 300 किलो जिलेटिन स्टिक और 375 मीटर डेटोनेटिंग फ्यूज चोरी कर ले गए। घटना 6 और 7 सितंबर की दरमियानी रात की बताई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए 15 सदस्यीय विशेष जांच दल गठित किया गया है। पुलिस के अनुसार बदमाश गोदाम की खिड़की की ग्रिल तोड़कर अंदर घुसे और वहां रखे विस्फोटक सामग्री के 12 बक्से लेकर फरार हो गए। गोदाम में

कुल 13 बक्से रखे थे। इनमें से एक बक्साऔर दो फ्यूज पास की झाड़ियों में मिले हैं, जिन्हें पुलिस ने बरामद कर लिया है। चोरी हुई सामग्री में करीब 300 किलो जिलेटिन स्टिक और 375मीटर डेटोनेटिंग फ्यूज शामिल है। गोदाम संचालक के बेटे सूरज पाटीदार की शिकायत पर बड़गोंदा थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आसपास के क्षेत्र में संदिग्ध लोगों से पूछताछ करने के साथ ही उपलब्ध सुरागों के आधार पर आरोपियों की पहचान में जुटी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार जांच में कुछ अहम सुराग मिले हैं। पुलिस के मुताबिक संबंधित प्रतिष्ठान के पास वर्ष 2014 से विस्फोटक सामग्री रखने का लाइसेंस है। यहां रखी सामग्री का इस्तेमाल निर्माण कार्य, सड़क निर्माण, पत्थर खदान और कुआं खोदने जैसे कार्यों में किया जाता है। बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री चोरी होने से सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठे हैं।फिलहाल एसआईटी और पुलिस की अन्य टीमें चोरी गई सामग्री की बरामदगी और आरोपियों क गिरफ्तारी के लिए जांच में जुटी हैं।

जमीन में गड़े थे 700 से ज्यादा पुराने चांदी के सिक्के, बंटवारे को लेकर हुआ विवाद तो पुलिस तक पहुंचा मामला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मंदसौर। जिले के भानपुरा थाना क्षेत्र के बरखेड़ी गांव में मकान की नींव की खुदाई के दौरान 700 से अधिक पुराने चांदी के सिक्के मिलने से सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि ये सिक्के करीब 100 साल पुराने हैं और इन पर अंग्रेजी शासनकाल के शासक की तस्वीर तथा 1904 अंकित है। जमीन से निकले इस खजाने को प्रशासन को सौंपने के बजाय मौके पर मौजूद लोगों के बीच बांटने की कोशिश की गई। बाद में सिक्कों के बंटवारे को लेकर विवाद हुआ और मामला पुलिस तक पहुंच गया। जानकारी के अनुसार 26 अगस्त की दोपहर बरखेड़ी गांव में एक मकान की नींव के लिए खुदाई चल रही थी। इसी दौरान मजदूरों को जमीन के भीतर दबे पुराने सिक्के दिखाई दिए। खुदाई आगे बढ़ने पर बड़ी संख्या में चांदी के सिक्के मिलने की बात सामने आई। सिक्के मिलने के

बाद मौके पर मौजूद लोगों के बीच उन्हें आपस में बांटने को लेकर विवाद शुरू हो गया। विवाद बढ़ने पर पुलिस को मिली सूचन आरोप है कि सिक्के मिलने की जानकारी प्रशासन को देने के बजाय उन्हें आपस में बांट लिया गया। बाद में हिस्सेदारी और सिक्कों की संख्या को लेकर लोगों में विवाद हो गया। मामला बढ़ने पर गांव के चौकीदार को इसकी जानकारी मिली, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही भानपुरा पुलिस ने जांच शुरू कर दी और संबंधित लोगों से पूछताछ की। अब तक 144 सिक्के और 2.38 लाख रुपये बरामद पुलिस के अनुसार कार्रवाई के दौरान अब तक 144 चांदी के सिक्के और 2 लाख 38 हजार रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि खुदाई के दौरान कुल कितने सिक्के मिले थे और बाकी सिक्के फिलहाल कहां हैं। मामले में मकान मालिक प्रेमसिंह भाटी, मजदूर जीतमल बैरागी और दो नाबालिगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है।

पुलिस खंगाल रही पूरे मामले की कड़ियां

पुलिस अब यह जांच कर रही है कि जमीन से मिले सिक्कों को किस-किस व्यक्ति के बीच बांटा गया था और इस मामले में और कौन लोग शामिल हैं।

दुर्गा पूजा में नॉन-वेज हमारी संस्कृति का हिस्सा, बाहर का कोई तय नहीं करेगा खान-पान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दुर्गा पूजा के दौरान मांसाहारी भोजन को लेकर छिड़ी बहस के बीच दिल्ली की दुर्गा पूजा समितियों ने साफ कहा है कि पूजा पंडाल के भीतर चढ़ाया जाने वाला भोग सात्विक और शाकाहारी होता है, लेकिन पंडाल के बाहर मछली-भात और मटन जैसे पारंपरिक व्यंजन बंगाली खान-पान और संस्कृति का हिस्सा हैं। समितियों का कहना है कि इस पर किसी बाहरी व्यक्ति को रोक

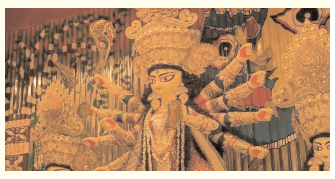

लगाने या फैसला थोपने का अधिकार नहीं है। दरअसल, बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की ओर से दुर्गा पूजा के दौरान मांसाहार से बचने और पूजा पंडालों के आसपास मांसाहारी भोजन की बिक्री नहीं करने की अपील के बाद यह विवाद शुरू हुआ। इसके बाद दिल्ली के चित्तरंजन पार्क सहित कई इलाकों की पूजा समितियों ने इस राय से असहमति जताई है। चित्तरंजन पार्क मेला ग्राउंड दुर्गा पूजा समिति के अधिक मित्रा ने कहा कि बंगाली समाज के लिए दुर्गा पूजा मां दुर्गा के मायके लौटने का पर्व है। पूजा के दौरान मां को खिचड़ी, लूची और पायेश जैसे सात्विक एवं शाकाहारी व्यंजन भोग में चढ़ाए जाते हैं। वहीं परिवार और समुदाय के लिए मछली-भात तथा मटन बंगाली खान-पान की पारंपरिक पहचान हैं। अरामबाग दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष अभिजीत बोस ने कहा कि बंगाल की दुर्गा पूजा की परंपरा उत्तर भारत की नवरात्र परंपराओं से अलग है। उन्होंने कहा कि पूजा पंडाल के भीतर भोग की व्यवस्था पूरी तरह सात्विक रहती है, जबकि पंडाल के बाहर लोगों के लिए शाकाहारी और मांसाहारी दोनों तरह के भोजन की व्यवस्था की जाती है। मिलनी कल्चरल एंड वेलफेयर समिति के अध्यक्ष मृणाल विश्वास ने कहा कि किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत पसंद को पूरी समुदाय की परंपरा पर थोपना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं शाकाहारी हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि दुर्गा पूजा में बंगाली परंपरा के अनुसार मांसाहारी भोजन की व्यवस्था भी बंद कर दी जाए। नई दिल्ली कालीबाड़ी के अध्यक्ष डॉ. सुब्रतो गांगुली ने भी कहा कि उत्तर भारत की किसी एक खान-पान परंपरा को पूरे देश पर लागू नहीं किया जा सकता। उनका कहना है कि दुर्गा पूजा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि बंगाली समाज की गहरी सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा पर्व भी है।

चांदनी चौक में 55 दुकानें सील, लक्ष्मी नगर-मयूर विहार में चला एमसीडी का हथौड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सत्य निकेतन में हुए इमारत हादसे के बाद दिल्ली नगर निगम ने अवैध निर्माण और खतरनाक इमारतों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। राजधानी के अलग-अलग इलाकों में लगातार तोड़फोड़ और सीलिंग अभियान चलाया जा रहा है। पिछले दो दिनों में निगम ने दिल्ली के सभी 12

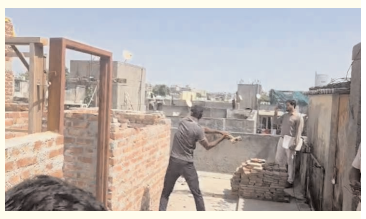

जोनों में 34 संपत्तियों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की, जबकि 17 संपत्तियों को सील किया गया है। चांदनी चौक के कुचा महाजनी बाजार में भी निगम की कार्रवाई जारी है। यहां अब तक 55 दुकानों को सील किए जाने की जानकारी सामने आई है। वहीं लक्ष्मी नगर, ललिता पार्क, मधु विहार, न्यू अशोक नगर और जगतपुरी सहित पूर्वी दिल्ली के कई इलाकों में अवैध निर्माण के खिलाफ हथौड़ा और बुलडोजर चलाया गया। लक्ष्मी नगर के डी-ब्लॉक में अवैध निर्माण के खिलाफ हाथ से तोड़फोड़ अभियान चलाया गया। जगतपुरी में पुलिस की मौजूदगी में कार्रवाई की गई। न्यू अशोक नगर के मयूर कुंज सोसायटी में भी ऊपरी मंजिल पर किए गए निर्माण को हटाने की कार्रवाई की जा रही है। निगम का कहना है कि इस निर्माण को लेकर पहले ही नोटिस जारी किया गया था। सत्य निकेतन में भी कार्रवाई जारी है। हादसे में सात लोगों की मौत के बाद ढही इमारत के आसपास मौजूद असुरक्षित और नियमों के विपरीत बने निर्माणों पर निगम की नजर है। एमसीडी ने अब तक करीब 1,243 पेइंग गेस्ट भवनों की पहचान की है, जिनमें लगभग 24 हजार लोग रह रहे हैं। सर्वे में खास तौर पर पांच मंजिल से अधिक ऊंची आरसीसी ढांचे वाली इमारतों और चार मंजिल से अधिक ऊंची भारवाहक ईंट की दीवारों वाली इमारतों को जांच के दायरे में रखा गया है। भवनों को सुरक्षित, मामूली मरम्मत योग्य, बड़ी मरम्मत योग्य और खतरनाक श्रेणियों में बांटा जा रहा है। निगम अधिकारियों को 10 सितंबर तक सर्वे पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का कहना है कि जांच में खतरनाक या नियमों का उल्लंघन करने वाली इमारतें मिलने पर आगे भी सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी रहेगी।

आप की 23 सदस्यीय नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी गठित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने अरविंद केजरीवाल पर एक बार फिर भरोसा जताते हुए उन्हें सर्वसम्मति से पार्टी का राष्ट्रीय संयोजक चुन लिया है। बुधवार को हुई पार्टी की 15वीं राष्ट्रीय परिषद की वर्चुअल बैठक में 330 सदस्यों ने हिस्सा लिया। बैठक में नई 23 सदस्यीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। पार्टी के अनुसार, पंकज गुप्ता को नया राष्ट्रीय सचिव चुना गया है, जबकि एनडी गुप्ता को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष के पद पर बरकरार रखा गया है। नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी में अरविंद केजरीवाल के साथ आतिशी,

भगवंत मान, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, गोपाल राय, दुर्गेश पाठक, राघव के स्थान पर अन्य वरिष्ठ नेताओं सहित कुल 23 सदस्य शामिल किए गए हैं। पार्टी ने पांच विशेष आमंत्रित सदस्यों की भी घोषणा की है। बैठक के दौरान केजरीवाल और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने संगठन की आगे की रणनीति को लेकर सदस्यों को दिशा-निर्देश दिए। आप के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने केजरीवाल को दोबारा राष्ट्रीय संयोजक चुने जाने पर बधाई देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में पार्टी हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। अरविंद केजरीवाल वर्ष 2012 में पार्टी की स्थापना के समय से ही इसके राष्ट्रीय संयोजक रहे हैं। राजनीति में आने से पहले वह भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन और सामाजिक कार्यों से जुड़े रहे। वर्ष 2013 में उन्होंने नई दिल्ली विधानसभा सीट से तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को हराकर चुनावी राजनीति में प्रवेश किया और 28 दिसंबर 2013 को पहली बार दिल्ली के मुख्यमंत्री बने। हालांकि, लोकपाल विधेयक को लेकर फरवरी 2014 में उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद फरवरी 2015 में आप की बड़ी चुनावी जीत के बाद केजरीवाल दोबारा दिल्ली के मुख्यमंत्री बने। पार्टी को पिछले कुछ वर्षों में कई चुनावों में झटके जरूर लगे हैं, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर संगठन की कमान अब भी केजरीवाल के हाथों में है। नई 23 सदस्यीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी के गठन को पार्टी के संगठन को मजबूत करने और आगामी राजनीतिक चुनौतियों के लिए तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जीपीएस से ट्रैक होंगे वीवीआईपी काफिले, ड्रोन पर कड़ी नजर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में 11 से 13 सितंबर तक होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी गई है। भारत मंडपम में होने वाले सम्मेलन में कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष और उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल शामिल होंगे। इसे देखते हुए दिल्ली में बहुस्तरीय सुरक्षा घेरा तैयार किया गया है। सुरक्षा एजेंसियां जमीन के साथ-साथ आसमान से आने वाले संभावित खतरों पर भी नजर रखेंगी। वीवीआईपी काफिलों की आवाजाही पर नजर रखने के लिए जीपीएस आधारित निगरानी व्यवस्था का इस्तेमाल किया जाएगा। काफिले में शामिल वाहनों की स्थिति पर नियंत्रण कक्ष से नजर रखी जा सकेगी। इसके अलावा ड्रोन, पैराग्लाइडर और

अन्य अनधिकृत उड़ने वाली वस्तुओं की गतिविधियों पर भी विशेष निगरानी रखी जाएगी। एंटी-ड्रोन व्यवस्था और बम निरोधक दस्ते को भी सतर्क रखा गया है। सम्मेलन की सुरक्षा में 25 हजार से ज्यादा सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की खबर है, जबकि कुछ रिपोर्टों में दिल्ली की व्यापक सुरक्षा व्यवस्था के लिए 30 हजार से अधिक जवानों की तैनाती का उल्लेख है। इनमें 100 से ज्यादा राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड के कमांडो भी शामिल हैं। सम्मेलन से पहले राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड ने दिल्ली पुलिस और विशेष हथियार एवं रणनीति दल के साथ कई स्थानों पर मॉक ड्रिल भी की है। भारत मंडपम और प्रमुख होटलों की सुरक्षा के लिए करीब सात हजार जवानों की तैनाती की गई है। विदेशी मेहमानों की आवाजाही के लिए अलग-अलग सुरक्षित मार्ग तय किए गए हैं। दिल्ली पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ पड़ोसी राज्यों की पुलिस भी समन्वय में है। सीमाओं पर जांच और संदिग्ध लोगों तथा वाहनों की निगरानी बढ़ाई गई है। सुरक्षा व्यवस्था में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कैमरों, सीसीटीवी, जैविक पहचान और अन्य तकनीकी प्रणालियों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। संवेदनशील इलाकों में स्थायी पुलिस तैनाती, जांच दल और त्वरित प्रतिक्रिया दल मौजूद रहेंगे। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन समेत कई प्रमुख नेताओं के दिल्ली पहुंचने को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां अतिरिक्त सतर्कता बरत रही हैं। सम्मेलन के दौरान वीवीआईपी काफिलों की आवाजाही के समय कई प्रमुख सड़कों पर यातायात प्रतिबंध और मार्ग परिवर्तन भी लागू रहेंगे।

मीरा रोड के स्कूल में पर्युषण के दौरान टिफिन पर विवाद, प्याज-लहसुन न लाने की अपील पर मनसे भड़की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मीरा रोड के सेवन स्क्वेयर अकादमी स्कूल में पर्युषण पर्व के दौरान विद्यार्थियों के टिफिन को लेकर जारी किए गए एक संदेश ने विवाद खड़ा कर दिया है। स्कूल की ओर से अभिभावकों से आठ दिनों की अवधि में बच्चों के टिफिन में मांसाहारी भोजन के साथ प्याज, लहसुन, आलू, चुकंदर और अन्य कंदमूल नहीं रखने की अपील की गई। संदेश सामने आने के बाद महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने इसका विरोध करते हुए सवाल उठाया कि विद्यार्थियों के खान-पान को लेकर स्कूल इस तरह का निर्देश कैसे दे सकता है। मामला मीरा रोड पूर्व स्थित सेवन स्क्वेयर अकादमी का है। पर्युषण पर्व शुरू होने के बाद स्कूल के

अभिभावक पोर्टल पर यह संदेश भेजा गया। इसमें बताए गए खाद्य पदार्थों को टिफिन में नहीं लाने की अपील की गई। स्कूल के भोजनालय में भी इस अवधि के दौरान कंदमूल का इस्तेमाल नहीं करने की बात सामने आई है। मनसे पदाधिकारी सचिन पोपले ने इस फैसले पर आपत्ति जताते हुए कहा कि अलग-अलग समुदायों के बच्चे एक ही स्कूल में पढ़ते हैं। ऐसे में किसी विशेष धार्मिक परंपरा के आधार पर सभी विद्यार्थियों के भोजन को नियंत्रित करना उचित नहीं है। मनसे की ओर से मामले को लेकर शिक्षा विभाग और मानवाधिकार आयोग में शिकायत भी की गई है। शिक्षा अधिकारी ने स्कूल का निरीक्षण कर मामले की जानकारी लेने की बात कही है। वहीं स्थानीय विधायक नरेंद्र मेहता ने स्कूल के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि इसमें किसी तरह की जबरदस्ती नहीं की गई है, बल्कि अभिभावकों से केवल अनुरोध किया गया है। उनका कहना है कि पर्युषण के दौरान जीवों को नुकसान से बचाने की भावना के तहत यह अपील की गई। उन्होंने विवाद को धार्मिक और राजनीतिक रंग न देने की बात भी कही। इस मामले ने एक बार फिर स्कूलों में धार्मिक परंपराओं, विद्यार्थियों की खान-पान की स्वतंत्रता और सभी समुदायों के लिए समान नियमों को लेकर बहस छेड़ दी है। अब शिक्षा विभाग की जांच के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि स्कूल की ओर से जारी संदेश को केवल अनुरोध माना जाएगा या इसे नियम के रूप में लागू करने की कोशिश की गई थी।

चेंबूर में बेजुबानों से बर्बरता, छह बिल्लियां और उनके बच्चे मृत मिले

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कल्याण। मुंबई। चेंबूर के पांजरापोल इलाके में लावारिस बिल्लियों की कथित बेरहमी से हत्या का मामला सामने आया है। अलग-अलग दिनों में छह बिल्लियां और उनके बच्चों के शव गंभीर चोटों के साथ मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। पशुप्रेमियों की शिकायत पर आरसीएफ पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर संदिग्धों की पहचान करने में जुटी है। मामला गोवंडी के पांजरापोल स्थित कामावाड़ी इलाके का है। 53 वर्षीय रुबीना पठान पिछले पांच-छह वर्षों से यहां लावारिस बिल्लियों को खाना खिलाने और जरूरत पड़ने पर

उनका उपचार कराने का काम करती हैं। शिकायत के अनुसार, 3 सितंबर को उन्हें इलाके में चार बिल्लियों के शव मिले। उनके शरीर और सिर पर गंभीर चोटों के निशान थे। इसके बाद 5 सितंबर को एक बिल्ली और उसके बच्चे का शव मिला। एक बिल्ली के सिर पर भारी वस्तु से हमला किए जाने की आशंका जताई गई है। लगातार बिल्लियों के मृत मिलने के बाद रुबीना ने पशु अधिकार संगठन पेटा इंडिया और अन्य पशुप्रेमियों से संपर्क किया। दो शवों को जांच के लिए परेल स्थित पशु चिकित्सालय भेजा गया। इसके बाद आरसीएफ थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 325 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। इस बीच, पेटा इंडिया ने मामले में आरोपी की गिरफ्तारी और दोषसिद्धि में मदद करने वाली जानकारी देने वाले व्यक्ति के लिए 50 हजार रुपये तक के इनाम की घोषणा की है। संगठन के अनुसार, पांजरापोल इलाके में अब तक करीब 20 बिल्लियों के मृत या क्षत-विक्षत शव मिलने की जानकारी सामने आई है। पुलिस इस पूरे घटनाक्रम की कड़ियों को जोड़ने और यह पता लगाने में जुटी है कि इन घटनाओं के पीछे कौन है।

अन्ना हजारे को बॉम्बे हॉस्पिटल से मिली छुट्टी, बोले-100 साल की उम्र तक देश की सेवा करता रहूंगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। देश के जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे को गुरुवार को मुंबई के बॉम्बे हॉस्पिटल से छुट्टी दे दी गई। पिछले कुछ दिनों से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के चलते उनका उपचार चल रहा था। तबीयत में सुधार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी। अस्पताल से बाहर आने के बाद अन्ना हजारे ने अपने समर्थकों और शुभचिंतकों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि वह 100 साल की उम्र तक देश की सेवा करते रहेंगे। अन्ना हजारे की तबीयत कुछ समय पहले अचानक बिगड़ गई थी। उन्हें तेज बुखार और खांसी के साथ वायरल संक्रमण की शिकायत हुई। इसके बाद शरीर में पानी की कमी और कमजोरी बढ़ने लगी। चिकित्सकीय जांच में गुर्दे और मूत्र संक्रमण से जुड़ी परेशानी सामने आई तथा उनके क्रिएटिनिन स्तर में भी बढ़ोतरी बताई गई। शुरुआती उपचार रालेगण सिद्धि और शिरूर के अस्पतालों में कराया गया, लेकिन तबीयत में अपेक्षित सुधार नहीं होने पर उन्हें बेहतर उपचार के लिए मुंबई रेफर किया गया था। मुंबई पहुंचने के बाद अन्ना हजारे को बॉम्बे हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने पर उन्हें गहन चिकित्सा इकाई में भी रखा गया था। चिकित्सकों की निगरानी और उपचार के बाद उनकी हालत में धीरे-धीरे सुधार हुआ। स्वास्थ्य बेहतर होने पर उन्हें सामान्य वार्ड में रखा गया और बाद में अस्पताल से छुट्टी देने का फैसला किया गया। अन्ना हजारे की तबीयत खराब होने की जानकारी सामने आने के बाद महाराष्ट्र के कई बड़े नेता भी उनका हाल जानने अस्पताल पहुंचे थे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अस्पताल जाकर अन्ना हजारे की सेहत की जानकारी ली और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की थी। उपमुख्यमंत्री समेत राज्य सरकार के अन्य नेताओं ने भी उनसे मुलाकात कर स्वास्थ्य का हाल जाना था। भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन का बड़ा चेहरा रहे हैं अन्ना अन्ना हजारे देश में भ्रष्टाचार के खिलाफ चले बड़े आंदोलनों के प्रमुख चेहरों में रहे हैं। वर्ष 2011 में दिल्ली के रामलीला मैदान सहित देश के कई हिस्सों में उनके नेतृत्व में हुए आंदोलन ने राष्ट्रीय राजनीति पर गहरा प्रभाव डाला था। जन लोकपाल की मांग को लेकर हुए इस आंदोलन में बड़ी संख्या में लोग उनके समर्थन में सड़कों पर उतरे थे। अन्ना हजारे लंबे समय से ग्रामीण विकास, पारदर्शिता, भ्रष्टाचार विरोध और सामाजिक सुधार के मुद्दों पर काम करते रहे हैं। महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के रालेगण सिद्धि गांव में उनके सामाजिक कार्यों और ग्राम विकास के प्रयासों को देशभर में पहचान मिली। शराबबंदी, जल संरक्षण, ग्राम स्वच्छता और सामाजिक सुधार जैसे विषयों पर भी उन्होंने लगातार अभियान चलाए। राजनीति से अलग रहने की बात कहते रहे अन्ना भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के दौरान अन्ना हजारे के साथ काम करने वाले कई कार्यकर्ता बाद में सक्रिय राजनीति में आए और आम आदमी पार्टी का गठन हुआ। हालांकि अन्ना

हजारे खुद सक्रिय राजनीति से दूरी बनाए रखने की बात कहते रहे हैं। अब अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद उनका 100 साल की उम्र तक देश की सेवा करने का संकल्प एक बार फिर चर्चा में है। स्वास्थ्य संबंधी परेशानी से उबरकर अस्पताल से बाहर आए अन्ना हजारे के इस बयान को उनके समर्थक उनके लंबे सामाजिक जीवन और देशहित से जुड़े कार्यों को जारी रखने की प्रतिबद्धता के तौर पर देख रहे हैं।

जेल में ही रहेगा गैंगस्टर अबू सलेम, सुप्रीम कोर्ट ने समयपूर्व रिहाई की अर्जी खारिज की; 1993 मुंबई धमाकों में काट रहा उम्रकैद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। 1993 के मुंबई सिलसिलेवार बम धमाकों के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे गैंगस्टर अबू सलेम को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने उसकी समयपूर्व रिहाई की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने कहा कि पुर्तगाल से प्रत्यर्पण के समय भारत की ओर से दिए गए 25 साल के आश्वासन की गणना वास्तविक कारावास की अवधि के आधार पर होगी। जेल में अच्छे आचरण के बदले मिली सजा में छूट को इस 25 साल की अवधि में घटाया नहीं जा सकता। सलेम की 25 साल की अवधि वर्ष 2030 में पूरी होगी। अबू सलेम ने अपनी याचिका में दावा किया था कि जेल में बिताए समय, विचाराधीन कैदी के रूप में बिताई अवधि और अच्छे आचरण के लिए मिली सजा में छूट को जोड़ने के बाद वह 25 साल की अवधि पूरी कर चुका है। उसने भारत-पुर्तगाल प्रत्यर्पण समझौते का हवाला देते हुए तत्काल रिहाई की मांग की थी। उसका कहना था कि भारत ने पुर्तगाल को आश्वासन दिया था कि उसे 25 साल से अधिक समय तक जेल में नहीं रखा जाएगा। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने स्पष्ट किया कि महाराष्ट्र जेल नियमों के तहत मिलने वाली सामान्य सजा में छूट को प्रत्यर्पण के दौरान दिए गए 25 साल के आश्वासन की अवधि कम करने के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। अदालत ने सलेम की याचिका को समय से पहले दायर माना और कहा कि वास्तविक 25 साल का कारावास पूरा होने के बाद ही वह रिहाई के लिए आगे की प्रक्रिया अपना सकता है।

बॉम्बे हाईकोर्ट भी खारिज कर चुका है अर्जी

अबू सलेम इससे पहले बॉम्बे हाईकोर्ट का भी दरवाजा खटखटा चुका था। उसने दावा किया था कि जेल में मिली सजा में छूट को जोड़ने के बाद उसकी 25 साल की अवधि पूरी हो चुकी है। हाईकोर्ट ने उसकी दलील खारिज करते हुए कहा था कि प्रत्यर्पण समझौते के तहत तय 25 साल की अवधि अभी पूरी नहीं हुई है और यह अवधि नवंबर 2030 में पूरी होगी। इसके बाद सलेम ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।

12 मार्च 1993 को दहला था मुंबई

अबू सलेम का नाम 12 मार्च 1993 को मुंबई में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के मामले से जुड़ा है। उस दिन शहर के अलग-अलग इलाकों में लगातार विस्फोट हुए थे, जिनमें 257 लोगों की मौत हुई थी और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए थे। विशेष टाडा अदालत ने वर्ष 2017 में अबू सलेम समेत कई आरोपियों को दोषी ठहराया था और सलेम को उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

पुर्तगाल से प्रत्यर्पण के बाद जेल में है सलेम

अबू सलेम को 11 नवंबर 2005 को पुर्तगाल से भारत प्रत्यर्पित किया गया था। प्रत्यर्पण के दौरान भारत की ओर से यह आश्वासन दिया गया था कि उसे मृत्युदंड नहीं दिया जाएगा और 25 साल से अधिक समय तक जेल में नहीं रखा जाएगा। सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले के बाद फिलहाल उसकी रिहाई का रास्ता बंद है और उसे जेल में ही रहना होगा।

आईडीबीआइ बैंक के निजीकरण की दिशा में कदम, फेयरफैक्स डील में आगे

सरकार और फेयरफैक्स के बीच कीमत पर अटका मामला, शेयर 11 फीसदी गिरे

मुंबई ।

देश के प्रमुख सरकारी बैंक आईडीबीआई बैंक के निजीकरण की प्रक्रिया अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। सरकार बैंक में अपनी 60.72 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की तैयारी में है, और इस दौड़ में कनाडा की वित्तीय कंपनी फेयरफैक्स में सबसे आगे दिख रही है। यदि आपका भी खाता इस बैंक में है, तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक फेयरफैक्स ने प्रति शेयर करीब 81 रुपये की पेशकश की है, जिससे सरकार की हिस्सेदारी का मूल्य लगभग 53,000 करोड़ रुपये हो जाता है। हालांकि, इस प्रस्तावित कीमत पर सरकार और फेयरफैक्स के बीच अंतिम सहमति अभी तक नहीं बन पाई है। इसी मुद्दे पर सोमवार को वित्त मंत्रालय में उच्च-स्तरीय बैठक भी हुई। इस खबर के सार्वजनिक होते ही बैंक के शेयरों में लगभग 11 फीसदी की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। फेयरफैक्स का भारत में पहले से ही आईआईएफएल फाइनेंस और सीएसबी बैंक में निवेश है, जिसके कारण आईडीबीआई डील पूरी होने पर उसे भारतीय बैंकिंग नियमों के तहत कुछ निवेशों में बदलाव करना पड़ सकता है। बैंक के ग्राहकों के लिए राहत की बात यह है कि इस निजीकरण का उनके बैंकिंग परिचालन पर कोई सीधा असर नहीं पड़ेगा। बैंक पहले की तरह ही सुचारू रूप से काम करता रहेगा और मौजूदा सेवाएं एवं योजनाएं यथावत जारी रहेंगी।

सोना 182 रुपए सुस्त, चांदी 907 रुपए नरम

सोने का भाव 1,53,650 प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,43,110 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने वैश्विक बाजारों में महंगाई की चिंता और ब्याज दरों में संभावित वृद्धि की उम्मीद बढ़ा दी है, जिसका असर सोने और चांदी पर साफ दिख रहा है। गुरुवार को दोनों कीमती धातुओं के कारोबार की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी दोनों में गिरावट दर्ज की गई। खबर लिखे जाने तक, सोने का अक्टूबर वायदा 1,53,650 प्रति 10 ग्राम पर 113 की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था। यह 1,53,581 पर खुला था। इस साल सोने ने 1,80,779 के रिकॉर्ड उच्च स्तर को छुआ था। वहीं चांदी का दिसंबर वायदा भी दबाव में दिखा और यह 1,103 रुपए की गिरावट के साथ 2,43,110 रुपए प्रति किलोग्राम पर था। चांदी ने 2,43,292 रुपए पर कारोबार शुरू किया था। इस साल चांदी ने 4,20,048 रुपए प्रति किलोग्राम का सर्वोच्च स्तर बनाया है। अंतराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी सोने और चांदी में सुस्ती देखने को मिली। सोना 4,458.90 डॉलर प्रति औंस पर 1.80 डॉलर की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था, जबकि यह 4,448 डॉलर पर खुला था। पिछले सत्र में सोना 4,460.70 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ था। इस साल कॉमेक्स पर सोने का उच्चतम स्तर 5,586.20 डॉलर प्रति औंस रहा है। चांदी भी 0.57 डॉलर की गिरावट के साथ 68.07 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। चांदी 67.94 डॉलर प्रति औंस पर खुली थी, जबकि पिछला बंद भाव 68.64 था। अंतराष्ट्रीय बाजार में चांदी ने इस साल 121.79 डॉलर प्रति औंस का सर्वोच्च स्तर छू लिया था। बढ़ती महंगाई और ब्याज दरों की आशंका के बीच निवेशकों की नजर अब केंद्रीय बैंकों की नीतियों पर टिकी है।

सैमसंग इंडिया में छंटनी, टीवी और होम अप्लायंसेज बिजनेस पर गिरी गाज

बढ़ती लागत और घटती मांग के चलते कंपनी ने उठाया कदम

नई दिल्ली । सैमसंग इंडिया ने अपने टेलीविजन और होम अप्लायंसेज बिजनेस में कर्मचारियों की छंटनी शुरू कर दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनी बढ़ती लागत, कम होती मांग और संगठनात्मक पुनर्गठन के बीच खर्चों में कटौती करने के लिए यह कदम उठा रही है। छंटनी का असर डायरेक्टर, टीम लीडर और मैनेजर सहित कई स्तरों के कर्मचारियों पर पड़ रहा है। सूत्रों के मुताबिक यह कटौती कई चरणों में की जा रही है और पिछले कुछ दिनों में कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के लेटर जारी किए गए हैं। कुछ कर्मचारियों से तो नोटिस पीरियड पूरा किए बिना तुरंत कार्यमुक्त होने को कहा गया है। संपर्क करने पर, सैमसंग ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। प्रभावित कर्मचारियों को तीन महीने की सैलरी और कंपनी में बिताए हर पूरे साल के लिए एक महीने की अतिरिक्त सैलरी का सेवरेंस पैकेज दिया जा रहा है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियां कमजोर मांग और बढ़ती परिचालन लागत से जूझ रही हैं। मेमोरी चिप की ऊंची कीमतों, कच्चे माल की बढ़ती लागत और भारतीय रुपये के कमजोर होने से कंपनियों पर दबाव बढ़ा है।

एप्पल ने भारत में आईफोन लाइनअप की 40 फीसदी तक बढ़ाई कीमत

बढ़ोतरी के लिए मेमोरी की लागत, रुपए की कमजोरी को जिम्मेदार बताया

-नई दिल्ली।

एप्पल ने भारत में अपने आईफोन लाइनअप की कीमतों में 40 फीसदी की बढ़ोतरी की है। इसकी वजह मेमोरी की बढ़ती लागत है। वहीं, कंपनी ने अपने स्मार्टफोन की नई पीढ़ी लॉन्च करने के साथ आईफोन 17 डुओ के साथ फोल्डेबल सेगमेंट में भी प्रवेश किया है, जिसकी कीमत 2.99 लाख रुपए तय की गई है। एप्पल ने आईफोन 17 के 256जीबी वेरिएंट की कीमत को 82,900 रुपए से बढ़ाकर 99,900 रुपए कर दी है, जो कीमत में 17,000 रुपए या 20.5 फीसदी की बढ़ोतरी है। वहीं, 512जीबी वेरिएंट की कीमत 1,24,900 रुपए हो गई है, जो पहले 1,02,900 रुपए थी। इससे कीमत में 22,000 रुपए या 21.4 फीसदी की वृद्धि हुई है। आईफोन 18प्रो की शुरुआती कीमत 1,64,900 रुपए है, जो आईफोन 17प्रो की तुलना में 22 फीसदी ज्यादा है। वहीं, आईफोन 18प्रो मैक्स की शुरुआती कीमत 1,79,900 रुपए है, जो 20 फीसदी ज्यादा है। इसके अलावा, सबसे बड़ी बढ़ोतरी 1टीबी वाले आईफोन एयर की कीमत में हुई है। इसकी कीमत 40.6 फीसदी बढ़कर 2,24,900 रुपए हो गई है, जो पहले 1,59,900 रुपए थी। आईफोन एयर के 256जीबी और 512जीबी वेरिएंट भी 25 प्रतिशत महंगे हो गए हैं।

इसके अलावा, आईफोन 17ई की शुरुआती कीमत अब 79,900 रुपए है, जो 23.1 फीसदी ज्यादा हो गए हैं। वहीं, 128जीबी वाले आईफोन 16 की कीमत 28.6 फीसदी बढ़कर 89,900 रुपए हो गई है। भारत में एप्पल के प्रो मॉडल्स की कीमतों में हुई बढ़ोतरी कई प्रमुख बाजारों की तुलना में काफी ज्यादा है। अमेरिका में आईफोन 18प्रो और प्रो मैक्स की कीमतों में क्रमशः 9 फीसदी और 8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। काउंटरपॉइंट रिसर्च के रिसर्च डायरेक्टर के मुताबिक भारत में आईफोन की कीमतें 20-30 फीसदी बढ़ी हैं, जो 8-10 फीसदी के वैश्विक औसत से काफी ज्यादा है।

उन्होंने कीमतों में इस बढ़ोतरी के लिए मेमोरी की लागत, रुपए की कमजोरी और घरेलू उत्पादन की बढ़ी हुई लागत को जिम्मेदार बताया है।

उन्होंने कहा कि आईफोन डुओ पर 20 फीसदी तक का आयात शुल्क लग सकता है, क्योंकि इसका स्थानीय स्तर पर असेंबल नहीं किया जाता है। साइबर मीडिया रिसर्च के इंडस्ट्री इंटेलिजेंस ग्रुप के प्रमुख ने कहा कि 2,99,900 रुपए की कीमत वाला आईफोन डुओ प्रो सीरीज से ऊपर एक अल्ट्रा-प्रीमियम श्रेणी स्थापित करता है।

उनके मुताबिक निकट अवधि में यह बड़े पैमाने पर बिक्री बढ़ाने वाले उत्पाद के बजाय मुख्य रूप से ब्रांड की प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले उत्पाद के रूप में काम कर सकता है।

उन्होंने कहा कि फाइनेंसिंग विकल्प प्रो मैक्स यूजर्स को आकर्षित करने में मदद कर सकते हैं, जबकि निकट अवधि में आईफोन डुओ की शिपमेंट सीमित और सप्लाई की कमी से प्रभावित रहने की संभावना है। उन्होंने कहा कि फिलहाल फोल्डेबल स्मार्टफोन कुल स्मार्टफोन शिपमेंट का 1 फीसदी से भी कम हैं, लेकिन एप्पल के इस सेगमेंट में प्रवेश से इसके विकास को गति मिल सकती है।

जियो पेमेंट सॉल्यूशंस ने सीमा पार भुगतान सुविधा शुरू की

आरबीआई की मंजूरी के बाद जियो पेमेंट सॉल्यूशंस ने शुरू की पहल

नई दिल्ली ।

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी जियो पेमेंट सॉल्यूशंस लिमिटेड (जेपीएसएल) ने भारतीय निर्यातकों को वैश्विक ग्राहकों से अंतरराष्ट्रीय भुगतान प्राप्त करने में मदद करने के लिए एक सीमा पार भुगतान मंच शुरू करने की बुधवार को घोषणा की। यह सुविधा भारतीय व्यवसायों की वैश्विक प्रतिस्पर्धी क्षमता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। जेपीएसएल का यह नया मंच भारतीय निर्यातकों को वर्चुअल खातों, अंतरराष्ट्रीय कार्ड और स्थानीय भुगतान माध्यमों का उपयोग कर विदेशी ग्राहकों से भुगतान प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से पेमेंट एग्रीगेटर फॉर क्रॉस बॉर्डर (पीए-सीबी) के रूप में काम करने की मंजूरी मिलने के बाद यह पहल शुरू की गई है, जो निर्यात और भविष्य में आयात दोनों लेनदेन को कवर करेगी। जेपीएसएल ने बताया कि ऑनलाइन विक्रेता, डिजिटल कारोबारी और स्वतंत्र पेशेवर जैसे कई भारतीय व्यवसाय वैश्विक स्तर पर विस्तार कर रहे हैं, लेकिन अंतराष्ट्रीय भुगतान प्राप्त करने की प्रक्रिया अक्सर जटिल और बिखरी हुई होती है।

इसमें कई भागीदार, अलग-अलग मुद्राएं और अधिक कागजी कार्रवाई शामिल होती है। कंपनी के अनुसार, यह नया मंच इन जटिलताओं को दूर करेगा, वैश्विक भुगतान प्राप्त करने की प्रक्रिया को आसान बनाएगा, नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करेगा और कारोबारियों को उनके वैश्विक ग्राहकों को स्थानीय भुगतान विकल्प प्रदान करने में मदद करेगा।

अफ्रीका में चीनी ई-वाहन क्रांति- आयात बढ़ा, क्षेत्रीय अंतर स्पष्ट

- पूर्वी व मध्य अफ्रीका में स्थानीय असेंबली व वाणिज्यिक वाहनों पर जोर

नैरोबी ।

2026 की पहली छमाही में अफ्रीका में चीन से इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल और तिपहिया वाहनों के आयात में भारी वृद्धि दर्ज की गई है। यह महाद्वीप में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को अपनाने की प्रक्रिया में मौजूद गहरे क्षेत्रीय अंतर को उजागर करता है, जो ईंधन खपत और वायु प्रदूषण घटाने के लिए महत्वपूर्ण है। उत्तरी अफ्रीकी देशों (मोरक्को, मिस्र, अल्जीरिया) की अगुवाई में चीन से दोपहिया और तिपहिया वाहनों का आयात 60% बढ़कर 11.46 करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गया। यह क्षेत्र तैयार चीनी इलेक्ट्रिक स्कूटरों का प्रमुख बाजार बन गया है, जिन्हें उपभोक्ता आवागमन हेतु खरीदते हैं। मोरक्को ने सर्वाधिक 2.17 करोड़ अमेरिकी डॉलर की 80,188 इकाइयों का आयात किया। इसके विपरीत पूर्वी एवं मध्य अफ्रीका में ईवी स्टार्टअप कंपनियों में निवेश केंद्रित है, जो स्थानीय असेंबली, बैटरी स्वैपिंग नेटवर्क और वाणिज्यिक मोटरसाइकिल परिवेश तैयार कर रहे हैं। विशेषज्ञ पीटर कोसाकोव्स्की के अनुसार, इस क्षेत्र में मोटरसाइकिलें मुख्यतः व्यावसायिक वाहनों के रूप में उपयोग होती हैं, जो यात्रियों व सामान को ढोती हैं। स्पाइरो जैसी कंपनियों ने बड़ा निवेश जुटाया है, लेकिन यहां उद्योग अभी भी आयातित कलपुर्जों की असेंबली पर निर्भर है; मोटर, नियंत्रक और बैटरी सेल जैसे प्रमुख घटक अब भी बाहर से आते हैं। उप-सहारा अफ्रीका में, दक्षिण अफ्रीका ने 69 लाख डॉलर की 19,635 इलेक्ट्रिक बाइक आयात कीं।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 138, निफ्टी 46 अंक उछला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में तीन कारोबारी सत्र के बाद आई ये तेजी दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। इसी के साथ ही पिछले तीन कारोबारी सत्र से जारी गिरावट पर भी ब्रेक लग गया। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 138.36 अंक बढ़कर 74,902.59 पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 46 अंक बढ़कर 23,477.80 पर बंद हुआ।

आज बाजार में मिली-जुली धारणा लिए रहा, जहां लगभग 1,802 शेयरों में तेजी देखी गई, वहीं 2,224 शेयरों में गिरावट दर्ज हुई और 135 शेयरों में कोई खास बदलाव नहीं आया। दिन की शुरुआत में, सेंसेक्स अपने पिछले बंद 74,764.23 से मामूली गिरावट के साथ 74,742.54 पर खुला। दिन के कारोबार में इसने 74,910.96 का उच्चतम स्तर भी छुआ। वहीं, निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 23,431.50 से 15 अंक उछलकर 23,446.60 पर खुला, जो बाजार में शुरुआती आशावाद को दर्शाता है। निफ्टी ने दिन के कारोबार में 23,494.95 का उच्चतम स्तर देखा।वहीं व्यापक बाजारों का प्रदर्शन हालांकि उतना मजबूत नहीं रहा। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 0.38 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में भी 0.07 फीसदी की मामूली गिरावट दर्ज की गई। क्षेत्रवार प्रदर्शन की बात करें तो, निफ्टी मीडिया, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी प्राइवेट बैंक ने बेहतर प्रदर्शन किया और बढ़त दर्ज की। इसके विपरीत, निफ्टी मेटल, निफ्टी फार्मा, निफ्टी ऑटो, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी एफएमसीजी जैसे सेक्टरों में गिरावट का रुख रहा, जिससे पता चलता है कि यह उछाल कुछ खास क्षेत्रों तक ही सीमित रहा।प्रमुख निफ्टी 50 इंडेक्स के भीतर, एचसीएल टेक, हिंडाल्को और टाटा स्टील जैसे शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा, जो बाजार में कुछ बड़ी कंपनियों पर दबाव को दर्शाता है। वहीं, एचडीएफसी लाइफ, पावरग्रिड, ओएनजीसी, भारतीय एयरटेल और टेक महिंद्रा के शेयरों में निवेशकों ने सबसे अधिक खरीदारी की, जिससे इन कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए।

सेबी ने कृषि जिंस वायदा कारोबार के नियम सरल बनाए

अधिकतम सौदों की सीमा में संशोधन और उल्लंघन पर जुर्माने की ऊपरी सीमा तय

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कृषि जिंस वायदा कारोबार को सुगम बनाने के उद्देश्य से ग्राहकों के लिए सौदों की अधिकतम सीमा में संशोधन किया है। इसके साथ ही, नियामक ने नियमों के उल्लंघन पर लगने वाले जुर्माने की अधिकतम सीमा भी तय कर दी है। यह कदम बाजार में कारोबार को बढ़ावा देने और पुरानी बाजार परिस्थितियों के आधार पर तय की गई 2017 की सीमाओं की समीक्षा के बाद उठाया गया है। नए नियमों के तहत, व्यापक जिंसों के लिए ग्राहकों के स्तर पर सौदों की अधिकतम सीमा डिलिवरी योग्य आपूर्ति मात्रा का दो प्रतिशत होगी। वहीं, सीमित जिंसों के लिए यह एक प्रतिशत और संवेदनशील जिंसों के लिए 0.5 प्रतिशत निर्धारित की गई है। सेबी ने व्यापक जिंस की परिभाषा भी संशोधित की है, जिसके अनुसार अब वह जिंस जो संवेदनशील न हो और जिसकी औसत डिलिवरी योग्य आपूर्ति पिछले पांच वर्षों में कम से कम 10 लाख टन या 5,000 करोड़ रुपए मूल्य की रही हो, व्यापक मानी जाएगी। नियामक ने नियमों के उल्लंघन पर लगने वाले जुर्माने की गणना के लिए भी स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए हैं। अब यह जुर्माना उल्लंघन की अतिरिक्त सीमा और उल्लंघन जारी रहने के दिनों की संख्या के आधार पर तय होगा। हालांकि, इसकी अधिकतम सीमा तय कर दी गई है, जैसे दो प्रतिशत से अधिक के उल्लंघन पर अधिकतम दो लाख रुपये और दो प्रतिशत तक के उल्लंघन पर अधिकतम 10,000 रुपये का जुर्माना लगेगा। सदस्यों को अगले कारोबारी दिन तक अतिरिक्त सीमा को निर्धारित दायरे में लाना होगा, अन्यथा शेयर बाजार बिना सूचना के अतिरिक्त सौदे समाप्त कर सकता है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 51 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.59 पर बंद हुआ। रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 25 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.33 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और डॉलर की लगातार मांग का निवेशकों की धारणा पर असर पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.15 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद यह और टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.33 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 25 पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को 34 पैसे टूटकर 95.08 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 फीसदी की गिरावट के साथ 98.72 पर रहा।

रेलवे का मेगा विस्तार- 9 राज्यों में 20,804 करोड़ की 8 मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी

दक्षिणी, पूर्वी और मध्य भारत में लगभग 1200 किलोमीटर नए ट्रैक जुड़ेंगे

नई दिल्ली ।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश के 9 राज्यों में फैली 8 महत्वपूर्ण रेल मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को हरी झंडी दे दी है। अनुमानित 20,804 करोड़ रुपये की लागत वाली इन परियोजनाओं का उद्देश्य भारतीय रेलवे के अत्यधिक व्यस्त नेटवर्क की क्षमता को बढ़ाना, कनेक्टिविटी में सुधार करना और माल ढुलाई को गति देना है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस ऐतिहासिक फैसले की घोषणा की। इन परियोजनाओं में विभिन्न राज्यों में तीसरी और चौथी लाइनें बिछाने के साथ-साथ दोहरीकरण का कार्य भी शामिल है। दक्षिण भारत में तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना के 17 जिलों में अरक्कोणम - रेनीगुंटा तीसरी और चौथी लाइन, बंगारपेट तीसरी और चौथी लाइन, होसुर - ओमालूर ट्रैक का दोहरीकरण, सेलम - करूर - डिंडिगुल दोहरीकरण और सिकंदराबाद (घाटकेसर) - काजीपेट मल्टी-ट्रैकिंग जैसी 5 परियोजनाएं भारतीय रेलवे नेटवर्क में लगभग 540 किलोमीटर का इजाफा करेंगी। इसी तरह, पूर्वी और पूर्वी मध्य इलाकों में पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 14 जिलों में खड़गपुर - झारसुगुड़ा (बागडेही) चौथी लाइन, कटनी - पेंड्रा रोड चौथी लाइन और बिलासपुर (उसलापुर) - पेंड्रा रोड तीसरी लाइन जैसी परियोजनाएं लगभग 656 किलोमीटर का अतिरिक्त ट्रैक जोड़ेंगी। कुल मिलाकर, ये पहल भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में 1200 किलोमीटर से अधिक की वृद्धि करेंगी। मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सरकार की योजना भीड़भाड़ वाले रेल नेटवर्क में कम से कम 4 लाइनें बनाने की है, और ये परियोजनाएं उसी दिशा में एक कदम हैं। इन परियोजनाओं से 9 राज्यों के लगभग 1 करोड़ लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी, प्रमुख महानगरों में भीड़ कम होगी और 7.4 करोड़ टन अतिरिक्त माल ढुलाई की उम्मीद है, जिससे देश की आर्थिक गतिविधियों को और बढ़ावा मिलेगा।

मध्य प्रदेश में निवेश की बहार- दुबई से 53,000 करोड़ से अधिक के प्रस्ताव

ग्रीन हाइड्रोजन, एआइ, सौर ऊर्जा, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में बड़े समूह करेंगे निवेश

नई दिल्ली ।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की दुबई यात्रा राज्य के लिए बड़ी आर्थिक सफलता लेकर आई है। उनकी वैश्विक निवेशकों से हुई वन-टू-वन बैठकों के परिणामस्वरूप 53,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें ग्रीन हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा, एआई और डेटा सेंटर, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग जैसे भविष्य के क्षेत्रों पर विशेष जोर है। मुख्यमंत्री मोहन यादव की हालिया दुबई यात्रा के दौरान विभिन्न वैश्विक निवेशकों और औद्योगिक समूहों के साथ हुई बैठकों से मध्य प्रदेश को 53,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन प्रस्तावों में ग्रीन हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा, एआई और डेटा सेंटर, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, ई-मोबिलिटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, लॉजिस्टिक्स, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन और रियल एस्टेट जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं। इनमें सबसे बड़ा प्रस्ताव राणा होल्डिंग्स लिमिटेड की ओर से आया है, जिसमें करीब 35,200 करोड़ रुपये का निवेश संभावित है। इसमें 2,000 मेगावॉट का सौर ऊर्जा पोर्टफोलियो, 200 मेगावॉट का ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र, 50 मेगावॉट क्षमता का एआई एवं कंप्यूट डेटा सेंटर (जिसे 200 मेगावॉट तक विस्तारित किया जा सकेगा), 30,000 एमटीपीए क्षमता का क्रिटिकल मिनरल्स रिकवरी कॉम्प्लेक्स तथा एकीकृत स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग हब स्थापित करने की योजना है। इसी तरह एनआईडीआई सर्विसेज डीएमसीसी/एसईएनईएल के निवेशकों ने औद्योगिक स्तर के एआई कंप्यूट कैंपस और सॉवरेन एआई फैक्ट्री परियोजना में 18 हजार करोड़ रुपये के निवेश की योजना पेश की है, जिसे भविष्य में 100 मेगावॉट से अधिक तक बढ़ाया जा सकेगा। अन्य महत्वपूर्ण बैठकों में क्रेसेंट ग्रुप के साथ नवीकरणीय ऊर्जा और लॉजिस्टिक्स; प्योर हेल्थ के साथ मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल और डिजिटल हेल्थ; शराफ ग्रुप के साथ मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क और पर्यटन; चोइथराम समूह के साथ खाद्य प्रसंस्करण तथा डीपी वर्ल्ड के साथ पवारखेड़ा लॉजिस्टिक्स हब पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दुबई में इन्वेस्ट इन मध्यप्रदेश- इंटरैक्टिव सेशन के दौरान निवेशकों को राज्य के अनुकूल औद्योगिक वातावरण का भरोसा दिलाया। उन्होंने बताया कि उद्योगों के विकास के लिए 2,700 से अधिक नियम और लगभग 900 कानूनों को समाप्त कर प्रक्रिया सरल की गई है।

एसआईपी में रिकॉर्ड उछाल, निवेशकों का दीर्घकालिक भरोसा बढ़ा

बाजार उतार-चढ़ाव के बावजूद वित्त वर्ष 26 में एसआईपी ने छुआ नया मुकाम

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में जारी उठा-पटक और एसआईपी खाते बंद होने की बढ़ती संख्या के बावजूद, वित्त वर्ष 2026 में शुद्ध एसआईपी (सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) निवेश ने रिकॉर्ड 2 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा छू लिया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक, यह आंकड़ा पिछले तीन वर्षों में सबसे अधिक है और भारतीय खुदरा निवेशकों के मजबूत दीर्घकालिक निवेश नजरिए को दर्शाता है। सेबी के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2026 में कुल 3.5 लाख करोड़ रुपये के सकल एसआईपी निवेश का 56 प्रतिशत हिस्सा शुद्ध निवेश रहा, जो वित्त वर्ष 2025 के 54 प्रतिशत से अधिक है। शुद्ध एसआईपी निवेश का अर्थ सकल निवेश में से एसआईपी खातों से निकाली गई राशि (निवेश निकासी) को घटाने के बाद बची रकम है। रिपोर्ट बताती है कि वित्त वर्ष 2026 में एसआईपी खातों से कुल 1.5 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई, जो वित्त वर्ष 2025 के 1.3 लाख करोड़ रुपये से 15 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, यह वृद्धि पिछले तीन सालों में सबसे धीमी रही। वित्त वर्ष 2024 में निकासी में 57 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2025 में 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी। इससे भी महत्वपूर्ण, वित्त वर्ष 2026 में निकासी की वृद्धि दर सकल निवेश की 21 प्रतिशत वृद्धि से काफी कम थी। म्युचुअल फंड अधिकारियों का मानना है कि शुद्ध एसआईपी निवेश में यह बढ़ोतरी खुदरा निवेशकों में लंबी अवधि के लिए निवेश करने की सोच के लगातार बढ़ने का परिणाम है। यह रुझान बाजार की अस्थिरता के बावजूद निवेशकों के परिपक्व व्यवहार को रेखांकित करता है।

त्योहारी सीजन से पहले स्मार्टफोन महंगे

- भारत में कीमतों में रिकॉर्ड 21 फीसदी की उछाल, बिक्री 45 फीसदी गिरी

नई दिल्ली ।

त्योहारी सीजन से ठीक पहले नया स्मार्टफोन खरीदने की सोच रहे उपभोक्ताओं को बड़ा झटका लगा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, साल 2026 में भारत में स्मार्टफोन की औसत खुदरा कीमतों में 21 फीसदी की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है, जो दुनिया के किसी भी बड़े बाजार में सबसे तेज उछाल है। वैश्विक स्तर पर औसत कीमतों में 15 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, लेकिन भारत में यह आंकड़ा कहीं अधिक है, जिससे सीधे भारतीय ग्राहकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ा है। स्मार्टफोन की कीमतों में इस भारी वृद्धि के पीछे मुख्य कारण उसमें लगने वाली मेमोरी (डीआरएएम और एनएएनडी चिप) की बढ़ती लागत है। सितंबर 2025 के बाद से इन चिप्स की कीमतों लगभग चार गुना बढ़ चुकी हैं। दरअसल, दुनियाभर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंफ्रास्ट्रक्चर की भारी मांग के कारण सेमीकंडक्टर निर्माता अपनी उत्पादन क्षमता को एआई सर्वरों में उपयोग होने वाली हाई-बैंडविड्थ मेमोरी के निर्माण पर केंद्रित कर रहे हैं, जिससे स्मार्टफोन में लगने वाली पारंपरिक मेमोरी की आपूर्ति घट गई है। भारतीय बाजार का 51 फीसदी से अधिक हिस्सा 20,000 रुपये से कम कीमत वाले लो और मिड-रेंज फोनों का है। चूंकि बजट फोन में कंपनियों का मार्जिन न के बराबर होता है, इसलिए उत्पादन लागत का पूरा बोझ सीधे भारतीय ग्राहकों पर डाल दिया गया है। इसके विपरीत, पश्चिमी देशों में जहां प्रीमियम फोन अधिक बिकते हैं और कंपनियों के पास बेहतर मार्जिन होता है, वहां वे अतिरिक्त लागत का कुछ हिस्सा खुद वहन कर लेती हैं। इस मूल्य वृद्धि का सीधा असर बिक्री पर पड़ा है। जून तिमाही में 15,000 रुपये से कम कीमत वाले स्मार्टफोन की बिक्री में 45 फीसदी की भारी गिरावट आई है। कंपनियों ने कीमतें थामने के लिए कई फोनों के मेमोरी कॉन्फिगरेशन तक घटा दिए हैं, और 2026 में लॉन्च हुए नए मॉडल्स पिछले साल के मुकाबले 25 फीसदी तक महंगे हो चुके हैं।

नाश्ते में रवा उपमा खाने से मिलेंगे ये लाभ

नाश्ते में अगर कुछ अच्छा (स्वादिष्ट और हेल्दी) खाने को मिल जाए तो पूरा दिन मूड अच्छा रहता है और आप अपनी प्रॉडक्टिविटी में भी अच्छा परिणाम देखते हैं। बस, जरूर इस बात की है कि हम सभी अपने काम और अपने शरीर की जरूरतों को समझें.लेकिन हममें से ज्यादातर लोग बस यहीं मात खा जाते हैं। आइए, जानते हैं दिन की बेहतर शुरुआत करने में रवा उपमा किस तरह हमारी सहायता कर सकता है.

रवा खाने के फायदे

- दक्षिणी भारत में सूजी को रवा कहा जाता है। उत्तर भारत और हिंदी भाषी राज्यों में सूजी का हलवा जिस तरह आय दिन घरों में बनता है और सभी बहुत चाव से खाते हैं। ठीक इसी तरह सूजी से तैयार उपमा यानी रवा उपमा दक्षिण भारत में बहुत अधिक लोकप्रिय भोजन है।
- रवा यानी सूजी गेहूं से तैयार होती है। यह फाइबर से भरपूर होती है इसलिए इसे पचाना हमारे पाचनतंत्र के लिए आसान होता है।
- फाइबर धीमी गति से डायजेस्ट होता है इसलिए यह लंबे समय तक हमारे शरीर को ऊर्जा देने का काम करता है।
- यानी रवा से बना उपमा खाने के बाद जल्दी से भूख नहीं लगती, नींद नहीं आती और आप लंबे समय स्वयं को तक ऊर्जावान महसूस करते हैं।
- रवा उपमा तैयार करते समय इसमें मौसमी सब्जियां मिलाई जाती हैं। यानी इसे खाने से आपको संपूर्ण पोषण प्राप्त होता है। सब्जियों से विटमिन्स और मिनरल्स साथ ही रवा से दिनभर के लिए ऊर्जा।
- रवा उपमा बनाने में मूंगफली और ड्राई फ्रूट्स का उपयोग किया जाता है। इन्हें खाने से आपको सभी जरूरी अमीनो एसिड्स, ओमेगा-3 फैटी एसिड, फॉलिक एसिड और विटमिन्स तथा मिनरल्स की प्राप्ति होती है।
- रवा उपमा फैट यानी वसा और हानिकारक कॉलेस्ट्रोल से पूरी तरह फ्री होता है। इसलिए यह आपके हार्ट की सेहत के लिए भी एक शानदार नाश्ता है। जो हृदय की पंपिंग को सही बनाए रखने और अपने पौषक तत्वों से रक्त का प्रवाह बनाए रखने का काम करता है।
- रवा उपमा खाने में बहुत अधिक स्वादिष्ट और साथ ही सेहत के गुणों से भरपूर होता है। इसलिए साउथ इंडिया से निकलकर इस फूड ने देश के हर हिस्से और घर में अपनी जगह बना ली है।
- आज के समय में पोहा (मुख्य रूप से मध्य भारतीय आहार) दही चूड़ा (मुख्य रूप से बिहार का भोजन) और रवा उपमा तथा इडली (दक्षिण भारतीय भोजन) अपने-अपने राज्यों की सीमाए पार कर नैशनल फूड बन चुके हैं।
- इसकी खास वजह है कि इन फूड्स को तैयार करने में कम समय लगता है। ये पौषक तत्वों से भरपूर होते हैं और कम ऑइली होने के कारण फिटनेस को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। इसके साथ ही पाचन के लिहाज से बहुत अच्छे होते हैं तो इन्हें खाने के बाद आलस भी नहीं आता है।

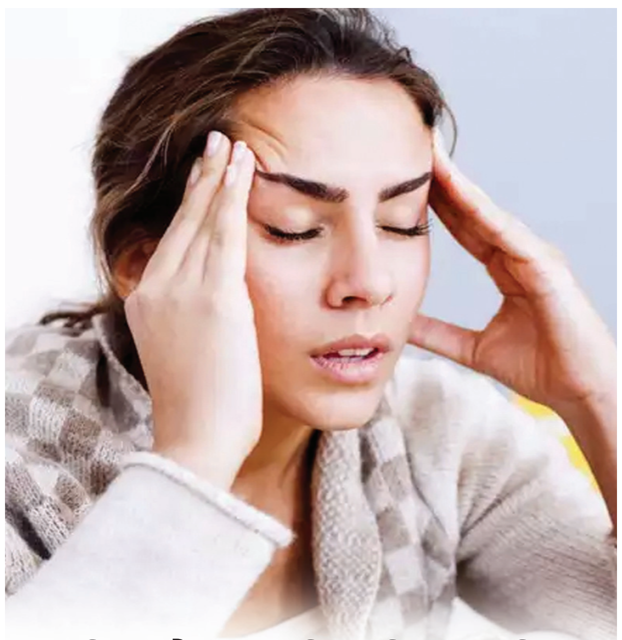

शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें

शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें। ये आपको कई गंभीर बीमारियों की तरफ धकेल सकती है. चिकित्सा विज्ञान के अनुसार, हमारे शरीर का 30 प्रतिशत हिस्सा तरल है और बाकी 70 प्रतिशत में अस्थि और मज्जा शामिल है। यही वजह है कि जल को जीवन की संज्ञा दी गई है। क्योंकि मनुष्य बिना भोजन के कुछ समय रह सकता है लेकिन बिना पानी के रहना असंभव होता है। यानी जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। पानी तो हम सभी लोग पीते हैं लेकिन ज्यादातर लोग शरीर की जरूरत के अनुसार उचित मात्रा में पानी नहीं पीते हैं। यही कारण है कि हमारे समाज में बड़े स्तर पर सूखे की बीमारी से पीड़ित पेशंट देखे जा सकते हैं। खासतौर पर गर्मी के मौसम में डिहाइड्रेशन के मरीजों की मानो बाढ़ आ जाती है।

हल्के में ना लें यह समस्या

- आमतौर पर शरीर में पानी की कमी होने को हम सभी बहुत हल्के में लेते हैं। यह एक बड़ी वजह है कि डिहाइड्रेशन के कारण बड़ी संख्या में रोगियों की मृत्यु हो जाती है। आइए, यहां जानते हैं शरीर के उन सामान्य लक्षणों के बारे में जो आपके शरीर में पानी की कमी को दर्शाते हैं। ताकि इन लक्षणों के आधार पर आप तुरंत इस समस्या से निजात पा सकें.

पानी की कमी के सामान्य लक्षण

- जब शरीर में पानी की कमी होती है तो आपके होंठ बहुत सूखे-सूखे हो जाते हैं और उनकी बाहरी त्वचा फटने लगती है। कई बार होठों से खून भी आने लगता है।
- पानी की कमी के कारण गला लगातार सूखा बना रहता है और बार-बार प्यास लगने पर पानी पीने के बाद भी प्यास नहीं मिटती है।
- शरीर में पानी की कमी के कारण सीने पर हल्की जलन, पेट में एसिडिटी या असहजता हो सकती है। साथ ही मुंह से सांसों के साथ लगातार दुर्गंध आती है। ब्रश करने के बाद भी आप सांसों की दुर्गंध फील कर पाते हैं।

यूरिन, स्किन और मसल्स पर असर

- जब शरीर में पानी की कमी होती है तो पेशाब गाढ़े पीले रंग का आता है। इसके साथ मात्रा में सामान्य से कम होता है और पेशाब के बाद प्राइवेट पार्ट में जलन या खुजली की समस्या हो सकती है।
- डिहाइड्रेशन से जूझ रहे लोगों के शरीर की त्वचा भी बहुत रूखी और बेजान नजर आती है। जो लोग लंबे समय से पानी की कमी से जूझ रहे होते हैं, उनकी त्वचा पर कम उम्र में ही झुर्रियां नजर आने लगती हैं।
- पानी की कमी से मांसपेशियों में दर्द, ऐंठन और जकड़न की समस्या हो सकती है। इसके साथ ही सिर में लगातार दर्द बना रहता है। इस कारण रोगी का चेहरा मुर्झाया हुआ और तेजहीन लगता है।
- जो लोग शरीर की जरूरत के अनुसार पानी नहीं पीते हैं, उनकी आंखों के नीचे काले घेरे साफ देखे जा सकते हैं। इन लोगों की आंखें अंदर धसने लगती हैं और इन्हें हर समय कमजोरी का अहसास बना रह सकता है।

सेहत समस्याओं से निजात पाने के लिए पुदीने के घरेलू नुस्खे

गर्मियों का मौसम आते ही भूख कम लगने लगती है, पेट व त्वचा की गर्मी बढ़ जाती है। ऐसे मौसम में ऐसी चीजें खाने की जरूरत होती है जो आपको ठंडक दे और पुदीना इस मौसम के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। गर्मियों में पुदीना या मिंट के अलग-अलग इस्तेमाल से कई सेहत लाभ पाए जा सकते हैं। आइए, जानते हैं पुदीना के ये 8 बेहतरीन घरेलू नुस्खे

- पेट की गर्मी को कम करने के लिए पुदीने का प्रयोग बेहद फायदेमंद है। इसके अलावा यह पेट से संबंधित अन्य समस्याओं से भी जल्द निजात दिलाने में लाभकारी है। इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है।
- दिनभर बाहर रहने वाले लोगों को पैर के तलवों में जलन की शिकायत रहती है, ऐसे में उन्हें फ्रिज में रखे हुए पुदीने को पीसकर तलवों पर लगाना चाहिए ताकि तुरंत राहत मिल सके। इससे पैरों की गर्मी भी कम होगी।
- सूखा या गीला पुदीना छाछ, दही, कच्चे आम के पने के साथ मिलाकर पीने पर पेट में होने वाली जलन दूर होगी और ठंडक मिलेगी। गर्मी हवाओं और लू से भी बचाव होगा।
- अगर आपको अक्सर टॉंसिल्स की शिकायत रहती है और इसमें होने वाली सूजन से भी आप परेशान हैं तो पुदीने के रस में सादा पानी मिलाकर इस पानी से गरारे करना आपके लिए फायदेमंद होगा।
- गर्मी में पुदीने की चटनी का रोजाना सेवन सेहत से जुड़े कई फायदे देता है। पुदीना, काली मिर्च, हींग, सेंधा नमक, मुनक्का, जीरा, छुहारा सबको मिलाकर चटनी पीस लें। यह चटनी पेट के कई रोगों से बचाव करती है व खाने में भी स्वादिष्ट होती है। भूख न लगने या खाने से अरुचि होने पर भी यह चटनी भूख को खोलती है।
- पुदीने व अदरक का रस थोड़े से शहद में मिलाकर चाटने से खांसी ठीक हो जाती है। वहीं अगर आप लगातार हिचकी आने से परेशान हैं तो पुदीने में चीनी मिलाकर धीरे-धीरे चबाएं। कुछ ही देर में आप हिचकी से निजात पा लेंगे।
- पुदीने की पत्तियों का लेप करने से कई प्रकार के चर्म रोगों को खत्म किया जा सकता है। घाव भरने के लिए भी यह उत्तम है। इसके अलावा गर्मी में इसका लेप चेहरे पर लगाने से त्वचा की गर्मी समाप्त होगी और आप ताजगी का अनुभव करेंगे।
- पुदीने का नियमित रूप से सेवन आपको पीलिया जैसे रोगों से बचाने में सक्षम है। वहीं मूत्र संबंधी रोगों के लिए भी पुदीने का प्रयोग बेहद लाभदायक है। पुदीने के पत्तियों को पीसकर पानी और नींबू के रस के साथ पीने से शरीर की आंतरिक सफाई होगी।

हल्की-हल्की भूख में लें इन तीन सूप का मजा

नाश्ते के बाद और लंच से पहले वाली भूख को हैंडल करने के लिए ज्यादातर लोग चाय, कॉफी या फास्ट फूड और डिब्बाबंद फूड्स का सेवन करते हैं। लेकिन हम यहां आपको चंद मिनट में तैयार होनेवाले उन 3 खास सूप के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको 'अपनी तो लाइफ सेट है!' जैसा फील देंगे.

वेजिटेबल सूप

- मौसमी सब्जियों के साथ आप मिक्स वेज सूप तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आप किसी एक सब्जी को उबालकर उसका सूप बनाएं और शिमला मिर्च, बीन्स, मशरूम, हरी प्याज और आलू को महीन टुकड़ों में काटकर इन्हें अलग उबाल लें।
- पहले से तैयार सूप में इन सब्जियों को मिलाएं और अपने स्वाद के हिसाब से काला नमक, जीरा पाउडर आदि मिलाएं। ध्यान रखें सूप को गाढ़ा करने के लिए कॉर्नफ्लोर मिलाया जाता है। आप इसका उपयोग कर सकते हैं लेकिन अधिक मात्रा में इसे मिलाने से बचें। नहीं तो यह आपके वजन को बढ़ाने की वजह बन सकता है।

चुकंदर का सूप

- चुकंदर का सूप बनाने के लिए आप टमाटर, आलू, प्याज, लहसुन, काली मिर्च का पाउडर और नींबू का रस जैसी चीजों का उपयोग करते हैं। ये सभी बहुत पौष्टिक और सेहत को फिट रखनेवाली चीजें हैं।
- चुकंदर का सूप तैयार करने के लिए एक कुकर में बारीक कटे प्याज और लहसुन भून लें। इसके बाद कटे हुए चुकंदर, आलू और टमाटर डालकर भूनें। इन्हें दो मिनट पकाने के बाद कुकर को बंद कर दें और इसमें धीमी आंच पर 4 सीटी आने दें।
- तैयार मिश्रण को मिक्सी में डालकर पीसें और गाढ़ा लिक्विड तैयार करें। इसे छान लें और काली मिर्च पाउडर तथा नींबू का रस मिलाकर सूप तैयार करें और इसे हरी धनिया पत्तियों के साथ गार्निश करके सूप का लुत्फ उठाएं।

मूंग दाल का शोरबा

- मूंग दाल का शोरबा मात्र 10 मिनट में तैयार हो जाता है। इसके लिए आप बिना छिलके की मूंग दाल को धुलकर कुकर में 3 से 4 सीटी लगा लें। इसे तैयार करते समय आपको पानी की मात्रा सामान्य दाल बनाने से दोगुना रखें और गैस की धीमी आंच पर रखकर ही पकाएं।
- अब इसमें हरी धनिया पत्ती, बारीक कटी हरी मिर्च, बारीक कटा कच्चा प्याज मिलाकर तड़का लगा दें। मसलों के नाम पर इसमें सिर्फ हल्दी पाउडर का उपयोग करें, हल्का काला नमक मिलाएं और काली मिर्च पाउडर मिक्स करके गर्मागर्म शोरबा का लुत्फ उठाएं।

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए।

मेटाबोलिज्म बढ़ाने के लिए चाय आजमाएं

अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस (अजमोद का रस)

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

वजन घटाने के पांच बुनियादी नियम भी जानें

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

35 महीने से वनडे क्रिकेट की 'बेताज बादशाह' टीम इंडिया, टी20 में भी हुकूमत कायम

नई दिल्ली। वनडे क्रिकेट में भारत का वर्चस्व लगातार कायम है। 50 ओवर के फॉर्मेट में पिछले 35 महीनों से दुनिया की बड़ी से बड़ी टीम भी भारत से नंबर एक का ताज नहीं छिन सकी है। सिर्फ वनडे ही नहीं, बल्कि क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट यानी टी20 में भी भारत का दबदबा लगातार बना हुआ है। वनडे क्रिकेट में भारतरीय टीम की बादशाहत सितंबर 2023 से कायम है। भारत ने पाकिस्तान से नंबर एक की कुर्सी छीनी थी और उसके बाद से किसी भी टीम को इस पोजीशन के आसपास तक नहीं भटकने दिया है। भारतीय टीम के अभी कुल 116 रेटिंग प्वाइंट्स हैं। भारत के बाद फिलहाल आईसीसी की ताजा रैंकिंग में न्यूजीलैंड दूसरे नंबर पर है, जिसके कुल रेटिंग प्वाइंट 109 हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया 102 रेटिंग प्वाइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर काबिज है। 2023 से लेकर अब तक 50 ओवर के फॉर्मेट में भारतीय टीम का प्रदर्शन लाजवाब रहा है। 2023 में टीम इंडिया ने कुल 35 वनडे मैच खेले और इस दौरान 27 मुकाबलों में जीत हासिल की, जबकि महज 7 मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा। साल 2024 में भारतीय टीम ने सिर्फ 3 ही वनडे मुकाबले खेले। इस दौरान टीम को 2 मैचों में हार का सामना करना पड़ा, तो एक मुकाबला टाई रहा।

टीम इंडिया के लिए साल 2025 वनडे फॉर्मेट में बेमिसाल रहा। साल की शुरुआत में ही भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी के खिताब पर कब्जा जमाते हुए अपनी बादशाहत साबित की। 2025 में भारत ने कुल मिलाकर 14 वनडे मुकाबले खेले और टीम को 11 में जीत नसीब हुई। वहीं, सिर्फ 3 ही मैचों में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा। भारत का जीत प्रतिशत 78.57 का रहा। साल के आखिरी में बीसीसीआई ने रोहित शर्मा के हाथों से वनडे टीम की कमान लेकर शुभमन गिल के हाथों में सौंपी। गिल की कप्तानी में भले ही टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया की धरती पर वनडे सीरीज में हार मिली, पर टीम का प्रदर्शन बेहद सराहनीय रहा।

साल 2026 में भारत ने अभी तक कुल 9 वनडे मैच खेले हैं और इस दौरान टीम को 5 में जीत, जबकि 4 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। इस दौरान भारत को इंग्लैंड की सरजमीं पर वनडे सीरीज गंवानी पड़ी। हालांकि, नए-नवेले कप्तान गिल की अगुवाई में भारत ने इस फॉर्मेट में हर बड़ी टीम को कड़ी टक्कर जरूर दी है।

टी20 में भी भारत का दबदबा लगातार कायम रखा है। भारतीय टीम फरवरी 2022 से क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में जुलाई 2026 तक नंबर वन रही। इसके बाद इंग्लैंड के हाथों पांच मैचों की टी20 सीरीज 0-4 से गंवाने के बाद टीम की 1600 दिनों से चली आ रही बादशाहत कुछ दिनों के लिए इंग्लिश टीम ने खत्म की। हालांकि, जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 में बड़ी जीत के साथ ही भारत ने एक बार फिर टी20 के किंग का ताज पहन लिया।

टी20 फॉर्मेट में नंबर वन रहते हुए भारत ने लगातार दो बार टी20 विश्व कप के खिताब को अपने नाम किया। 2024 में रोहित शर्मा ने अपनी कप्तानी में टीम को चैंपियन बनाया, तो 2026 में सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में टीम इंडिया वर्ल्ड चैंपियन बनी। भारत पहला ऐसा देश बना, जिसने सफलतापूर्वक अपने खिताब का बचाव किया और अपने ही घर में टी20 वर्ल्ड कप जीता।

सार-समाचार

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज खेल सकते हैं वाशिंगटन व रेड्डी

नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच 13 सितंबर से टी20 सीरीज की शुरुआत होने जा रही है, जिससे पहले ऑफ-स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर और सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर नितिश कुमार रेड्डी को फिटनेस हासिल कर चुके हैं। ये दोनों खिलाड़ी गुरुवार को टीम के साथ जुड़ेंगे। एक सूत्र ने बुधवार को 'आईएएनएस' को बताया, 'सुंदर और रेड्डी कुछ समय पहले ही पूरी तरह फिट हो गए थे। दोनों ने बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपने फिटनेस टेस्ट और मैच सिमुलेशन पास कर लिए हैं।' उल्लेखनीय है कि वाशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण सुंदर श्रीलंका में दो मैचों की टेस्ट सीरीज में नहीं खेल सके थे। वहीं, रेड्डी ने आखिरी बार जून में अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में खेला था, जिसके बाद उनके बाएं क्वाड्रिसेप्स की चोट बढ़ गई और वे आयरलैंड, इंग्लैंड और श्रीलंका के दौरे पर नहीं जा पाए थे। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में फील्डिंग के दौरान घुटने में लगी चोट के कारण जसप्रीत बुमराह खेल से बाहर हैं। ऐसे में उनके तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज के लिए टीम में शामिल होने के बारे में अभी कोई पक्की खबर नहीं है। सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर हर्षित राणा की भागीदारी पर भी संशय बना हुआ है, जो हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे हैं। अगर इन दोनों में से कोई भी राष्ट्रीय टीम के साथ नहीं जुड़ पाता, तो तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को आखिरी समय में टीम में शामिल किया जा सकता है। अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के बाद भारतीय टीम एशियन गेम्स 2026 के लिए जापान रवाना होगी। टीम इंडिया 22 सितंबर को सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर मेजबान जापान के खिलाफ टी20 मैच खेलेगी, जिसके बाद 28 सितंबर को कोरोजी स्पोर्ट्स पार्क में एशियन गेम्स में अपने गोल्ड मेडल का बचाव करने का अभियान शुरू करेगी।

'वह जल्द ही अपनी बेस्ट फॉर्म में लौटेंगे'

इंटर के खिलाफ खराब प्रदर्शन के बाद जोस मोरिन्हो ने किया विनीसियस का बचाव

नई दिल्ली। रियल मैड्रिड के स्टार खिलाड़ी विनीसियस जूनियर को लेकर रियल मैड्रिड के मैनेजर जोस मोरिन्हो ने भरोसा जताया है। मोरिन्हो का कहना है कि विनीसियस जल्द ही अपनी पुरानी फॉर्म में लौटेंगे। चैंपियंस लीग में इंटर के खिलाफ रियल मैड्रिड की 2-1 की जीत के दौरान कुछ घरेलू दर्शकों ने विनीसियस के खिलाफ हूटिंग की थी। हालांकि, मोरिन्हो का मानना है कि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और जल्द ही अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से आलोचकों का जवाब देंगे। बुधवार को सैंटियागो बर्नबेउ में 87वें मिनट में विनीसियस को सब्स्टीट्यूट किया गया, जिससे कुछ समर्थक उनके प्रदर्शन से

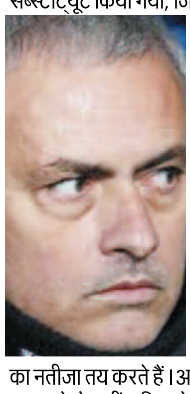

नाराज दिखे। ब्राजील का यह खिलाड़ी इंटर के मजबूत डिफेंस के सामने कुछ खास प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहा। हालांकि, मोरिन्हो ने विंगर की आलोचना करने से इनकार किया और इसके बजाय टीम के लिए उनकी मेहनत की तारीफ की। मैच के बाद मोरिन्हो ने पत्रकारों से कहा, 'वह अपनी बेस्ट फॉर्म में नहीं हैं, और उन्हें यह पता है, लेकिन वह उस विनीसियस जैसा बनने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं जो मैच का नतीजा तय करते हैं। अपनी बेस्ट फॉर्म में न होने के बावजूद वह पहले से कहीं अधिक मेहनत कर रहे हैं।'

पुर्तगाली मैनेजर ने थकान को भी एक कारण बताया जिसकी वजह से विनीसियस मैच के आखिर में डिफेंस में अपना काम ठीक से नहीं कर पाए। उन्होंने कहा, 'जब वह पीछे आकर डिफेंस नहीं कर पाए, तो उसकी वजह थकान थी। मुझे इसकी बहुत कद्र है। मैं विनीसियस का बहुत सम्मान करता हूं। वह समय जरूर आएगा जब वह मैच का नतीजा तय करेंगे और हमें जीत दिलाएंगे।'

मोरिन्हो ने विनीसियस के प्रदर्शन की आलोचना का बचाव करते हुए इंटर की तकनीकी रणनीति के खिलाफ रियल मैड्रिड के अटैकर्स को हुई मुश्किलों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, 'अगर वह मेहनत करते हैं, तो उन्हें हमेशा मेरा समर्थन मिलेगा। उन्होंने टीम के लिए बहुत मेहनत की। ऐसी टीम के खिलाफ खेलना विंगर्स के लिए बहुत मुश्किल होता है जो पीछे तीन डिफेंडर और विंग-बैक का इस्तेमाल करती है।'

रियल मैड्रिड के बॉस का मानना ?

जूनियर विमेंस हॉकी एशिया कपः शान से सेमीफाइनल में पहुंचीं भारत की बेटियां

पाकिस्तान को 19-0 से रौंदा

मोकी (चीन)। भारतीय टीम ने विमेंस जूनियर हॉकी एशिया कप 2026 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान को 19-0 से रौंद दिया है। इस जीत के साथ ही भारत ने सेमीफाइनल का टिकट भी हासिल कर लिया है। डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने मैच की शुरुआत से ही शानदार खेल दिखाया। टीम को पहला गोल करने में सिर्फ सात मिनट लगे, जब पूजा साहू ने गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाते हुए टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। दो मिनट बाद रोशनी ऐंड ने भारत

की बढ़त को दोगुना कर दिया। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार अटैक किया, जिससे पाकिस्तान की टीम पर दबाव बढ़ता चला गया। अगले पांच मिनट में भारत ने चार और गोल दाग दिए। तनुश्री दिनेश काड़ू ने 11वें मिनट में, सुखवीर कौर ने 13वें मिनट में और सानिका चंद्रकांत माने ने भी 13वें मिनट में गोल किया।

मधु सिदार और गीता यादव ने भी गोल कर टीम की बढ़त और बढ़ा दी। वहीं, सानिका माने ने 23वें मिनट में अपना दूसरा गोल करके भारत की मजबूत स्थिति को और मजबूत कर दिया। भारत ने पहले हाफ में अपना दबदबा पूरी तरह बनाए रखा। तनुजा टोप्पो और पूजा मलिक ने गोल करके टीम की बढ़त को और मजबूत किया।

इसके बाद 33वें मिनट में पूर्णिमा यादव ने भी गोल दागा, जिससे भारत ने हाफ-टाइम तक 10-0 की बड़ी बढ़त हासिल कर ली।

दूसरे हाफ की शुरुआत के बाद भी भारतीय टीम ने आक्रामक खेल जारी रखा। 39वें मिनट में मधु सिदार ने एक और गोल किया और एक मिनट बाद सुप्रिया ने भी मैच का अपना पहला गोल दागा। इसके बाद पूजा मलिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 49वें और 51वें मिनट में लगातार दो गोल किए और अपनी हैट्रिक पूरी की। भारत ने पूरे मैच में पाकिस्तान को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

कृष्णा शर्मा और बिनिमा धन ने भी गोल किए, जिससे टीम की बढ़त लगातार बढ़ती गई। सुप्रिया ने 54वें मिनट में अपना दूसरा गोल दागा, जबकि रोशनी ने मैच के आखिरी मिनट में गोल करके अपना दूसरा गोल पूरा किया और भारत की शानदार जीत पर मुहर लगा दी। भारत की यह 19-0 की बड़ी जीत कोई हैरानी की बात नहीं थी, क्योंकि टीम ने ग्रुप चरण में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था। भारत ने जापान, मलेशिया और साउथ कोरिया जैसी मजबूत टीमों को हराकर अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया था।

अब भारतीय टीम सेमीफाइनल में साउथ कोरिया और मलेशिया के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल के विजेता से भिड़ेगी। मौजूदा चैंपियन भारत लगातार तीसरी बार जूनियर महिला एशिया कप का खिताब जीतने से सिर्फ दो जीत दूर है। टीम ने 2023 और 2024 में भी यह ट्रॉफी अपने नाम की थी।

जूनियर एशिया कप हॉकी

अनमोल एक्का के छह गोल की मदद से भारतीय पुरुष टीम सेमीफाइनल में पहुंची

मोकी। डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने बुधवार को यहां अपने आखिरी पूल ए मैच में चीनी ताइपे को 15-0 से आसानी से हराकर एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली। भारत की तरफ से कप्तान कप्तान अनमोल एक्का ने छह गोल किए। एक्का ने सभी गोल पेनल्टी कॉर्नर से किए। एक्का के गोलों की वजह से हीं भारत ने बिना गोल वाले शुरुआती क्वार्टर को एकतरफा मुकाबले में बदल दिया। इस जीत से भारत तीन जीत और एक ड्रॉ से 10 पॉइंट्स के साथ पूल ए में टॉप पर पहुंच गया। मैच में भारत ने गेंद पर दबदबा बनाए रखा और शुरुआती 15 मिनट में कई मौके बनाए, लेकिन चीनी ताइपे के मजबूत डिफेंस को भेद नहीं पाया। आखिरकार 17वें मिनट में

सफलता मिली जब आर्यन जेस ने पहला गोल किया, और एक मिनट बाद प्रभदीप सिंह ने बढ़त दोगुनी कर दी। 22वें मिनट में गुरसेवक सिंह ने स्कोर 3-0 कर दिया, जिसके तीन मिनट बाद एक्का ने अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर गोल में बदला। अर्जुन संतोष हरगुडे ने 28वें मिनट में एक और गोल किया, और कुछ ही देर बाद एक्का ने फिर गोल किया, जिससे भारत हाफ-टाइम में 6-0 की बढ़त के साथ गया।

तीसरा क्वार्टर पूरी तरह से भारत के नाम रहा। एक्का ने अपनी हैट्रिक पूरी करने के लिए दो शुरुआती पेनल्टी कॉर्नर गोल में बदले और फिर एक और गोल करके अपनी संख्या चार कर ली। अजीत यादव ने भी 35वें मिनट में गोल किया, जिसके बाद एक्का ने 45वें मिनट में फिर से गोल करके अपना स्कोर पांच कर दिया और भारत को डबल फिगर में पहुंचा दिया।

आखिरी क्वार्टर में हरपाल ने 48वें मिनट में गोल किया, जिसके तीन मिनट बाद एक्का ने एक और सफल पेनल्टी कॉर्नर के साथ अपना शानदार छह गोल का आंकड़ा पूरा किया। हरपाल ने इसके तुरंत बाद अपना दूसरा गोल किया, जबकि आर्यन जेस ने मैच का अपना दूसरा गोल करके भारत को 15-0 से जीत दिलाई।

एशियन गेम्स 2026

जेमिमा की जगह प्रतिका हुई भारतीय टीम में शामिल

नई दिल्ली। जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में टॉप-ऑर्डर की बल्लेबाज प्रतिका रावल को चोटिल जेमिमा रोड्रिग्स की जगह शामिल किया गया है। जेमिमा, जो भारत के मिडिल ऑर्डर की अहम खिलाड़ी हैं अभी भी हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रही हैं। उन्हें यह चोट पिछले महीने की शुरुआत में 'द हंड्रेड' टूर्नामेंट में 'सदर्न ब्रेव' के लिए खेलते हुए लगी थी। इस चोट के कारण जेमिमा दुबई में चल रहे महिला एशिया कप 2026 से भी बाहर हो गई थीं। जब एशिया कप टीम में जेमिमा की जगह प्रतिका को शामिल करने की घोषणा की गई थी, तब उसके बाद होने वाले एशियन गेम्स के लिए उनकी जगह लेने वाली खिलाड़ी के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई थी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने बुधवार को 'आईएएनएस' को बताया, 'प्रतिका एशियन गेम्स 2026 में जेमिमा रोड्रिग्स की जगह जापान जाएंगी। एशियन गेम्स के लिए सौंपी गई 15 सदस्यीय टीम में उनका नाम शामिल है।'

प्रतिका ने दुबई में चल रहे एशिया कप में अपना टी20 इंटरनेशल डेब्यू किया और भारतीय टीम मैनेजमेंट ने उन्हें नंबर तीन पोजीशन पर खेलने के लिए चुना। टूर्नामेंट के लीग स्टेज में प्रतिका ने 22, 10 और 4 रन बनाए हैं। एशिया कप के लिए भारतीय टी20 इंटरनेशनल टीम में उन्हें अचानक तब बुलाया गया जब वह इंग्लैंड में 'वन डे कप' में 'वार्विकशायर' के लिए खेलने की तैयारी कर रही थीं। हाल ही में टी20 इंटरनेशनल डेब्यू करने से पहले प्रतिका ने नवंबर 2024 के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी टी20 मैच नहीं खेला था, महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 में बांग्लादेश के खिलाफ मैच के दौरान उनके टखने में चोट लग गई थी। इस चोट की वजह से उन्हें लंबे समय तक मैदान से बाहर रहना पड़ा और वह काफी समय तक क्रिकेट नहीं खेल सकीं।

उस चोट के कारण प्रतिका महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का 2026 एडिशन भी नहीं खेल पाईं। उन्हें पिछले साल नई दिल्ली में हुए प्लेयर ऑक्शन में यूपी वॉरियर्स ने 50 लाख रुपये में खरीदा था। भारतीय टीम मैनेजमेंट को उम्मीद होगी कि रावल मिडिल ऑर्डर में जल्द ही अपनी लय हासिल कर लेंगी, क्योंकि गुरुवार को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला बांग्लादेश से होना है। एशियन गेम्स 2026 में महिला क्रिकेट प्रतियोगिता 17 से 22 सितंबर तक होगी।

एशियन गेम्स के लिए भारत की टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, प्रतिका रावल, भारती फुलमाली, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कामलिनी (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, राधा यादव, प्रेमा रावत, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह, एन. श्री चरणी और नंदिनी शर्मा।

वनडे रिकॉर्डः डेब्यू मैच में हरमन ने जड़े 150 रन

हमवतन खिलाड़ी के 'वर्ल्ड रिकॉर्ड' की बराबरी

विंडहोक। साउथ अफ्रीका के 24 वर्षीय बल्लेबाज जॉर्डन हरमन वनडे डेब्यू मैच में सबसे बड़ी पारी खेलने के मामले में संयुक्त रूप से 'नंबर-1' बन गए हैं। बाएं हाथ के सलामी

बल्लेबाज ने बुधवार को नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड पर नामीबिया के खिलाफ 126 गेंदों में 3 छक्कों और 17 चौकों के साथ 150 रन जड़े। इसी के साथ हरमन ने हमवतन मैथ्यू ब्रीत्जके के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है, जिन्होंने 10 फरवरी 2025 को न्यूजीलैंड के विरुद्ध वनडे फॉर्मेट में डेब्यू करते हुए 148 गेंदों में 16 बाउंड्री के साथ 150 रन की पारी खेली थी। पुरुषों की इस लिस्ट में वेस्टइंडीज के डेसमंड हेन्स (148 बनाम ऑस्ट्रेलिया) तीसरे और अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज (127 बनाम आयरलैंड) चौथे स्थान पर हैं। भारत की तरफ से केएल राहुल डेब्यू वनडे मैच में शतक लगाने वाले इकलौते खिलाड़ी हैं। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम ने निर्धारित ओवरों में 6 विकेट खोकर 348 रन बनाए। साउथ अफ्रीका ने महज 27 के स्कोर पर कॉनर एस्टरहुइजेन (10) का विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद हरमन ने टोनी डी जोरजी के साथ दूसरे विकेट के लिए 166 गेंदों में 190 रन जोड़कर टीम को दोहरे शतक के पार पहुंचा दिया।

जोरजी 84 गेंदों में 8 बाउंड्री के साथ 72 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद हरमन ने देवाल्ड ब्रेविस (33) के साथ तीसरे विकेट के लिए 58 रन जुटाए। टीम को हरमन के रूप में 275 के स्कोर पर तीसरा झटका लगा, जिसके बाद 292 रन तक 5 विकेट गिर गए।

इसके बाद कॉर्बिन बॉश (नाबाद 39) ने जेसन स्मिथ (15) के साथ छठे विकेट के लिए 32 गेंदों में 41 रन जुटाकर टीम को तिहरे शतक के पार पहुंचाया। नामीबिया की तरफ से रूबेन ट्रम्पेलमैन ने सर्वाधिक 4 विकेट निकाले, जबकि जेजे स्मिट और गेरहार्ड इरास्मस को 1-1 विकेट हाथ लगा।

दोनों देशों के बीच वनडे सीरीज के तीन मुकाबले 9, 11 और 13 सितंबर को खेले जाएंगे। साउथ अफ्रीका सीरीज का पहला मैच जीतकर बढ़त हासिल करना चाहेगा।

मैं अपने दोस्तों के लिए बहुत प्रोटेक्टिव हूं

'खतरों के खिलाड़ी 15' की शूटिंग के दौरान ओरी और गौरव खन्ना ने साउथ अफ्रीका में करीब एक महीना साथ बिताया। दोनों ने एक ही वैनिटी भी शेयर की और घंटों बातचीत की। यही वजह है कि गौरव और आकांक्षा चमोला के विवाद में ओरी खुलकर गौरव के बचाव में उतरे। अब उन्होंने बताया है कि आकांक्षा की कौन सी बात उन्हें इतनी खली कि वह सोशल मीडिया पर कमेंट करने से खुद को रोक नहीं पाए।

मुझे लगा गौरव के नाम का इस्तेमाल हो रहा है मैंने गौरव के वीडियो के कमेंट सेक्शन में लिखा था। मैं अपने दोस्तों को लेकर बहुत प्रोटेक्टिव हूं। अगर कोई मेरा दोस्त है और मुझे लगता है कि उसके साथ कुछ गलत हो रहा है, तो मैं चुप नहीं रहूंगा। मुझे लगा कि गौरव का नाम इस्तेमाल करके खुद को आगे बढ़ाया जा रहा है और शो को फायदा पहुंचाया जा रहा है।

फिर खुद को सेल्फ मेड कैसे कह सकती हैं

आप किसी शो पर जाते हो, अपने पति को अंडर द बस फेंक देते हो और फिर खुद को सेल्फ मेड कहते हो। मुझे यह बात समझ नहीं आई। अगर आप करीब 10 साल से किसी इंसान के साथ पति-पत्नी के रिश्ते में रहे हो, तो फिर नेशनल टेलीविजन पर उसके बारे में इतना बुरा कैसे बोल सकते हो? और उसके बाद खुद को सेल्फ मेड वुमन कैसे कह सकते हो? गौरव का काम और उसका फेम भी आपकी जिंदगी में मददगार रहा है। तो फिर आप यह कैसे कह सकते हो कि सब कुछ सिर्फ आपका अपना है? मैं किसी की मेहनत कम नहीं कर रहा, लेकिन इतने साल साथ रहने के बाद एक-दूसरे की जिंदगी पर असर तो पड़ता ही है।'

मैं अपने दोस्तों के लिए बहुत प्रोटेक्टिव हूं

मैं गौरव को जानता हूं। हमने करीब एक महीने तक एक ही वैनिटी शेयर की है। हम घंटों बात करते थे। इसलिए मैं उसके बारे में सिर्फ सोशल मीडिया देखकर बात नहीं कर रहा हूं। मैंने उसके साथ वक्त बिताया है और जानता हूं कि वह कैसा इंसान है। मेरे लिए गौरव एक अच्छा इंसान है। इसलिए जब मुझे लगा कि उसके साथ गलत हो रहा है, तो मैंने अपनी बात रखी। मैं दोस्ती को लेकर बहुत सीधा हूं। अगर मैं किसी का दोस्त हूं, तो उसके दुश्मन का सबसे बड़ा दुश्मन हूं। मैं अपने दोस्तों के लिए बहुत प्रोटेक्टिव हूं।

एक अच्छे इंसान को अंडर द बस फेंक दिया

बाद में जब मुझे पूरा मामला समझ आया, तो मुझे लगा कि यह बहुत गलत है। मुझे लगा कि एक अच्छे इंसान का नाम खराब किया जा रहा है और उसके नाम का इस्तेमाल शो को आगे बढ़ाने के लिए किया गया। ऐसा नहीं है कि उनके जरिए कोई बहुत बड़ी सुपरस्टार बन गईं। लेकिन मुझे लगा कि उनके नाम से फायदा लिया गया और फिर उसी इंसान को अंडर द बस फेंक दिया गया। मेरी परेशानी यही है। अपनी कहानी बताओ, अपनी जिंदगी के बारे में बात करो, लेकिन किसी ऐसे इंसान का नाम लेकर उसे नीचे मत गिराओ जिसे मैं खुद जानता हूं और जिसे मैं अच्छा इंसान मानता हूं।

गौरव-आकांक्षा विवाद में क्या हुआ?

दरअसल, गौरव खन्ना और आकांक्षा चमोला की शादी को करीब 10 साल हो चुके हैं। 'लॉक अप 2' में आकांक्षा ने पहली बार खुलकर बताया था कि दोनों करीब एक साल से अलग रह रहे हैं..तलाक लेने वाले हैं। इसके बाद गौरव ने भी इस बारे में बात की और कहा कि उनके मन में आकांक्षा के लिए प्यार और सम्मान आज भी है। हालांकि, शो में गौरव को लेकर आकांक्षा की कुछ बातों पर विवाद हुआ। खासकर उनके उस बयान की काफी चर्चा हुई, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह गौरव की जगह अपने माता-पिता या अपने पालतू कुत्ते को शो में देखना पसंद करतीं।

फिल्म 'दायरा' नहीं करना चाहते थे पृथ्वीराज सुकुमारन

फिल्म 'दायरा' इन दिनों काफी चर्चा में है। फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन और करीना कपूर अहम किरदारों में है। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में मीडिया से बात करते हुए पृथ्वीराज सुकुमारन ने बताया कि शुरुआत में वह यह फिल्म रिजेक्ट करने वाले थे।

क्यों फिल्म ठुकराना चाहते थे एक्टर?

पृथ्वीराज सुकुमारन ने फिल्म 'दायरा' के बारे में बात करते हुए कहा, 'दायरा के लिए मुझे मीटिंग का बुलावा ऐसे समय आया जब मैंने एसएस राजामौली के साथ साउथ सिनेमा की एक बहुत बड़ी फिल्म के लिए हां कर दिया था। मुझे पता था कि आने वाले महीनों में मेरे पास मलयालम फिल्मों और उस समय शूट हो रही 'वाराणसी' के अलावा कुछ और करने का समय नहीं होगा। लेकिन जब मेघना गुलजार ने मीटिंग के लिए कहा, तो मुझे लगता है कि इस देश का कोई भी अभिनेता उनसे जरूर मिलना चाहेगा।'

फिल्म के लिए कैसे राजी हुए पृथ्वीराज

अपनी बातचीत में पृथ्वीराज सुकुमारन ने बताया कि मेघना गुलजार को मना करने का मन बनाने के बाद भी उन्होंने कैसे और क्यों अंत में फिल्म को लेकर हां कह दिया। एक्टर ने बताया, 'मैंने मेघना से कहा कि मुझे उनसे मिलकर बहुत खुशी होगी और मैं खुद को इस बात के लिए तैयार कर रह था। सोचा की बहुत विनम्रता से उनकी बात सुनूंगा और फिर अपनी बात कहूंगा। उनसे बोलूंगा कि माफ कीजिए, यह संभव नहीं है क्योंकि मेरे पास समय नहीं है।' पृथ्वीराज ने आगे बताया, 'हमारी मुलाकात हुई और उन्होंने फिल्म की कहानी सुनाई। फिर मैंने सोचा मैं मना नहीं कर सकता। मैंने पूछा कि अजूनी का किरदार कौन निभा रहा है? फिर मेघना ने कहा कि वह करीना को लेना चाहती हैं और अंत में मैंने फिल्म के लिए हां कह दिया।'

ब्रेकअप की अफवाहों पर बोलीं जैस्मिन भसीन

अभिनेत्री जैस्मिन भसीन और अली गोनी लंबे वक्त से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों की जोड़ी काफी पसंद की जाती है। इस बीच अचानक इनके ब्रेकअप के कयास लगने लगे। दरअसल, जैस्मिन के एक 'आई एम इनफ' टैटू वाली पोस्ट के बाद ऐसी अफवाहों ने जोर पकड़ा। ब्रेकअप की खबरों पर अब जैस्मिन ने रिएक्शन दिया है।

अभिनेत्री जैस्मिन ने ब्रेकअप की रूमर्स पर लोगों को आड़े हाथों लिया है। साथ ही जिस पोस्ट की वजह से ऐसी खबरों ने जोर पकड़ा, उस पर भी सफाई दी है। जैस्मिन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने लिखा है, 'मेरी जिंदगी में जो कुछ भी है, वह हर चीज मेरे रिलेशनशिप को लेकर कोई क्रिप्टिक मैसेज नहीं होता है। कई बार एक महिला सिर्फ यूं ही अपने बारे में बात कर रही होती है'। जैस्मिन ने आगे कहा, 'हैरानी की बात है कि कई बार चीजों को कैसे घुमा-फिरा दिया जाता है और कपल की तस्वीरों का इस्तेमाल ऐसे करते हैं, ताकि ज्यादा लोग उन्हें देखें। चिल करो गाइज'।

कैसे शुरू हुई चर्चा?

जैस्मिन ने हाल ही में अपना पहला टैटू बनवाने के बारे में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया था। इसी से अफवाहों ने जोर पकड़ा। इस टैटू पर लिखा था, 'आई एम इनफ' (मैं अपने आप में काफी हूं)। इस पोस्ट को अभिनेत्री ने बाद में डिलीट कर दिया। इसी के साथ उन्होंने अपनी जिंदगी के एक ऐसे दौर के बारे में बात की, जब उन्होंने प्यार और अपनाए जाने का एहसास पाने के लिए खुद को बदलने की कोशिश की थी। जब अली के साथ ब्रेकअप की रूमर्स फैलने लगीं तो जैस्मिन ने एक और पोस्ट शेयर कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे दी है।

बता दें कि जैस्मिन और अली की पहली मुलाकात साल 2018 में रोहित शेट्टी के रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 9' की शूटिंग के दौरान हुई थी। अर्जेंटीना में साथ रहने के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और बाद में उनकी दोस्ती गहरी हो गई। उनका रिश्ता 2020 में तब सबके सामने आया जब अली 'बिग बॉस 14' के घर में वाइल्डकार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर आए, जबकि जैस्मिन पहले से ही शो का हिस्सा थीं। शो में रहने के दौरान अली ने जैस्मिन के लिए अपनी फीलिंग्स के बारे में खुलकर बात की। तभी से दोनों साथ हैं।

संदीपा धर ने शुरू की असुर 3 की शूटिंग

वेब सीरीज 'असुर सीजन 3' की से जुड़ी एक खास जानकारी सामने आई है। हाल ही में एक्ट्रेस संदीपा धर ने फैंस के साथ इस खबर को फोटोज के जरिए शेयर किया। 'असुर' फ्रेंचाइजी के इस तीसरे सीजन का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। एक्ट्रेस संदीपा धर ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा कीं। इनमें वह वेबसीरीज में दिखीं। इनसे फैंस को 'असुर सीजन 3' के बारे में जानकारी मिली। संदीप धर की शेयर की गई तस्वीरों के साथ कैप्शन भी लिखा। उन्होंने लिखा, 'यह जबरदस्त होने वाला है, 'नई शुरुआत' और 'तूफान से पहले की शांति।' इससे यह अंदाता लगाया जा सकता है कि यह सीजन दमदार होने वाला है। हालांकि सीरीज में संदीपा कौन सी भूमिका निभाएंगी इस पर से अभी पर्दा नहीं उठाया गया है।

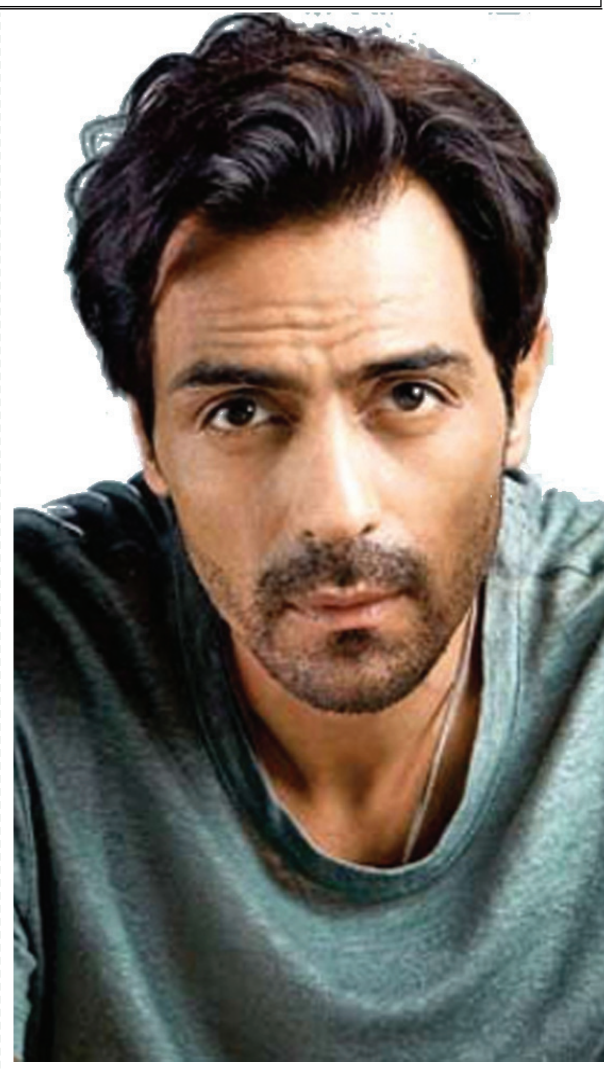

अर्जुन रामपाल ने 'ओ साथी रे' को लेकर दी अपडेट

हाल ही में अर्जुन रामपाल ने इम्तियाज अली और अदिति राव हैदरी से मुलाकात की और उनके साथ अच्छा समय बिताया। उन्होंने इस मुलाकात की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं और अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर अपना उत्साह जाहिर किया। उन्होंने अपनी अपकमिंग सीरीज 'ओ साथी रे' की शूटिंग की जानकारी दी।

अर्जुन रामपाल ने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें देखा जा सकता है कि वह निर्देशक इम्तियाज अली और अदिति राव हैदरी के साथ पोज दे रहे हैं। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'कुछ बहुत ही खास लोगों के साथ एक बहुत ही खास प्रोजेक्ट पूरा किया। आप लोगों की याद आएगी। आखिरकार अपने कॉलेज के दोस्त इम्तियाज अली के निर्देशन में काम करना बहुत अच्छा लगा। ओ साथी रे।'

अदिति राव हैदरी ने किया कमेंट

इस पोस्ट पर अदिति राव हैदरी ने कमेंट किया है। उन्होंने लिखा, 'अर्जुन, इतनी आसानी से कमाल का इंसान होने के लिए शुक्रिया। हमेशा आपकी तारीफ करती हूं। आपके नए सफर के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं।' इसके जवाब में अर्जुन ने कमेंट में लिखा 'अदिति राव हैदरी तुम कमाल की हो और वह लंच शानदार था।'

फिल्म को लेकर बोले इम्तियाज अली

हाल ही में इस फिल्म की कहानी पर इम्तियाज अली ने कहा ''ओ साथी रे' ने मुझे इसके डेवलपमेंट के हर मोड़ पर हैरान किया। यह पुराने जमाने के दिल वाली एक मॉडर्न कहानी है। यह मेट्रोपॉलिटन जिंदगी की भागदौड़ के बीच एक जादुई परी-कथा जैसी है। मुझे राहत और उत्साह दोनों महसूस हो रहा है कि आरिफ, अविनाश, अदिति और अर्जुन की शानदार कास्ट को निर्देशित कर रहा हूं। नेटफ्लिक्स के साथ मजबूत होते रिश्ते की वजह से ही हम 'ओ साथी रे' की आकर्षक दुनिया में कदम रख पाए।'

'राइज एंड फॉल 2' में शिरकत करने की तैयारी में गोविंदा

गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप- सच या सजा' के जरिए अपना रियलिटी शो डेब्यू किया। बीते दिनों इस शो से उन्होंने खूब लोकप्रियता बटोरी। अब उनके बाद गोविंदा भी रियलिटी शो में हिस्सा लेने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे चर्चित रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' के दूसरे सीजन में शिरकत कर सकते हैं।

गोविंदा इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। पत्नी सुनीता आहूजा ने उन पर किसी अन्य हीरोइन के साथ अफेयर होने जैसे आरोप लगाए हैं। शादीशुदा जिंदगी में चल रहे उतार-चढ़ावों के बीच गोविंदा को लेकर एक दिलचस्प खबर सामने आई है कि वे रियलिटी शो में बतौर कंटेस्टेंट डेब्यू करने वाले हैं। गोविंदा से इस शो के लिए संपर्क किया गया है। वे इसमें शामिल होने के इच्छुक हैं।

शो में हिस्सा लेने के लिए बातचीत जारी

गोविंदा से 'राइज एंड फॉल 2' रियलिटी शो में हिस्सा लेने के लिए बातचीत चल रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एम एक्स प्लेयर के इस शो के लिए बातचीत अंतिम दौर में हैं। अगर बात पक्की हो जाती है और गोविंदा राजी हो जाते हैं तो यह बतौर प्रतिभागी उनका पहला रियलिटी-टीवी शो होगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फॉर्मेट का दूसरा सीजन मशहूर हस्तियों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। कहा जा रहा है कि प्रोडक्शन टीम कंफर्म करने से पहले कॉन्ट्रैक्ट और शेड्यूल से जुड़ी जानकारी को अंतिम रूप दे रही है। गोविंदा का इसमें शामिल होना लगभग तय है, लेकिन अभी तक इसे लेकर किसी की तरफ से कोई पुष्टि नहीं की गई है।

बता दें कि गोविंदा और सुनीता आहूजा काफी वक्त से निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। इसके चलते सुनीता ने तलाक की अर्जी भी दाखिल की थी। मगर, बीते दिनों उन्होंने तलाक की याचिका वापस ले ली। इस बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो जमकर वायरल हुआ, जिसमें राखी सावंत और सुनीता फोन पर बात करती दिखीं। सुनीता ने राखी से बात करते हुए एक चौंकाने वाला खुलासा किया और कहा कि गोविंदा दूसरी शादी की तैयारी कर रहे थे, इसलिए उन्होंने तलाक की याचिका वापस ली।

दिल्ली हाईकोर्ट में गौरव भाटिया की मानहानि याचिका पर सुनवाई, एआई से बने विवादित पोस्ट हटाने पर सहमति

सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका 24 घंटे में हटाएंगे पोस्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया की मानहानि याचिका पर गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका ने भाटिया के खिलाफ एआई से बनाए गए विवादित पोस्ट हटाने पर सहमति जताई। दोनों विवादित पोस्ट 24 घंटे के भीतर हटाए जाएंगे। अदालत ने मामले में सौरव दास, आशुतोष रांका और सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके को समन भी जारी किया है। अदालत ने मेटा और एक्स से कहा कि यदि भविष्य में इसी तरह के पोस्ट की हूबहू कॉपी दोबारा साझा की जाती है और गौरव भाटिया इसकी शिकायत करते हैं, तो उसे हटाने को लेकर कार्रवाई की जाए। मामले की सुनवाई जस्टिस तुषार राव गेडेला की अदालत में हुई।

पोस्ट को लेकर शुरू हुआ विवाद

मामला सीजेपी कार्यकर्ता नीशू आजाद के पिता संजय कुमार पर हमले के आरोपों से जुड़ा है। सीजेपी का आरोप है कि स्वतंत्र भारद्वाज और अन्य लोगों ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान संजय कुमार के साथ मारपीट की थी। इसी मामले में सीजेपी ने स्वतंत्र भारद्वाज के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और कार्रवाई की मांग की थी। इसी दौरान सौरव दास ने एक ग्राफिक साझा किया, जिसमें गौरव भाटिया की तस्वीर और नाम के साथ स्वतंत्र भारद्वाज को 'दिमागी नक्सल' बताए जाने समेत कई बातें लिखी थीं। भाटिया ने इस बयान से इनकार करते हुए पोस्ट को फर्जी बताया। बाद में दास ने पोस्ट हटा दी और कहा कि ग्राफिक एआई से बनाया गया था। आरोप है कि

आशुतोष रांका ने दास की पोस्ट को दोबारा साझा किया था। सुनवाई के दौरान अदालत ने दास और रांका से पूछा कि क्या वे विवादित पोस्ट खुद हटाने के लिए तैयार हैं। कोर्ट ने कहा कि विरोध करने के कई तरीके हो सकते हैं, लेकिन बिना जांचे इस तरह किसी व्यक्ति पर हमला करना उचित नहीं है। अदालत ने कहा कि सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन उसे सही तरीके से रखा जाना चाहिए। दास के वकील ने बताया कि विवादित ट्वीट पहले ही हटाया जा चुका है। इस पर अदालत ने कहा कि एक अन्य पोस्ट भी साझा की गई थी। इसके बाद दोनों नेताओं के वकीलों ने उनसे बात कर बाकी पोस्ट हटाने को लेकर निर्देश लिए। बाद में दोनों ने पोस्ट हटाने पर सहमति जताई। सुनवाई के दौरान अदालत ने सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके को मामले में पक्षकार बनाए जाने पर सवाल उठाया। कोर्ट ने पूछा कि उनके खिलाफ ऐसी कौन-सी पोस्ट या सामग्री है, जिसके आधार पर उन्हें मामले में शामिल किया गया है। दीपके के वकील ने कहा कि उनके खिलाफ कोई विवादित ट्वीट नहीं है। अदालत ने भी कहा कि पहली नजर में दीपके के खिलाफ कोई पोस्ट सामने नहीं आई है। इसके बावजूद अदालत ने उन्हें समन जारी किया। गौरव भाटिया खुद अदालत में पेश हुए। उन्होंने कहा कि उनकी तस्वीर के साथ फर्जी बयान जोड़कर उसे इस तरह प्रस्तुत किया गया, जैसे बयान उन्होंने ही दिया हो। उन्होंने यह भी कहा कि ग्राफिक में एक समाचार एजेंसी के लोगो का इस्तेमाल किया गया था। भाटिया के अनुसार, पोस्ट बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंची और इससे उनकी छवि को नुकसान हुआ। याचिका के मुताबिक, विवादित पोस्ट को 1.32 लाख से अधिक लोगों ने देखा था। भाटिया ने सीजेपी नेताओं के खिलाफ दो करोड़ रुपए के हर्जाने की मांग की है। साथ ही ऐसी पोस्ट को भविष्य में दोबारा साझा करने पर रोक लगाने की मांग भी की गई है। मामले में अदालत की अगली कार्रवाई अब पोस्ट हटाने की सहमति और संबंधित पक्षों के जवाब के आधार पर आगे बढ़ेगी।

सोने-चांदी के दाम में फिर तेजी, सोना 1.54 लाख और चांदी 2.39 लाख के पार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। सोने और चांदी की कीमतों में 10 सितंबर को एक बार फिर तेजी देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 542 रुपए बढ़कर 1.54 लाख रुपए पहुंच गया। वहीं एक किलो चांदी की कीमत में 3,307 रुपए की बढ़ोतरी हुई और यह 2.39 लाख रुपए प्रति किलो हो गई।

2026 में सोना करीब 20 हजार रुपए महंगा

इस साल सोने की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव बना हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोने की कीमत 1.33 लाख रुपए थी, जो अब बढ़कर 1.54 लाख रुपए हो चुकी है। यानी 2026 में अब तक सोने के भाव में करीब 20 हजार रुपए की बढ़ोतरी हो चुकी है। लगातार बढ़ते भाव के चलते आम खरीदारों के साथ निवेशकों की भी नजर सोने और चांदी के बाजार पर बनी हुई है। कोटक सिक्युरिटीज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं कमोडिटी रिसर्च प्रमुख अनिंद्य बनर्जी के मुताबिक, सोने को आम निवेशकों के साथ दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों, जिनमें भारतीय रिजर्व बैंक भी शामिल है, का समर्थन मिल रहा है। केंद्रीय बैंकों की ओर से लगातार सोने की खरीदारी को कीमतों के लिए सकारात्मक माना जा रहा है। बनर्जी के अनुसार, आगे मुश्किल परिस्थितियों में भी सोने में तेजी बनी रह सकती है। वहीं यदि परिस्थितियों में सुधार होता है तो चांदी में भी उछाल देखने को मिल सकता है। मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए दिसंबर तक सोने की कीमत 1.70 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 3 लाख रुपए प्रति किलो तक पहुंचने का अनुमान जताया गया है। ग्राहकों को हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा प्रमाणित सोना ही खरीदना चाहिए। हॉलमार्क से सोने की शुद्धता और कैरेट की जानकारी मिलती है। खरीदारी से पहले उस दिन का सोने का भाव कई स्रोतों से जांचना चाहिए। 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट सोने की कीमत अलग-अलग होती है, इसलिए सही कैरेट के अनुसार भाव जरूर देखें। मेकिंग चार्ज भी बिल का अहम हिस्सा होता है। यह शुल्क तय नहीं होता और ग्राहक ज्वेलर्स से इस पर बातचीत कर सकता है। बड़ी खरीदारी में मेकिंग चार्ज कम कराने के साथ लेबर कॉस्ट का पूरा ब्योरा मांगना बेहतर सौदा दिला सकता है।

एपल का पहला फोल्डेबल फोन डुओ लॉन्च, खुलने पर मिलेगा 7.6 इंच का सबसे बड़ा आईफोन डिस्प्ले

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कैलिफोर्निया। एपल ने बुधवार को अपने पहले फोल्डेबल फोन डुओ को लॉन्च कर टेक्नोलॉजी बाजार में नई शुरुआत की है। कंपनी के मुताबिक, यह फोन बंद होने पर पासपोर्ट के आकार का दिखाई देता है। इसे स्टार व्हाइट और नाइट स्काई दो रंगों में पेश किया गया है। फोन को इस तरह डिजाइन किया गया है कि सामान्य इस्तेमाल के दौरान यह कॉम्पैक्ट रहे, जबकि खोलने पर उपयोगकर्ताओं को बड़ा डिस्प्ले मिल सके। एपल डुओ में 5.4 इंच की मुख्य डिस्प्ले दी गई है। फोन को खोलने पर यही स्क्रीन 7.6 इंच के बड़े पैनल में बदल जाती है। कंपनी का दावा है कि यह अब तक किसी भी आईफोन में दिया गया सबसे बड़ा डिस्प्ले है। बड़े स्क्रीन आकार के कारण वीडियो देखने, तस्वीरें देखने और दूसरे कामों के लिए उपयोगकर्ताओं को ज्यादा स्क्रीन स्पेस मिलेगा ारत में एपल डुओ की प्री-बुकिंग 16 अक्टूबर से शुरू होगी। इसके बाद 23 अक्टूबर से फोन की बिक्री शुरू की जाएगी। भारत में एपल के नए फोल्डेबल फोन को लेकर ग्राहकों की नजर अब इसकी कीमत और उपलब्धता पर रहेगी। कैलिफोर्निया में आयोजित लॉन्च कार्यक्रम में एपल ने आईफोन 18 प्रो और आईफोन 18 प्रो मैक्स भी पेश किए। इसके साथ ही एयरपॉड्स 5, एपल वॉच सीरीज 12 और वॉच अल्ट्रा 4 को भी लॉन्च किया गया। नए उत्पादों के जरिए कंपनी ने अपने स्मार्टफोन के साथ पहनने योग्य उपकरणों और ऑडियो उत्पादों की नई श्रृंखला भी पेश की है। आईफोन 18 प्रो और आईफोन 18 प्रो मैक्स एपल के पहले प्रीमियम फोन हैं, जिनमें तीनों कैमरों में 48 मेगापिक्सल सेंसर दिए गए हैं। इनमें मुख्य कैमरा, टेलीफोटो कैमरा और अल्ट्रावाइड कैमरा शामिल हैं। कंपनी के अनुसार, तीनों कैमरों को 48 मेगापिक्सल क्षमता के साथ पेश किया गया है, जिससे फोटोग्राफी और वीडियो के लिए बेहतर कैमरा अनुभव मिलने की उम्मीद है। बैटरी और चार्जिंग पर भी जोर एपल ने आईफोन 18 प्रो में एक बार चार्ज करने पर 24 घंटे और आईफोन 18 प्रो मैक्स में 30 घंटे तक चलने का दावा किया है। कंपनी के मुताबिक, यह अब तक का सबसे ज्यादा बैटरी बैकअप है। इसके अलावा फोन केवल 15 मिनट में 50 प्रतिशत तक चार्ज हो सकता है।

13वीं मंजिल से गिरकर आईटी कंपनी के जूनियर इंजीनियर की मौत, सेल्फी और सीसीटीवी से हादसे की जांच को मिला नया एंगल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। मानसरोवर थाना क्षेत्र के न्यू आतिश मार्केट में एक बिल्डिंग की 13वीं मंजिल से गिरने के कारण 22 वर्षीय इंजीनियर गौरव शर्मा की मौत हो गई। गौरव आईटी कंपनी एक्सेंचर में जूनियर इंजीनियर के पद पर कार्यरत था। घटना 4 सितंबर की शाम करीब 7:30 बजे की बताई जा रही है। घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज 8 सितंबर को सामने आने के बाद पुलिस ने मामले की जांच को नए एंगल से आगे बढ़ाया है। पुलिस के अनुसार, सोडाला के रामनगर निवासी गौरव अकेले 13 मंजिल की बिल्डिंग पर पहुंचा था। जांच के दौरान उसके मोबाइल फोन से घटना से कुछ सेकेंड पहले ली गई एक सेल्फी भी मिली है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गौरव को सेल्फी और रील बनाने का शौक था। पुलिस को आशंका है कि सेल्फी लेते समय उसका पैर फिसल गया होगा और संतुलन बिगड़ने के कारण वह नीचे गिर गया। टना की सूचना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। एफएसएल टीम ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए। इसके साथ ही पुलिस ने बिल्डिंग और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाली। फुटेज में गौरव अकेले बिल्डिंग की ओर जाते हुए दिखाई दिया है। पुलिस को अब तक किसी अन्य व्यक्ति के उसके साथ होने की जानकारी नहीं मिली है। मानसरोवर थानाधिकारी सतीश चंद ने बताया कि शुरुआती जांच में पुलिस ने आत्महत्या की आशंका को भी ध्यान में रखा था। हालांकि मोबाइल में घटना से कुछ सेकेंड पहले मिली सेल्फी और सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद अब मामले की जांच दूसरे एंगल से की जा रही है। एफएसएल से मिले साक्ष्यों और अन्य तथ्यों के आधार पर गौरव की मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट होगा। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया था। गौरव के मामा प्रवीण शर्मा के अनुसार, करीब 11 महीने पहले ही गौरव की एक्सेंचर में जूनियर

इंजीनियर के पद पर नौकरी लगी थी। वह सप्ताह में चार दिन घर से और दो दिन सीतापुरा स्थित कार्यालय से काम करता था। घटना वाले दिन शाम करीब 6 बजे तक उसने घर से काम किया। इसके बाद मां मंजू शर्मा से गोविंददेवजी मंदिर जाने की बात कही। जन्माष्टमी के कारण मंदिर में भीड़ होने पर मां ने उसे अगले दिन जाने की सलाह दी। इसके बाद गौरव पास के महिमा पार्क जाने की बात कहकर घर से निकल गया। बताया गया कि वह महिमा पार्क से मेट्रो के जरिए न्यू आतिश मार्केट पहुंचा था। परिजनों के अनुसार गौरव के पिता एडवोकेट अरुण शर्मा की करीब 19 साल पहले सड़क हादसे में मौत हो गई थी। पिता के निधन के बाद मां गौरव को लेकर काफी सतर्क रहती थीं और उसे स्कूटी तक चलाने देने से डरती थीं। मामा ने बताया कि गौरव ने उनसे कहा था कि कंपनी दिसंबर में उसे पदोन्नति देने वाली है। पदोन्नति मिलने के बाद वह अपनी मां को कार उपहार में देना चाहता था। गौरव मूल रूप से दूधली, बस्सी का रहने वाला था और वर्तमान में रामनगर, सोडाला में मां मंजू शर्मा और छोटी बहन प्रज्ञा शर्मा के साथ रह रहा था। प्रज्ञा बीएससी की पढ़ाई कर रही है। बेटे की मौत के बाद मां सदमे में हैं।

ब्रिक्स सम्मेलन से पहले दिल्ली में सुरक्षा का घेरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को देखते हुए राजधानी दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। दिल्ली पुलिस के विशेष आयुक्त मनीष कुमार अग्रवाल ने गुरुवार को बताया कि सम्मेलन के दौरान दिल्ली पुलिस के करीब 15 हजार जवानों के साथ अर्धसैनिक बल की 200 कंपनियां तैनात रहेंगी। हवाई अड्डे, प्रमुख होटल, भारत मंडपम और विदेशी प्रतिनिधिमंडलों के आने-जाने वाले मार्गों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है। प्रतिनिधिमंडलों की आवाजाही को देखते हुए 10 से 14 सितंबर के बीच दिल्ली के कई इलाकों में यातायात व्यवस्था में बदलाव किया जा सकता है। कुछ मार्गों पर जरूरत के अनुसार आवाजाही पर रोक भी लगाई जा सकती है। पुलिस ने विदेशी मेहमानों के प्रमुख मार्गों की पहले से जांच कर सुरक्षा इंतजामों को मजबूत किया है। सम्मेलन की सुरक्षा को देखते हुए नागरिक विमानन महानिदेशालय ने सात राज्यों के उड़ान प्रशिक्षण संगठनों की उड़ानों पर अस्थायी रोक लगा दी है। यह प्रतिबंध 11 सितंबर सुबह सात बजे से 13 सितंबर रात 11 बजे तक लागू रहेगा। इस दौरान उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश के प्रशिक्षण केंद्रों से विमानों को उड़ान भरने की अनुमति नहीं होगी। दूसरी ओर, नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ इंडिया ने दावा किया है कि सम्मेलन से पहले दिल्ली के कई इलाकों में सड़क किनारे सामान बेचने वाले विक्रेताओं से काम रोकने या दुकानें नहीं लगाने को कहा जा रहा है। संगठन के अनुसार इंडिया गेट, मदनगीर, भीकाजी कामा प्लेस, वसंत विहार, साकेत और आरके पुरम के विक्रेताओं ने ऐसी शिकायतें की हैं। संगठन ने अधिकारियों से अपील की है कि सुरक्षा व्यवस्था के साथ विक्रेताओं की रोजी-रोटी प्रभावित न हो। डिजिटल और सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ काजिम रिजवी के अनुसार, यदि ब्रिक्स देशों में साझा

सिद्धांतों के आधार पर सीमा पार डिजिटल सेवाओं को आसान बनाया जाता है तो भारत को नए बाजार मिल सकते हैं। इससे सॉफ्टवेयर, प्रबंधन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, वित्तीय तकनीक और अन्य पेशेवर सेवाओं के लिए अवसर बढ़ सकते हैं।2024 में भारत ने करीब 269 अरब डॉलर की डिजिटल सेवाएं दूसरे देशों को दीं और वैश्विक डिजिटल सेवा निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 5.8 प्रतिशत रही। ब्रिक्स देशों की संयुक्त हिस्सेदारी करीब 14 प्रतिशत बताई गई है। हालांकि यह यूरोपीय संघ जैसा साझा बाजार नहीं होगा, क्योंकि ब्रिक्स देशों की कानूनी, आर्थिक और राजनीतिक व्यवस्थाएं काफी अलग हैं। भारत-चीन के बीच डेटा और डिजिटल नियमों को लेकर भी अलग-अलग दृष्टिकोण हैं। ब्रिक से ब्रिक्स तक पहुंचा समूह ब्रिक्स की शुरुआत 2006 में ब्राजील, रूस, भारत और चीन के ब्रिक समूह के रूप में हुई थी। 2009 में रूस के येकातेरिनबर्ग में पहला शिखर सम्मेलन हुआ। 2011 में दक्षिण अफ्रीका के शामिल होने के बाद इसका नाम ब्रिक्स हुआ। जनवरी 2024 में मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात पूर्ण सदस्य बने, जबकि जनवरी 2025 में इंडोनेशिया भी इसमें शामिल हुआ। अब समूह में 11 पूर्ण सदस्य देश हैं और इसके साथ साझेदार देशों की संख्या भी बढ़ रही है। 12-13 सितंबर का सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है जब ब्रिक्स का आर्थिक और कूटनीतिक प्रभाव लगातार बढ़ रहा है।

जूनियर एशिया कप में भारत की ऐतिहासिक जीत, पाकिस्तान को 19-0 से रौंदा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। भारत ने जूनियर महिला हॉकी में पाकिस्तान के खिलाफ रिकॉर्ड जीत दर्ज करते हुए क्वार्टर फाइनल मुकाबला 19-0 से अपने नाम कर लिया। डिफेंडिंग चैंपियन भारतीय टीम ने गुरुवार को खेले गए जूनियर एशिया कप के क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान को एकतरफा अंदाज में हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। पूरे मुकाबले में पाकिस्तान की टीम एक भी गोल नहीं कर सकी। यह महिला जूनियर हॉकी में भारत की सबसे बड़ी जीत बताई गई है।भारत ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। पहले क्वार्टर में भारतीय टीम ने लगातार पांच गोल दागकर पाकिस्तान पर दबाव बना दिया। पूजा साहू ने 7वें मिनट में भारत का खाता खोला। इसके बाद रोशनी ऐंद ने 9वें, तनुश्री दिनेश कडू ने 11वें, जबकि सुखवीर कौर और सानिका चंद्रकांत माने ने 13वें मिनट में गोल किए। भारतीय खिलाड़ियों के तेज हमलों के सामने पाकिस्तान की रक्षापंक्ति लगातार दबाव में दिखाई दी। दूसरे क्वार्टर में भारत ने अपनी आक्रामक लय बरकरार रखी। मधु सिदार, गीता यादव, सानिका माने, तनुजा टोप्पो और पूजा मलिक ने गोल दागे। इन गोलों के साथ हाफ टाइम तक भारत ने 10-0 की मजबूत बढ़त हासिल कर ली थी। सानिका माने ने मुकाबले में दो गोल किए, जबकि मधु सिदार ने भी दो बार गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाया। तीसरे क्वार्टर में पूर्णिमा यादव, मधु सिदार और सुप्रिया ने गोल किए। आखिरी क्वार्टर में कृष्णा शर्मा, पूजा मलिक, सुप्रिया, बिनीमा धन और रोशनी ऐंद ने गोल किए। पूजा मलिक ने 49वें और 51वें मिनट में गोल करते हुए अपनी हैट्रिक पूरी की। रोशनी ऐंद ने 60वें मिनट में भारत का 19वां गोल दागकर मुकाबले का अंतिम स्कोर 19-0 कर दिया।

ओडिशा के जंगल में मिले 5 नन्हे ओरंगुटान, भारत में नहीं पाए जाते

बालासोर जिले में मंगलवार सुबह जंगल के भीतर मिले जानवरों ने बढ़ाई चिंता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बालासोर। ओडिशा के बालासोर जिले में मंगलवार सुबह जंगल के भीतर पांच नन्हे ओरंगुटान मिलने के बाद पूरे मामले का रहस्य गहरा गया है। जंगल में एक साथ मिले इन पांचों ओरंगुटानों को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। सबसे अहम बात यह है कि ओरंगुटान भारत में प्राकृतिक रूप से नहीं पाए जाते। ऐसे में इनके जंगल में मिलने के बाद आशंका जताई जा रही है कि इन्हें तस्करी के जरिए भारत लाया गया होगा।

जंगल में एक साथ मिले पांच ओरंगुटान

मंगलवार सुबह जंगल में पांच नन्हे ओरंगुटान मिलने की जानकारी सामने आने के बाद संबंधित स्तर पर इस मामले को लेकर चिंता बढ़ गई है। एक साथ पांच छोटे ओरंगुटानों का मिलना सामान्य घटना नहीं माना जा रहा है। उनके जंगल तक पहुंचने की परिस्थितियां फिलहाल स्पष्ट नहीं हैं।

भारत में प्राकृतिक रूप से नहीं मिलते

इस मामले को गंभीर बनाने वाली सबसे बड़ी वजह ओरंगुटान का भारत में नहीं पाया जाना है। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि ये पांचों जानवर बालासोर के जंगल तक आखिर कैसे पहुंचे। यदि इन्हें बाहर से लाया गया है तो इन्हें यहां लाने वाला कौन है और इनका उद्देश्य क्या था, यह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। तस्करी की आशंका ने बढ़ाई चिंता पांचों नन्हे

ओरंगुटानों के मिलने के बाद सबसे बड़ी आशंका वन्यजीव तस्करी को लेकर जताई जा रही है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी के आधार पर अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इन्हें वास्तव में तस्करी कर भारत लाया गया था या वे किसी अन्य परिस्थिति में यहां पहुंचे। इसलिए मामले की जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति सामने आ सकेगी। एक साथ पांच ओरंगुटानों के मिलने की घटना ने वन्यजीवों की अवैध आवाजाही से जुड़े सवाल भी खड़े कर दिए हैं। खासतौर पर जब ये जानवर भारत के प्राकृतिक वन्यजीव क्षेत्र का हिस्सा नहीं हैं, तब इनके यहां तक पहुंचने के रास्ते और पीछे की पूरी कहानी का पता लगाना महत्वपूर्ण हो जाता है बालासोर के जंगल में मिले इन पांच नन्हे ओरंगुटानों को लेकर फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि इन्हें वहां कौन लेकर आया और किस उद्देश्य से जंगल में छोड़ा गया। तस्करी की आशंका के बीच अब संबंधित एजेंसियों की जांच से ही इस रहस्य से पर्दा उठ सकेगा। पांचों ओरंगुटानों की मौजूदगी ने वन्यजीव संरक्षण और अवैध वन्यजीव व्यापार को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.